



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-27092021-229995  
CG-DL-E-27092021-229995

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 287]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 27, 2021/आश्विन 5, 1943

No. 287]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 27, 2021/ASVINA 5, 1943

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार और उपचार महानिदेशालय)

अंतिम जांच परिणाम

अधिसूचना

नई दिल्ली, 27 सितम्बर, 2021

मामला सं. (एडी-ओआई-34/2020)

**विषय:** यूरोपीय संघ, कोरिया गणराज्य, रूस और थाईलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "कैप्रोलेक्टम" के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच में अंतिम जांच परिणाम।

**फा. सं. 6/39/2020-डीजीटीआर.**—समय-समय पर यथा-संशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 और उसकी समय-समय पर यथा-संशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, मूल्यांकन एवं संग्रहण तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए;

**क. मामले की पृष्ठभूमि**

- गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (जिसे यहां आगे "आवेदक" अथवा "याचिकाकर्ता" अथवा "घरेलू उद्योग" भी कहा गया है) ने यूरोपीय संघ, कोरिया गणराज्य, रूस और थाईलैंड (जिन्हें आगे यहां "संबद्ध देश" भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "कैप्रोलेक्टम" (जिसे यहां आगे "संबद्ध सामान" अथवा "विचाराधीन उत्पाद" अथवा "पीयूसी" भी कहा गया है) के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत के लिए समय-समय पर यथा-संशोधित सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे यहां आगे "अधिनियम" भी कहा गया है) और उसकी

समय-समय पर यथा संशोधित सीमा प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, मूल्यांकन एवं संग्रहण तथा क्षति के निर्धारण के लिए) नियमावली, 1995 (जिसे यहां आगे "नियमावली" भी कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें यहां आगे "प्राधिकारी" भी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन पत्र दायर किया।

2. प्राधिकारी ने आवेदकों द्वारा प्रस्तुत प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर, संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के तथाकथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव निर्धारित करने के लिए और पाटनरोधी शुल्क की राशि, जो यदि लगाई जाए, और घरेलू उद्योग को तथाकथित क्षति समाप्ति करने के लिए पर्याप्त होगी, की सिफारिश करने के लिए नियमावली के नियम 5 के साथ पठित अधिनियम की धारा 9क के अनुसार जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में दिनांक 30 सितंबर, 2020 की अधिसूचना संख्या (ओआई) 34/2020-डीजीटीआर द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी की।

### ख. प्रक्रिया

3. जांच के संबंध में में नीचे वर्णित प्रक्रिया अपनाई गई है:

- क. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(1) के अनुसार, संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयातों के संबंध में जांच शुरू करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 30 सितंबर 2020 की अधिसूचना संख्या 6/39/2020-डीजीटीआर जारी की।
- ख. प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों, संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं और आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार घरेलू उद्योग को जांच की शुरुआत की अधिसूचना की प्रति भेजी और उनसे अनुरोध किया कि वे पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार जांच की शुरुआत की अधिसूचना के 30 दिनों के भीतर लिखित में अपने ज्ञात विचार दें। सूचना दायर करने के लिए समय सीमा पहली बार 4 दिसंबर, 2021 तक बढ़ाई गई थी और उसके बाद अंतिम रूप से प्राधिकारी द्वारा समयावधि 18 दिसंबर, 2021 तक बढ़ाई गई थी।
- ग. प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार, ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, ज्ञात आयातकों तथा भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को आवेदन पत्र के अगोपनीय रूपांतर की प्रति उपलब्ध करायी।
- घ. भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों से भी अनुरोध किया गया था कि वे अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नामों और पतों के साथ भेजी गई थी।
- ङ. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार, संगत सूचना मंगाने के लिए संबद्ध देशों में आवेदकों द्वारा उपलब्ध कराए गए व्यौरों के अनुसार निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावली भेजी:

- (i) ग्रोइन्तो खिमवोलोकनो, बेलारूस
- (ii) डीएसएम फाइबर इंटरमीडिएट, नीदरलैंड
- (iii) डोमो कैप्रोलुना, जर्मनी
- (iv) फाइब्रेंट प्योर केमिस्ट्री, नीदरलैंड्स
- (v) बीएसएसएफ एंटवर्पेन एन.वी., बेल्जियम
- (vi) ज़कलाडी अज़ोटोवे "पुलवी" एसए, पोलैंड
- (vii) स्पोलाना, चेक गणराज्य
- (viii) जेडए डब्ल्यू टर्नोवी-मोसियाच एस.ए., पोलैंड
- (ix) अज़ोट केमेरोवो, रूस

- (x) ओपन जेएससी शेकिनोअज़ोट रूस
- (xi) अवेस्ट्रा केमिकल (सुइस) एसए, स्विट्जरलैंड
- (xii) मिलमैन लिमिटेड, यूनाइटेड किंगडम
- (xiii) ऑप्टिमा केमिकल लिमिटेड-यूनाइटेड किंगडम
- (xiv) बीएसएसएफ बेल्जियम एसए, लुडविगशाफेन, जर्मनी
- (xv) कैप्रो कॉर्पोरेशन, कोरिया गणराज्य
- (xvi) कुइबीशेव अज़ोट, रूस
- (xvii) थाई कैप्रोलेक्टम पब्लिक कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड
- (xviii) यूबीई केमिकल्स (एशिया) पब्लिक कं, लिमिटेड, (यूसीएचए), थाईलैंड।

च. निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने प्रश्नावली के उत्तर दायर किए।

- (i) ओपन ज्वाइंट स्टॉक कंपनी "शचेकिनोअज़ोट", रूस
- (ii) अवेस्ट्रा केमिकल (सुइस) एसए, स्विट्जरलैंड
- (iii) ऑप्टिमा केमिकल लिमिटेड, यूनाइटेड किंगडम
- (iv) मिलमैन लिमिटेड, यूनाइटेड किंगडम
- (v) कैप्रो कॉर्पोरेशन, कोरिया गणराज्य
- (vi) ह्योसंग टीएनसी कारपोरेशन, निर्यातक, कोरिया गणराज्य
- (vii) पीजेएससी कुइबिशेव अज़ोट, रूस
- (viii) सीपीएच चिमिकल्स बीवी, नीदरलैंड्स
- (ix) इटोचु कॉर्पोरेशन, जापान
- (x) यूबीई केमिकल्स (एशिया) पब्लिक कंपनी लिमिटेड।

छ. केमरोवो जॉइंट-स्टॉक कंपनी एज़ोट, रूस और फ़िब्रेंट बीवी, यूरोपीय संघ ने प्रश्नावली के कोई उत्तर दायर नहीं किए, तथापि, उन्होंने मौखिक सुनवाई के बाद अनुरोध दायर किए हैं।

ज. प्राधिकारी ने, भारत में संबद्ध सामानों के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं/प्रयोक्ता एसोसिएशनों, जिनके नाम और पते प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए थे, को जांच की शुरुआत की अधिसूचना की प्रति भेजी और उन्हें सलाह दी कि वे नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार प्राधिकारी द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर लिखित अपने ज्ञात विचार दें:

- (i) सेंचुरी एनका लिमिटेड
- (ii) गुजरात पॉलीफिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड
- (iii) मोदीपोन लिमिटेड
- (iv) एसआरएफ लिमिटेड
- (v) एनआरसी लिमिटेड
- (vi) मदुरा इंडस्ट्रियल टेक्सटाइल्स लिमिटेड
- (vii) निरलॉन लिमिटेड
- (viii) जेसीटी लिमिटेड
- (ix) स्टार फिलामेंट्स कॉर्पोरेशन
- (x) मर्क लाइफ साइंस प्राइवेट लिमिटेड।

- झ. निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने निर्यातक प्रश्नावली के उत्तर दायर किए:
- (i) सेंचुरी एनका लिमिटेड
  - (ii) गुजरात पॉलीफिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड
  - (iii) एसआरएफ लिमिटेड
  - (iv) जेसीटी लिमिटेड
  - (v) मदुरा इंडस्ट्रियल टेक्सटाइल्स लिमिटेड।
- ञ. सिंथेटिक फाइबर इंडस्ट्री की एसोसिएशन और नायलॉन स्पिनर एसोसिएशन ने भी वर्तमान जांच में भाग लिया है और अनुरोध दायर किए हैं।
- ट. बीएएसएफ एसई-जर्मनी ने जांच की शुरुआत की अधिसूचना का उत्तर दिया लेकिन प्रश्नावली के कोई उत्तर/उसके बाद कोई अनुरोध दायर नहीं किए हैं।
- ठ. जिन निर्यातकों, विदेशी उत्पादकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है अथवा इस जांच से संगत कोई सूचना नहीं दी है, उन्हें असहयोगी हितबद्ध पक्षकार माना जा रहा है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारण किया जा रहा है।
- ड. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया। सभी हितबद्ध पक्षकारों की एक सूची डीजीटीआर की वेबसाइट पर अपलोड की गई थी, जिसमें उन सभी से अनुरोध किया गया था कि वे अन्य सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने अनुरोधों के अगोपनीय रूपांतर ईमेल करें क्योंकि चल रही वैश्विक कोविड-19 महामारी के कारण दस्तावेजों को वास्तविक रूप से लाने ले जाने पर प्रतिबंधों के कारण सार्वजनिक फाइल वास्तविक रूप से पहुंच में नहीं थी।
- ढ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक था, गोपनीयता के ऐसे दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, वहां गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों को निदेश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराएं।
- ण. हितबद्ध पक्षकारों को उनके द्वारा दायर उत्तरों, अनुरोधों और साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतर को अन्य हितबद्ध पक्षकारों के साथ साझा करने के लिए कहा गया था।
- त. वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए जांच की अवधि अप्रैल, 2019 से मार्च, 2020 (12 माह) मानी गई है। क्षति जांच की अवधि में अप्रैल, 2016 से मार्च, 2017, अप्रैल, 2017 से मार्च, 2018, अप्रैल, 2018 से मार्च, 2019 और जांच की अवधि मानी गई है।
- थ. आवेदक तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों से आवश्यक समझी गई सीमा तक अतिरिक्त/पूरक सूचना मांगी गई थी। घरेलू उद्योग और विदेशी उत्पादकों द्वारा दिए गए आंकड़ों का सत्यापन वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए आवश्यक समझी गई सीमा तक किया गया था।
- द. क्षति रहित कीमत (एनआईपी) सामान्यतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) और नियमावली के अनुबंध-III के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध सामानों के लिए उत्पादन लागत और निर्माण एवं बिक्री लागत के आधार पर है। यह इस प्रकार निकाली गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- ध. पिछले तीन वर्षों और जांच की अवधि के लिए लेन-देन वार आयात आंकड़ों के संबंध में वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से प्राप्त सूचना भारत में संबंधित उत्पाद के आयातों की मात्रा और मूल्य के निर्धारण के लिए अपनाई गई है।

- न. नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार, प्राधिकारी ने दिनांक 3 मार्च, 2021 को आयोजित मौखिक सुनवाई में सभी हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया जिसमें विभिन्न पक्षकारों ने भाग लिया गया था। मौखिक सुनवाई कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न विशेष परिस्थितियों के मद्देनजर वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित की गई थी। जिन पक्षकारों ने मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत किए थे, उन सभी से अनुरोध किया गया था कि वे अपने विचारों के लिखित अनुरोध दायर करें ताकि विरोधी हितबद्ध पक्षकार उसके बाद प्रत्युत्तर दायर कर सकें।
- प. इस जांच में आवश्यक तथ्यों से युक्त एक प्रकटन विवरण, जो अंतिम जांच परिणाम का आधार बनता, हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 03.09.2021 को जारी किया गया था और हितबद्ध पक्षकारों को उस पर टिप्पणी करने के लिए 09.09.2021 तक का समय दिया गया था। हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त प्रकटन विवरण संबंधी टिप्पणियों पर इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना में संगत पाई गई सीमा तक विचार किया गया है।
- फ. इस जांच प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों, जहां भी संगत पाए गए हैं, को इस अंतिम जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा हल कर दिया गया है।
- ब. जहां कहीं किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना देने से इंकार किया है अथवा अन्यथा उपलब्ध नहीं कराई है अथवा जांच में काफी बाधा डाली है, वहां प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर यह अंतिम जांच परिणाम रिकार्ड किया है।
- भ. इस अंतिम जांच परिणाम में \*\*\* गोपनीय आधार पर किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा दी गई और नियमावली के तहत प्राधिकारी द्वारा मानी गई सूचना दर्शाते हैं।
- म. संबद्ध जांच के लिए जांच की अवधि के दौरान प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विनिमय दर 1 अमेरिकी डॉलर = 71.65 रुपए है।

## ग. विचाराधीन उत्पाद

4. जांच की शुरुआत के समय, विचाराधीन उत्पाद निम्नलिखित रूप में परिभाषित किया गया था:

"3. "वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद कैप्रोलेक्टम है जो एक मोनोमर और नायलॉन-6 के उत्पादन के लिए एक आधार सामग्री है। कैप्रोलेक्टम द्रव और ठोस दोनों रूपों में उत्पादित किया जाता है और बेचा जाता है।

4. विचाराधीन उत्पाद प्रशुल्क शीर्ष 29337100 के तहत सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।"

### ग.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

5. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई अनुरोध दायर नहीं किए हैं।

### ग.2 घरेलू उद्योग के अनुरोध

6. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं:

- (i) कैप्रोलेक्टम द्रव और ठोस दोनों रूपों में उत्पादित किया जाता है और बेचा जाता है। वास्तविक अंतर को छोड़कर दोनों रूपों में कोई अंतर नहीं है।
- (ii) घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु का उत्पादन कर रहा है।

### ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

7. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में किसी भी विरोधी हितबद्ध पक्षकार ने कोई अनुरोध दायर नहीं किया है। प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद को निम्नलिखित रूप में माना है:

"3. वर्तमान आवेदन पत्र में विचाराधीन उत्पाद कैप्रोलेक्टम है जो एक मोनोमर और नायलॉन-6 के उत्पादन के लिए एक आधार सामग्री है। कैप्रोलेक्टम द्रव और ठोस दोनों रूपों में उत्पादित किया जाता है और बेचा जाता है।

4. विचाराधीन उत्पाद प्रशुल्क शीर्ष 29337100 के तहत सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय 29 के अंतर्गत वर्गीकृत है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।"

8. रिकार्ड में उपलब्ध सूचना से यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध सामान संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध सामान और संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद भौतिक और रासायनिक गुणधर्मों, प्रकार्य एवं प्रयोग, उत्पाद विशिष्टियों, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा सामानों के प्रशुल्क वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय हैं। अंतिम उत्पाद की तुलनीय विशिष्टियां हैं और परस्पर परिवर्तनीय रूप से प्रयुक्त किया जाता है। यह भी नोट किया जाता है कि आयातित और घरेलू रूप से बेचे जाने वाले उत्पाद तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं तथा उपभोक्ता परस्पर परिवर्तनीय रूप से इन दोनों का प्रयोग कर रहे हैं।

#### घ. घरेलू उद्योग एवं आधार

9. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग निम्नलिखितानुसार परिभाषित है:

"(ख) 'घरेलू उद्योग' का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में 'घरेलू उद्योग' पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।

#### घ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

10. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और आधार के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- आवेदक थाईलैंड और कोरिया गणराज्य से संबद्ध सामानों का नियमित आयातक है।
- आवेदक का इन देशों में विक्रेताओं के साथ करार है और उसने वाणिज्यिक उपयोग के लिए संबद्ध सामानों का आयात किया क्योंकि यह पहले ही 120 प्रतिशत क्षमता उपयोग पर प्रचालन कर रहा था।
- आवेदक का क्षति की अवधि के दौरान एक प्रयोक्ता के साथ अत्यधिक समुद्री बिक्री करार था और भारी वाणिज्यिक मात्रा की खरीद और बिक्री में शामिल था। आवेदक का नाम इन लेनदेनों के संबंध में रिकार्ड में आयातक के रूप में नहीं दिखाई देगा।
- हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह भी अनुरोध किया गया है कि थाईलैंड से आयातों का एकमात्र कारण थाईलैंड को संबद्ध देशों के क्षेत्राधिकार में लाना था। अतः, इस परिपाटी को हतोत्साहित करने के लिए, आवेदक को घरेलू उद्योग नहीं माना जाना चाहिए।
- आवेदक द्वारा आयातों का हिस्सा कोरिया और थाईलैंड से संबद्ध आयातों की मात्रा और मूल्य के संबंध में माना जाना चाहिए।
- घरेलू उद्योग की पात्रता उसी दृष्टि से निर्धारित किए जाने की आवश्यकता है जैसा कि सोडा ऐश के मामले में लागू किया गया था।
- आवेदक ने दो संबद्ध देशों से उत्पाद का आयात करने के लिए कोई अच्छे कारण नहीं दिए हैं और किसी कारण, यथा बाजार का परीक्षण करने आदि, के अभाव में किसी भी संबद्ध आयात से उसे घरेलू उद्योग माने जाने के लिए अपात्र माना जाना चाहिए।

#### घ.2 घरेलू उद्योग के अनुरोध

11. घरेलू उद्योग के क्षेत्र और आधार के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- भारत में संबद्ध सामानों का एक और उत्पादक है लेकिन उसने क्षति की अवधि में वाणिज्यिक मात्रा में संबद्ध सामानों का उत्पादन नहीं किया है।
- आवेदक भारत में संबद्ध सामानों का एकमात्र मौजूदा उत्पादक है।
- आवेदक संबद्ध देशों में किसी निर्यातक अथवा भारत में किसी आयातक से संबद्ध नहीं है।

घ. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों का उत्तर देते हुए, घरेलू उद्योग निम्नलिखित अनुरोध करता है:

- (i) आवेदक ने जांच की अवधि में विचाराधीन उत्पाद की बहुत कम मात्रा का आयात किया है।
- (ii) आवेदक संबद्ध सामानों का नियमित आयातक नहीं है और वाणिज्यिक उपयोग के लिए आयात नहीं कर रहा है। आवेदक ने इन लेनदेनों के लिए केवल एक सुविधादाता के रूप में कार्य किया है।
- (iii) यह निर्णय लेने का अधिकार प्राधिकारी का है कि क्या आवेदक को पात्र घरेलू उद्योग माना जाए। नियम उत्पादक को केवल इसलिए आवेदन दायर करने से नहीं रोकते हैं कि उसने आयात पर विश्वास किया था।
- (iv) प्राधिकारी ने विगत में कई मामलों में आवेदक उत्पादक को पात्र घरेलू उद्योग माना है, यहां तक कि यद्यपि उसने संबद्ध देशों से जांच की अवधि में आयात किए थे।
- (v) घरेलू उद्योग द्वारा किए गए आयात की तुलना संबंधित देश से निर्यातों की मात्रा से नहीं की जा सकती। घरेलू उद्योग द्वारा आयातों की तुलना निर्यातक देश से करने से संचयी विश्लेषण का प्रयोग बेकार हो जाएगा।
- (vi) आवेदक द्वारा आयातों के संबंध में, तुर्की और संयुक्त राज्य अमेरिका से सोडा ऐश के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच के तथ्य वर्तमान जांच से पूरी तरह अलग हैं। उस जांच में, अन्य उत्पादकों ने भाग नहीं लिया और यह पाया गया कि उनके संबद्ध उत्पादक भारत को काफी मात्रा में निर्यात कर रहे थे। अतः, मुद्दा अन्य उत्पादकों द्वारा भाग न लेने और संयुक्त राज्य अमेरिका से कुल निर्यात की तुलना का था। वर्तमान मामले में मुद्दा घरेलू उत्पादक को उसके द्वारा किए गए आयातों के कारण घरेलू उद्योग के रूप में अस्वीकार किए जाने का है।
- (vii) प्राधिकारी ने कोरिया गणराज्य, ताइवान (चीन ताइपे) और इज़राइल से फ़ैलिक एनहाइड्राइड की निर्णायक समीक्षा और चीन जन. गण., जापान, दक्षिण अफ्रीका एवं ताइवान से मिथाइल एथिल केटोन की पाटनरोधी जांच जैसे मामलों में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए आयातों की तुलना भारत में कुल आयात के साथ की है।

### घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

12. वर्तमान आवेदन पत्र गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (जीएसएफसी) द्वारा दायर किया गया है।
13. भारत में एक और उत्पादक अर्थात् फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स त्रावणकोर लिमिटेड (एफएसीटी) है। तथापि, रिकार्ड में उपलब्ध सूचना से यह नोट किया जाता है कि अन्य उत्पादक ने क्षति की अवधि के दौरान वाणिज्यिक उत्पादन नहीं किया है। आवेदक के उत्पादन का जांच की अवधि के दौरान भारत में संपूर्ण उत्पादन का हिस्सा है।
14. यह भी नोट किया जाता है कि आवेदक ने थाईलैंड से संबद्ध सामानों का \*\*\* मी. टन आयात किया है जो थाईलैंड से कुल आयातों का लगभग \*\*\*% है, और इसके द्वारा अत्यधिक समुद्री बिक्री में दूसरे पक्षकार को बेचा गया था। आवेदक ने कोरिया गणराज्य से \*\*\* मी. टन संबद्ध सामानों का भी आयात किया है जो कोरिया गणराज्य से कुल आयातों का लगभग \*\*\*% है जिसकी खपत उसके द्वारा नायलॉन-6 के उत्पादन के लिए की गई थी। घरेलू उद्योग द्वारा किए गए आयातों की तुलना सभी संबद्ध देशों से संचयी आयातों, घरेलू उद्योग के उत्पादन और भारतीय खपत के साथ की गई है। यह देखा जाता है कि आवेदक द्वारा किए गए आयात कुल आयातों, आवेदक के अपने उत्पादन और भारतीय खपत के संबंध में काफी नहीं हैं।

क्रम सं.	विवरण	यूओएम	कुल	थाईलैंड	कोरिया
1	आयात मात्रा	मी. टन	***	***	***
	रिकार्ड किए गए आयातक			***	***
	प्रयोग			***	***
2	के संबंध में आवेदक द्वारा आयात (%)				
क	उत्पादन	%	***	***	***
	प्रवृत्ति	%	0-5%	0-5%	0-5%

ख	खपत	%	***	***	***
	प्रवृत्ति	%	0-5%	0-5%	0-5%
ग	संबद्ध देशों से आयात	%	***	***	***
	प्रवृत्ति	%	0-5%	0-5%	0-5%
घ	विशिष्ट देशों से आयात	%	***	***	***
	प्रवृत्ति	%	-	20-25%	0-5%
ङ	सभी देशों से आयात	%	***	***	***
	प्रवृत्ति	%	0-5%	0-5%	0-5%

15. जहां तक अत्यधिक-समुद्री आयातों पर विचार किया जाए, प्राधिकारी ने उसी आवेदक कंपनी के लिए यूरोपीय संघ, ईरान, इंडोनेशिया और जापान से मेलामाइन के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच के आयातों के मामले में विचार किया कि उन्होंने घरेलू खपत के लिए प्रविष्टियों का बिल दायर नहीं किया और केवल सुविधादाता के रूप में कार्य कर रहे थे। प्राधिकारी ने माना कि यहां तक कि यद्यपि उसने संबद्ध सामानों का आयात और बिक्री की है, तथापि आवेदक कंपनी का जोर आयात में जाने पर नहीं है और कंपनी एक आयातक-व्यापारी जैसा व्यवहार नहीं कर रही है। कंपनी का जोर एक उत्पादक के जोर की तरह जारी रहा और अपना उत्पादन करता रहा। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी ने वर्तमान अत्यधिक समुद्री आयातों में घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित लाभ निर्धारित किए। यह देखा जाता है कि जबकि भारत औसत आयात कीमत \*\*\* रु. था, तो यह उत्पाद \*\*\* रुपये की कीमत पर बेचे गये थे। इस प्रकार यह देखा जाता है कि कंपनी ने इन आयातों से काफी लाभ अर्जित नहीं किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा सुविधाप्रद आयातों की छोटी सी मात्रा से कानून के तहत उसे घरेलू उद्योग के रूप में संरक्षण प्राप्त करने से अपात्र नहीं किया जाना चाहिए।
16. जहां तक कोरिया गणराज्य से कंपनी द्वारा किए गए आयातों और खपत का संबंध है, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया कि उसने परीक्षण उद्देश्य के लिए नायलॉन-6 के उत्पादन के लिए कैप्रोलेक्टम की छोटी सी मात्रा का आयात किया था। यह देखा जाता है कि कैप्टिव खपत के लिए घरेलू उद्योग द्वारा किए गए आयातों की मात्रा भारत में कुल मांग के \*\*\*% है। इसलिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा किए गए आयात उसे अपात्र घरेलू उद्योग माने जाने के लिए काफी नहीं हैं।
17. प्राधिकारी मानते हैं कि आवेदक नियमावली के नियम 2(ख) के अभिप्राय से पात्र घरेलू उद्योग हैं। आवेदन पत्र नियमावली के नियम 5(3) के अनुसार आधार के मानदंडों को पूरा करता है।

## ड. विविध अनुरोध

### ड.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

18. अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित विविध अनुरोध किए हैं:-
- क. आवेदक ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और जुटाई गई राशि, अनुसंधान एवं विकास व्यय, प्रति दिन उत्पादकता के लिए औसत उद्योग मानदंडों और आयात मात्रा तथा आवेदक द्वारा मूल्य के संबंध में व्यापार सूचना द्वारा निर्धारित प्रकटन की आवश्यकता का पालन नहीं किया है।
- ख. आवेदक व्यापार सूचना संख्या 10/2018 के अनुसार सूचना प्रकट करने में विफल रहा है। आवेदक ने खंड VI के उत्तर में कोई सूचना नहीं दी है।
- ग. आवेदक ने भारतीय क्रेताओं के साथ अपनी कीमत संबंधी व्यवस्था से संबंधित सबसे महत्वपूर्ण और नाजुक तथ्य प्रकट नहीं किये हैं, जिसमें जीएसएफसी ने अपने क्रेताओं के साथ मात्रा और कीमत संबंधी करार निर्धारित किए हैं। इतना महत्वपूर्ण तथ्य अगोपनीय रूपांतर में सार्थक सार के साथ आवेदन पत्र में स्पष्ट रूप से लाया जाना चाहिए था।
- घ. प्राधिकारी ने पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 5.3 और पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 में निर्धारित जांच की शुरुआत की पूर्व-शर्तें पूरी किए बिना जांच की शुरुआत की और जांच की शुरुआत करने में वृत्ति है।
- ङ. देश में मांग एवं आपूर्ति अंतराल है जिससे आयात आवश्यक हो जाते हैं।



- च. ऐसा संभावना नहीं है कि मैसर्स फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स ट्रावणकोर लिमिटेड पुनः आरंभ कर सके और 50 केटीए क्षमता की आपूर्ति कर सके क्योंकि यह उच्च और अव्यवहार्य लागतों के कारण गैर-अर्थक्षम है। प्रयोक्ता आयात करने के लिए मजबूर होंगे।
- छ. न्यूजप्रिंट के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच में प्राधिकारी ने इस आधार पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के क्षेत्र से एक विशेष उत्पाद को अलग किया था कि घरेलू उद्योग उत्पाद के मांग पर्याप्त रूप से पूरी करने में सक्षम नहीं था। प्राधिकरण का निर्णय प्रयोक्ता के हितों को संतुलित करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए किया गया था।
- ज. पाटनरोधी शुल्क लगाने से केवल आवेदक की एकाधिकार स्थिति ही सुदृढ़ नहीं होगी बल्कि भारत में कैप्रोलेक्टम की उपलब्धता भी प्रतिकूल रूप से प्रभावित होगी।
- झ. आवेदक ने जानबूझकर और ऐच्छिक रूप से खुद को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गलत घोषित किया है जो कि पूरी तरह झूठ है और प्राधिकारी के दिमाग में पक्षपात बनाने के लिए सरकारी रिकॉर्ड के विपरीत है। यहां तक कि आवेदक की शेयरधारिता यह बताती है कि यह एक सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम नहीं है क्योंकि लगभग 62% शेयर जनता के पास हैं।
- ञ. आवेदक ने गैर-विचाराधीन उत्पाद के रूप में आयात के कुछ लेन-देनों की श्रेणीकरण यह उल्लेख किए बिना किया है कि वे लेनदेन असामान्य मात्रा अथवा कीमतों वाले कैसे थे।
- ट. वित्त मंत्रालय ने इस आधार पर ने एनएफवाई के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया है कि वह भारत में प्रयोक्ता उद्योग के लिए प्रमुख वस्त्र संबंधी कच्ची सामग्री है जिसके अधिकतर एमएसएमई व्यापारी हैं। वित्त मंत्रालय द्वारा चीन जन. गण. से आयातित एनटीसीएफ से भी पाटनरोधी शुल्क वापस लिया गया था।
- ठ. केंद्र सरकार ने हाल ही में वस्त्र उद्योग के संबंध में एक सुरक्षात्मक रुख अपनाया है क्योंकि संबद्ध सामानों के आयातों पर सीमा शुल्क की दर 5% तक कम कर दी गई थी।
- ड. मछली पकड़ने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले फिशनेट भी नायलॉन के धागे से बने होते हैं और कैप्रोलेक्टम की लागत में किसी भी तरह की वृद्धि से फिशनेट की कीमतों में वृद्धि होगी और मछली पकड़ने वाले समुदाय पर अतिरिक्त भार पड़ेगा।
- ढ. केमरोवो ज्वाइंट-स्टॉक कंपनी एज़ोट ने यह उल्लेख किया है कि उसने जांच की अवधि के दौरान न तो भारत को संबद्ध सामानों का निर्यात किया है और न ही संबद्ध देशों में किसी भी निर्यातक अथवा उत्पादक से संबद्ध है और इसीलिए, नई शिपर समीक्षा दायर करने के लिए पात्र है।
- ण. आवेदक का यह दावा कि इटोचु कॉर्पोरेशन ने गोपनीयता मानदंडों का अनुपालन नहीं किया है, गलत है। चूंकि उत्तरदाता उत्पादक नहीं है, इसलिए जिन मापदंडों के लिए आवेदक ने आंकड़ों की अनुपलब्धता का उल्लेख किया है, वे उस पर लागू नहीं होते हैं।
- त. इटोचु की पहचान थाईलैंड से निर्यातक के रूप में गलत की गई है, जबकि वह जापान में निगमित है और वहां से निर्यात कर रहा है। इस त्रुटि के कारण, आवेदक ने थाईलैंड से कैप्रोलेक्टम के आयात की कीमतों के लिए गलत रूप से आंकड़े प्रस्तुत किए हैं, जो इटोचु से बिल्कुल भी संबंधित नहीं हैं।

## ड.2 घरेलू उद्योग के अनुरोध

19. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित विविध अनुरोध किए गए हैं:-

- क. पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य विदेशी उत्पादकों द्वारा अनुचित मूल्य भेदभाव को दूर करना है जो भारत में उद्योग के लिए क्षतिकारक है। वर्तमान मामले में घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों में उत्पादकों द्वारा अपनाई जा रहा भेदभावपूर्ण कीमत के कारण हानियां हो रही हैं।
- ख. केवल इसलिए कि कुछ अन्य उत्पादों में वित्त मंत्रालय द्वारा शुल्क नहीं लगाया गया था, इसका अर्थ यह नहीं है कि वर्तमान उत्पाद पर भी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए।

- ग. शुल्क की सिफारिश न किए जाने का तर्क इस आधार पर नहीं लिया जाना चाहिए कि वस्त्र उद्योग भारत सरकार द्वारा संरक्षित किया जा रहा है। प्रयोक्ताओं को यह सिद्ध करना चाहिए कि शुल्क लगाए जाने से उन पर कैसे प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
- घ. विस्कोस स्पन यार्न और नायलॉन टायर कॉर्ड फैब्रिक जैसे वस्त्र श्रृंखला में उत्पादों में शामिल कई मामलों में, प्राधिकारी ने जनहित की जांच करने के बाद शुल्कों की सिफारिश की है। चीन जन. गण. और इंडोनेशिया से पॉलिएस्टर स्पन यार्न और विस्कोस स्टेपल फाइबर के लिए पाटनरोधी जांचें शुरू की गई हैं।
- ङ. घरेलू उद्योग ने एनएफवाई की पाटनरोधी जांच में, जो कि वर्तमान जांच में प्रयोक्ता उद्योग है, मुश्किल से 2% के रूप में अंतिम उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव की मात्रा बताई थी और दावा किया था कि शुल्क जनहित के विरुद्ध नहीं होंगे। जब उन्होंने खुद ही दावा किया था कि शुल्कों का प्रभाव न्यूनतम है, तो वे वर्तमान जांच में यह दावा नहीं कर सकते कि शुल्क जनहित के विरुद्ध होंगे।
- च. न्यूजप्रिंट जांच में संदर्भ गलत उल्लिखित किया गया है क्योंकि प्राधिकारी ने उस जांच में एक विशेष उत्पाद को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अलग किया क्योंकि घरेलू उद्योग उसका काफी मात्रा में विनिर्माण नहीं कर रहा था। आवेदक प्रयोक्ताओं की आवश्यक के अनुसार इस वस्तु का उत्पादन करने में सक्षम है।
- छ. फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स ट्रावणकोर लिमिटेड ने प्रचालनों के परीक्षण सफलतापूर्वक पूरे किए हैं और उसके शीघ्र ही वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होते ही, भारतीय उत्पादक काफी मात्रा में मांग को पूरा करने में सक्षम होंगे और आयात पर निर्भरता कम हो जाएगी।
- ज. क्षति का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी द्वारा माने गए सभी आर्थिक मानदंड व्यापार सूचना के अनुपालन में दिए गए हैं। उत्तरदाताओं को सर्वप्रथम यह सिद्ध करना चाहिए कि अनुसंधान एवं विकास व्यय, जुटाई गई निधियों और औसत उद्योग मानदंडों जैसे कारकों के प्रकट न किए जाने से क्या पूर्वाग्रह हुआ है, जब ये निर्धारण के लिए आधार नहीं बनने जा रहे हैं।
- झ. असामान्य कीमतों के आधार पर अलग किये गये उत्पाद प्रमुख रूप से नमूना मदें हैं जिनका व्यापार हवाई मार्ग के माध्यम से किया गया है। सामानों का वाणिज्यिक व्यापार केवल समुद्री जहाजों के माध्यम से होता है। हितबद्ध पक्षकार इस तथ्य को अच्छी तरह से जानते हैं।

### ६.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

20. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच आवेदक द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर शुरू की गई थी। इसलिए, यह दावा कि आवेदन पत्र कानून की आवश्यकता को पूरा नहीं करता, गलत है।
21. प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार, सभी हितबद्ध पक्षकारों को विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया।
22. सूचना की गोपनीयता के संबंध में, पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नलिखित प्रावधान है:
- गोपनीय सूचना :** (1) नियम 6 के उप नियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उप नियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।
- (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।
- (3) उप नियम (2) में निहित किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो कि गोपनीयता के लिए अनुरोध न्यायसंगत नहीं अथवा सूचना प्रदाता सूचना को सार्वजनिक करने अथवा इसको सामान्य तौर पर अथवा संक्षिप्त रूप में उसे प्रकट करने के लिए अनिच्छुक हो, तो ऐसी सूचना की उपेक्षा की जा सकती है।

23. सभी हितबद्ध पक्षकारों की एक सूची डीजीटीआर की वेबसाइट पर अपलोड की गई थी, जिसमें उन सभी से अनुरोध किया गया था कि वे अन्य सभी हितबद्ध पक्षकारों को अपने अनुरोधों के अगोपनीय रूपांतर ईमेल करें क्योंकि चल रही कोविड-19 महामारी के कारण सार्वजनिक फाइल वास्तविक रूप से पहुँच में नहीं थी।
24. गोपनीयता के संबंध में घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच प्राधिकारी द्वारा संगत मानी गई सीमा तक की गई थी और तदनुसार उन्हें हल किया गया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि गोपनीय आधार पर सभी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की गोपनीयता के दावों की उनकी पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई थी। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर जहां कहीं भी आवश्यक था, गोपनीयता के ऐसे दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया है। सभी हितबद्ध पक्षकारों ने अपनी व्यापार संबंधी संवेदी सूचना को गोपनीय होने का दावा किया है और उस पूर्ण सूचना का अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराया है, जो वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए संगत है।
25. इस अनुरोध का संबंध है कि आवेदक ने भारतीय क्रेताओं के साथ अपनी कीमत व्यवस्था से संबंधित तथ्य प्रकट नहीं किया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी ने निर्धारित स्वरूप और तरीके में सूचना उपलब्ध कराई है। इसमें क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत संबंधी सूचना और जांच की अवधि के लिए उसका माह-वार ब्यौरा शामिल है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और आयात कीमतों में उतार-चढ़ाव की जांच की है और पाया है कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत आयातों के अनुरूप बढ़ी है। इसके अतिरिक्त, जैसा कि नोट किया गया है, घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन पत्र का अगोपनीय रूपांतर दिया है और इसे हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराया गया है।
26. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि शुल्कों की सिफारिश वस्त्र उद्योग के हितों के विरुद्ध होगी जिसे केंद्र सरकार द्वारा संरक्षित किया जा रहा है। प्राधिकारी ने रिकार्ड में मौजूद सभी तथ्यों और सूचनाओं पर विचार किया है। यदि किसी शुल्क की सिफारिश की जाती है तो वह सभी हितबद्ध पक्षकारों के हितों पर विचार करने के बाद की जाएगी। यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्कों की सिफारिश पाटन की उस अनुचित व्यापारिक परिपाटी के विरुद्ध की जाती है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। पाटनरोधी शुल्क कोई सुरक्षा प्रदान नहीं करता है। यह केवल एक उचित व्यापारिक क्षेत्र देता है। इससे बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा नहीं सकती। प्रयोक्ताओं ने यह दर्शाने के लिए कोई साक्ष्य नहीं दिया है कि शुल्क जनहित के विरुद्ध होंगे, बल्कि केवल केंद्र सरकार द्वारा कुछ मामलों में शुल्क न लगाए जाने पर विश्वास किया है। यदि घरेलू उद्योग को हटाया जाता है, तो अंततः प्रयोक्ता उद्योग को ही क्षति होगी।
27. प्रयोक्ताओं ने अनुरोध किया है कि आयात मांग और आपूर्ति अंतराल के कारण हुए हैं। प्राधिकारी मानते हैं कि, जैसा कि डीएसएम इंडेमिट्सु लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी और उसके बाद कई अन्य अपीलों में, माननीय सेसटेट द्वारा माना गया है, देश में मांग-आपूर्ति अंतराल घरेलू उद्योग को पाटित आयातों से समाधान की मांग करने से नहीं रोकता और पाटन को औचित्यपूर्ण नहीं मानता। विदेशी उत्पादक अपाटित कीमतों पर उत्पाद की बिक्री कर भारतीय मांग को हमेशा पूरा कर सकते हैं। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भी देश में आयात प्रतिबंधित नहीं हैं। प्रयोक्ता उचित कीमत पर सामानों का आयात करने के लिए स्वतंत्र हैं।
28. इस अनुरोध के संबंध में कि एफएसीटी वर्तमान में संबद्ध सामानों का उत्पादन नहीं कर रहा है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क नहीं दिया है कि एफएसीटी ने अपनी उत्पादन सुविधाओं को त्याग दिया है। यद्यपि कंपनी ने वाणिज्यिक उत्पादन शुरू नहीं किया, यह हो, तथापि कंपनी के पास निरंतर उत्पादन सुविधाएं हैं। इसके अतिरिक्त, हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी तर्क दिया है कि देश में मांग और आपूर्ति का अंतराल विद्यमान है। ऐसी कंपनी को उचित व्यापारिक क्षेत्र प्रदान करना पूरी तरह से अधिक महत्वपूर्ण और आवश्यक है। ऐसी स्थिति में निरंतर पाटन की अनुमति देने से उत्पादन सुविधाएं और रुग्ण हो जाएंगी।
29. प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच का उद्देश्य इस बात की जांच करना नहीं है कि क्या निर्यातक नई शिपर समीक्षा के लिए पात्र है। निर्यातक शुल्क लगाए जाने की स्थिति में कानून के अनुसार अपना दावा दर्ज करने और अलग पाटन मार्जिन की मांग करने के लिए स्वतंत्र है।

30. 'असामान्य' मात्राओं अथवा कीमतों के आधार पर डीजीसीआईएंडएस की आयात सूची से कुछ लेन-देनों को अलग करने के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों के बारे में, प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के लेनदेन-वार आंकड़ों की जांच की है। यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग ने क्षति की अवधि में \*\*\* मी. टन आयातों की असामान्य विचाराधीन उत्पाद के रूप में पहचान की थी क्योंकि इन आयातों की कीमतें बहुत अधिक थीं और असामान्य थीं। इसके अतिरिक्त, कुछ लेन-देन जिनमें कोई मात्रा सूचित नहीं की गई थी अथवा सामग्री जो हवाई मार्ग से आयात की गई थी, घरेलू उद्योग द्वारा गैर-विचाराधीन उत्पाद मानी गई है। यह देखा जाता है कि क्षति की अवधि में इन लेनदेनों की कुल मात्रा \*\*\* मी. टन भी नहीं है।
31. घरेलू उद्योग के खुद को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी के रूप में गलत घोषित करने के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षों के अनुरोध के बारे में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस संबंध में इस निमित्त घरेलू उद्योग का स्तर वर्तमान निर्धारण के लिए पूर्णतः असंगत है। इसके अतिरिक्त, रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से यह देखा जाता है कि जीएसएफसी में 39% शेयरधारिता सरकार की है और गुजरात सरकार कंपनी में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की नियुक्ति करती है।
32. न्यूजप्रिंट की पाटनरोधी जांच में एक विशेष उत्पाद को अलग किए जाने के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि उस जांच में उस उत्पाद को उस मामले के तथ्यों पर विचार करते हुए अलग किया गया था। वर्तमान मामले में घरेलू उद्योग प्रयोक्ताओं की आवश्यकता के अनुसार सामानों का उत्पादन करने में सक्षम है।

### च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

#### सामान्य मूल्य

33. अधिनियम की धारा 9क(1)(ग) के अधीन, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-
- (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा उपधारा- (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्भूत वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;
- (ख) परंतु यदि उक्त वस्तु का आयात उदगम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल यानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्भूत वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

#### च.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

34. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. आवेदक ने सभी संबद्ध देशों के लिए एकल सामान्य मूल्य का दावा किया है। यह गलत है क्योंकि चार देशों में लागत अलग-अलग गतिशीलता दर्शाती है और निर्मित सामान्य मूल्य समान लागत इनपुट, परिवर्तन लागत और लाभ मार्जिन के आधार पर निर्धारित नहीं किया जा सकता।
- ख. जीएसएफसी, लागू दृढ़ कीमत निर्धारण फार्मूले के साथ, भारत में बाजार कीमत निर्धारित करता है जिसको निर्यातकों द्वारा भी अपनाया जाना अपेक्षित होता है।
- ग. आवेदक ने यह उल्लेख किया है कि संबद्ध देश से विभिन्न देशों में निर्यात कीमत में काफी अंतर है और हानि पर बिक्रियां होने के नाते व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में होने प्रतीत नहीं होते। तथापि, आवेदक ने किसी समर्थक साक्ष्य के बिना खोखला दावा किया है।

- घ. यह तर्क कि संबद्ध देशों में कीमतों से संबंधित सूचना सार्वजनिक पटल पर उपलब्ध नहीं है, गलत है क्योंकि आईसीआईएस और टेक्रॉन नियमित आधार पर कीमतें प्रकाशित करते हैं।
- ङ. भारत में सभी कैप्रोलेक्टम आयात अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित कीमतों पर आधारित हैं। जीएसएफसी के मामले में, उनका कीमत निर्धारण आयात समानता कीमत है जिसमें वे टेक्रॉन में प्रकाशित कीमतों में आयात शुल्क जोड़ते हैं।
- च. कच्चे तेल की तरह, कैप्रोलेक्टम पारदर्शी कीमत निर्धारण के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कारोबार करने वाली वस्तु है और इसलिए, ऐसे उत्पाद में पाटन संभव नहीं है।

## च.2 घरेलू उद्योग के अनुरोध

35. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- क. स्थानीय बाजार में बिक्री के लिए मूल्य सूची अथवा वाणिज्यिक बीजक वाणिज्यिक रूप से संवेदनशील सूचना है और इसलिए, सार्वजनिक पटल पर उपलब्ध नहीं है।
- ख. आवेदक संबद्ध देशों में उपलब्ध कीमतों के लिए कोई रिपोर्ट प्राप्त नहीं कर सकते, जिन पर वह सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विश्वास कर सके।
- ग. संबद्ध देशों से विभिन्न देशों में निर्यात कीमतों में काफी अंतर है और हानि पर बिक्रियां होने के नाते व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में वह दिखाई नहीं देती।
- घ. घरेलू उद्योग के पास एकमात्र विकल्प उत्पादन लागत के अनुमानों के आधार पर सामान्य मूल्य निर्मित करना है।
- ङ. कैप्रो कॉरपोरेशन के मामले में, भारत को निर्यात कीमत में प्रवृत्ति अन्य संबद्ध देशों की प्रवृत्ति से पूर्णतः भिन्न है। घरेलू कीमतें वैश्विक कीमत प्रवृत्ति के अनुरूप चलती नहीं दिखाई देती हैं। जाहिर है, कोरिया गणराज्य में एक विशेष बाजार स्थिति है। यही प्रवृत्तियां जेएससी स्चेकिनोजोट एंड इटोचू कारपोरेशन के उत्तर में देखी जा सकती हैं।
- च. ह्योसुंग टीएनसी कॉरपोरेशन के मामले में निर्यातक ने प्रश्नावली के उत्तर में अधिसूचित क्षति की अवधि के लिए आंकड़े नहीं दिए हैं। इसके अतिरिक्त, जांच की अवधि के लिए और 2019 के लिए आंकड़े समान हैं और घरेलू कीमत संबंधी सूचना नहीं दी गई है। ऑप्टिमा केमिकल लिमिटेड ने भी घरेलू कीमतों के संबंध में सूचना नहीं दी है।
- छ. एकल अलग सामान्य मूल्य के अनुरोध के संबंध में, आवेदक अलग-अलग संबद्ध देशों में विद्यमान बेंजीन, हाइड्रॉक्सिलमाइन सल्फेट और ओलियम की कच्ची सामग्री की कीमतें और संबद्ध देशों में उत्पादकों की परिवर्तन लागतें प्राप्त नहीं कर पाए। अतः, आवेदक के लिए यह संभव नहीं था कि वे वास्तविक आंकड़ों के आधार पर लागत सुनिश्चित कर सकें। वैश्विक औसत कीमतों पर विचार करने से यह सुनिश्चित हुआ है कि कच्ची सामग्री की कीमतें किसी ह्रास से मुक्त हैं।
- ज. अन्य हितबद्ध पक्षकारों के इस अनुरोध के संबंध में कि तीसरे देशों की निर्यात कीमत पर सामान्य मूल्य के लिए विचार किया जा सकता था, पहले यह सिद्ध किया जाना चाहिए कि तीसरे देशों को निर्यात सामान्य मूल्य के प्रतिनिधि कारक हैं। अनुमानित उत्पादन लागत के आधार के साथ तीसरे देशों को निर्यात की तुलना करने पर, तीसरे देशों को निर्यात उत्पादन लागत से कमतर हैं। यहां तक कि तीसरे देशों की कीमतों को भी ओसीटी परीक्षण पास करना चाहिए।

## च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

36. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों के विरुद्ध जांच की शुरुआत के समय संबद्ध देशों में घरेलू बिक्री के लेनदेन-वार आंकड़े सार्वजनिक पटल पर उपलब्ध नहीं थे और साथ ही संबद्ध देशों से निर्यात कीमतों में कीमत अंतर भी था। अतः, जांच की शुरुआत के समय, सामान्य मूल्य विधिवत समायोजित घरेलू उद्योग की लागत के आधार पर निर्मित किया गया था। तथापि, अब चूंकि संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों से उत्तर/आंकड़े प्राप्त हो गए हैं, अतः उत्तरदाता उत्पादकों/निर्यातकों के घरेलू बिक्री आंकड़ों पर उनके लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विचार

किया गया है। प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को प्रश्नावलियां भेजी थीं जिनमें उन्हें सलाह दी गई थी कि वे प्राधिकारी द्वारा निर्धारित स्वरूप और तरीके में सूचना उपलब्ध कराएं। संबद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों ने अपने निर्यातकों सहित प्रश्नावली के उत्तर दायर किये हैं: -

- क. निर्यातकों अवेस्ट्रा केमिकल (सुइस) एसए, ऑप्टिमा केमिकल लिमिटेड और मिलमैन लिमिटेड सहित रूस से उत्पादक, ओपन ज्वाइंट स्टॉक कंपनी "शचेकिनोअज़ोट"।
- ख. निर्यातक सीपीएच केमिकल्स बीवी, नीदरलैंड सहित रूस से उत्पादक पीजेएससी कुइबिशेव अज़ॉट।
- ग. अपने निर्यातक ह्योसुंग टीएनसी कॉर्पोरेशन और इटोचु कॉर्पोरेशन सहित कोरिया गणराज्य से उत्पादक कैप्रो कॉर्पोरेशन।
- घ. यूबीई केमिकल्स (एशिया) पब्लिक कंपनी लिमिटेड (यूसीएचए अथवा निर्यातक) थाईलैंड से संबद्ध सामानों का एक उत्पादक और निर्यातक है।

#### च.4 रूस के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

##### i. ओपन ज्वाइंट स्टॉक कंपनी "शचेकिनोअज़ोट"

###### क. सामान्य मूल्य

37. जांच की अवधि के दौरान, रूस के जेएससी "शेकिनोअज़ोट" ने घरेलू बाजार में संबद्ध सामान केवल असंबद्ध पक्षकारों को बेचे हैं। भारत को निर्यात से तुलना करने पर घरेलू बिक्री पर्याप्त मात्रा में है। सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध सामानों की उत्पादन लागत के संदर्भ में लाभप्रद घरेलू बिक्री लेनदेन निर्धारित करने के लिए व्यापार परीक्षण की सामान्य प्रक्रिया की है। यदि सभी लेन-देनों का लाभप्रद प्रतिशत 80% से अधिक है, तो घरेलू बिक्री में सभी लेनदेन पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विचार किया जा रहा है और यदि सभी लेनदेनों के लाभप्रद प्रतिशत 80% से कम हैं, तो केवल लाभप्रद घरेलू बिक्री पर ही सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विचार किया जा रहा है। वर्तमान मामले में चूंकि 80% से अधिक घरेलू बिक्री लाभप्रद है, अतः सभी घरेलू बिक्री पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विचार किया गया है। रूस के जेएससी "शचेकिनोअज़ोट" ने ऋण लागत और पैकिंग खर्चों के निमित्त समायोजन का दावा किया है और प्राधिकारी ने उसकी अनुमति दी है। तदनुसार, जेएससी "शेकिनोअज़ोट", रूस के लिए कारखानागत स्तर पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है और सामान्य मूल्य निम्नलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दिया गया है।

###### ख. निर्यात कीमत

38. जांच की अवधि के दौरान, जेएससी "शचेकिनोअज़ोट" रूस ने दो असंबद्ध व्यापारियों, अर्थात् अवेस्ट्रा केमिकल (सुइस) एसए, स्विट्जरलैंड और मिलमैन लिमिटेड, यूके के माध्यम से भारत को \*\*\* मी. टन संबद्ध सामानों की बिक्री की। यह भी नोट किया जाता है कि अवेस्ट्रा केमिकल (सुइस) एस.ए., स्विट्जरलैंड ने भारत को जेएससी "शेकिनोअज़ोट", रूस से प्राप्त संबद्ध सामानों का निर्यात एक अन्य असंबद्ध व्यापारी, मैसर्स ऑप्टिमा केमिकल लिमिटेड, यूके के माध्यम से किया है। जेएससी "शचेकिनोअज़ोट", रूस ने समुद्री भाड़ा, अंतर्देशीय परिवहन, ऋण लागत और पैकिंग खर्चों के निमित्त समायोजन का दावा किया है और इसकी अनुमति दी गई है। तदनुसार, जेएससी "शेकिनोअज़ोट", रूस के लिए कारखानागत स्तर पर निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और वह निम्नलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दी गई है।

##### ii. पीजेएससी कुइबिशेव अज़ॉट

###### क. सामान्य मूल्य

39. पीजेएससी कुइबिशेव अज़ॉट ने घरेलू बाजार में \*\*\* मी. टन संबद्ध वस्तु की बिक्री की है। भारत को निर्यात से तुलना करने पर घरेलू बिक्री पर्याप्त मात्रा में है। सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध सामानों की उत्पादन लागत के संदर्भ में लाभप्रद घरेलू बिक्री लेनदेन निर्धारित करने के लिए व्यापार परीक्षण की सामान्य प्रक्रिया की है। यदि सभी लेन-देनों का लाभप्रद प्रतिशत 80% से अधिक है, तो घरेलू बिक्री में सभी लेनदेनों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विचार किया जा रहा है और यदि सभी लेनदेनों के लाभप्रद प्रतिशत 80% से कम

हैं, तो केवल लाभप्रद घरेलू बिक्री पर ही सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विचार किया जा रहा है। वर्तमान मामले में चूंकि 80% से अधिक घरेलू बिक्री लाभप्रद है, अतः सभी घरेलू बिक्री पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विचार किया गया है। निर्यातक ने ऋण लागत और व्यापार के स्तर के लिए समायोजन का दावा किया है। प्राधिकारी ने भारत को सामान्य मूल्य निकालने के लिए व्यापार के स्तर के लिए समायोजन स्वीकार नहीं किया है क्योंकि उसका दावा करने का कोई औचित्य नहीं दिया गया था। पीजेएससी कुइबीशेव अज़ोट के लिए इस प्रकार निर्धारित भारत औसत सामान्य मूल्य निम्नलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दिया गया है।

#### ख. निर्यात कीमत

40. पीजेएससी कुइबीशेव अज़ोट ने असंबद्ध निर्यातक, अर्थात् सीपीएच केमिकल्स बीवी के माध्यम से \*\*\* मी. टन संबद्ध सामानों का निर्यात किया है। निर्यातक ने भाड़ा, बीमा और ऋण लागत के निमित्त समायोजन का दावा किया है जिसे सत्यापित किया गया था और अनुमति दी गई थी। तदनुसार, निर्धारित निर्यात कीमत निम्नलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दी गई है।

#### iii. रूस के अन्य उत्पादक/निर्यातक

41. रूस के अन्य सभी असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निर्धारित की जाती है और उनका उल्लेख निम्नलिखित पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

#### च.4.1 कोरिया गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

##### i. कैप्रो कॉर्पोरेशन, कोरिया गणराज्य

##### क. सामान्य मूल्य

42. कैप्रो कारपोरेशन कोरिया गणराज्य में संबद्ध सामानों के उत्पादन और बिक्री में लगा हुआ है। जांच की अवधि के दौरान, कैप्रो कॉर्पोरेशन, कोरिया गणराज्य ने घरेलू बाजार में संबद्ध पक्षकार (\*\*\*) मी. टन) और असंबद्ध पक्षकारों (\*\*\*) मी. टन) को संबद्ध सामानों की बिक्री की है। भारत को निर्यात से तुलना करने पर घरेलू बिक्री पर्याप्त मात्रा में है। सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध सामानों की उत्पादन लागत के संदर्भ में लाभप्रद घरेलू बिक्री लेनदेन निर्धारित करने के लिए व्यापार परीक्षण की सामान्य प्रक्रिया की है। यदि सभी लेन-देनों का लाभप्रद प्रतिशत 80% से अधिक है, तो घरेलू बिक्री में सभी लेनदेनों पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विचार किया जा रहा है और यदि सभी लेनदेनों के लाभप्रद प्रतिशत 80% से कम हैं, तो केवल लाभप्रद घरेलू बिक्री पर ही सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विचार किया जा रहा है। वर्तमान मामले में चूंकि 80% से अधिक घरेलू बिक्री लाभप्रद है, अतः सभी घरेलू बिक्री पर सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए विचार किया गया है। कैप्रो कॉर्पोरेशन, कोरिया गणराज्य ने लदान प्रभारों और ऋण लागत के निमित्त समायोजन का दावा किया है और इसकी अनुमति दी गई है। तदनुसार, कैप्रो कॉर्पोरेशन, कोरिया गणराज्य के लिए कारखानागत स्तर पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है और वह निम्नलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दिया गया है।

#### ख. निर्यात कीमत

43. जांच की अवधि के दौरान, कैप्रो कॉर्पोरेशन, कोरिया गणराज्य ने तीन व्यापारियों अर्थात् ह्योसुंग टीएनसी कॉर्पोरेशन, इटोचु कॉर्पोरेशन और एग्रीफील्ड्स डीएमसीसी के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से \*\*\* मी. टन संबद्ध सामानों की भारत को बिक्री की। तीनों में से, एग्रीफील्ड्स डीएमसीसी ने वर्तमान जांच में भाग नहीं लिया है। तथापि, एग्रीफील्ड्स डीएमसीसी के माध्यम से निर्यात कैप्रो कॉर्पोरेशन, कोरिया गणराज्य द्वारा भारत को कुल निर्यात का केवल \*\*\*% हैं। उस पर कारखानागत निर्यात कीमत निकालने के लिए विचार नहीं किया गया है। कैप्रो कॉर्पोरेशन, कोरिया गणराज्य ने समुद्री भाड़ा, बीमा, अंतर्देशीय परिवहन, बंदरगाह और सार-संभाल प्रभार, ऋण लागत, दलाली प्रभार, बैंक प्रभारों और अन्य खर्चों के निमित्त समायोजन का दावा किया है और इसकी अनुमति दी गई है। यह भी नोट किया जाता है कि व्यापारियों ने घाटे पर भारत को संबद्ध सामानों का निर्यात किया है और इस प्रकार, प्राधिकारी ने उचित समायोजन किये हैं। तदनुसार, कैप्रो कॉर्पोरेशन, कोरिया गणराज्य के लिए कारखानागत स्तर पर निर्यात कीमत निर्धारित की गई है और वह निम्नलिखित पाटन मार्जिन तालिका में दी गई है।

## II. कोरिया गणराज्य के अन्य उत्पादक/निर्यातक

44. कोरिया गणराज्य के अन्य सभी असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निर्धारित की गई है और नीचे पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

### च.4.2 यूरोपीय संघ के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

#### क. यूरोपीय संघ के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

45. चूंकि यूरोपीय संघ के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में सहयोग नहीं किया है, अतः यूरोपीय संघ के सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत के आधार पर निर्धारित किया गया है, जो बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्चों तथा उपयुक्त लाभ के साथ विधिवत समायोजित है। इसका उल्लेख नीचे पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

#### ख. यूरोपीय संघ के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

46. चूंकि यूरोपीय संघ के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने वर्तमान जांच में सहयोग नहीं किया है, अतः यूरोपीय संघ के सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए कारखानागत निर्यात कीमत उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निर्धारित की गई है और इसका उल्लेख नीचे पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

### च.4.3 थाईलैंड के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

#### i. यूबीई केमिकल्स (एशिया) पब्लिक कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड

##### क. सामान्य मूल्य

47. यूबीई केमिकल्स (एशिया) पब्लिक कंपनी लिमिटेड (यूसीएचए अथवा निर्यातक) थाईलैंड से संबद्ध सामानों का एक उत्पादक और निर्यातक है। यूसीएचए ने अपने प्रश्नावली के उत्तर में दावा किया है कि उसने घरेलू बाजार में और साथ ही व्यापारी के माध्यम से संबद्ध सामानों की बिक्री की है। अपने दावे के अनुसार, इसने भारत में असंबद्ध ग्राहकों को सीधे ही संबद्ध सामानों का निर्यात किया है।
48. यह नोट किया जाता है कि यूसीएचए ने न तो उस व्यापारी के नाम को प्रकट किया है जिसके माध्यम से घरेलू बाजार में संबद्ध सामानों की बिक्री की गई थी और न ही संबद्ध व्यापारी ने प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है। इसके अतिरिक्त, यह भी नोट किया जाता है कि निर्यातक ने 28 फरवरी, 2018 की व्यापार सूचना संख्या 05/2018 के तहत निर्धारित प्रपत्र के अनुसार प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है। यूसीएचए ने केवल पीडीएफ प्रपत्र में परिशिष्ट 3ए और 4ए में कुछ सूचना दायर की है। निर्यातक ने परिशिष्टों की एक्सेल फाइल भी उपलब्ध नहीं कराई है। इसलिए, निर्यातक द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तर को स्वीकार नहीं किया जा सकता।
49. तदनुसार, नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया है। प्राधिकारी ने बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक खर्चों तथा उचित लाभ के साथ विधिवत समायोजित घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत के आधार पर थाईलैंड के सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य निर्धारित किया है। इसका उल्लेख नीचे पाटन मार्जिन तालिका में किया गया है।

##### ख. थाईलैंड के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

50. उपर्युक्त तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी वर्तमान जांच में यूबीई केमिकल्स (एशिया) पब्लिक कंपनी लिमिटेड, थाईलैंड के लिए सभी उत्पादकों के लिए कारखानागत निर्यात कीमत को अस्वीकार करते हैं और थाईलैंड के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए कारखानागत निर्यात कीमत उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित की जाती है और वह निम्नलिखित पाटन मार्जिन तालिका में उल्लिखित है।

### च.4.4 पाटन मार्जिन

51. संबद्ध देशों के लिए वर्तमान जांच में निर्धारित सामान्य मूल्य, कारखानागत निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन निम्नानुसार हैं:



## पाटन मार्जिन तालिका

क्रम संख्या	उत्पादक	सामान्य मूल्य (अमे. डॉ./मी. टन)	निर्यात कीमत (अमे. डॉ./मी. टन)	पाटन मार्जिन (अमे. डॉ./मी. टन)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन रेंज
1	रूस					
क	जेएससी शचेकिनोअजोट	***	***	***	***	40-50
ख	पीजेएससी कुइबिशेव अजोट	***	***	***	***	0-10
ग	कोई अन्य	***	***	***	***	70-80
2	कोरिया गणराज्य					
क	कैप्रो कारपोरेशन	***	***	***	***	0-10
ख	कोई अन्य	***	***	***	***	20-30
3	यूरोपीय संघ					
क	सभी उत्पादक	***	***	***	***	20-30
	थाईलैंड					
क	सभी उत्पादक	***	***	***	***	20-30

52. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन सकारात्मक है।

#### छ. क्षति का मूल्यांकन एवं कारणात्मक संपर्क

##### क्षति निर्धारण की पद्धति और क्षति एवं कारणात्मक संपर्क की जांच

#### छ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

53. क्षति और कारणात्मक संपर्क के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध नीचे दिए गए हैं:

- क. संबद्ध आयातों की मात्रा में वृद्धि क्षति की अवधि के दौरान मांग में वृद्धि और घरेलू उद्योग की सीमित क्षमता के कारण संपूर्ण मांग को पूरा करने में असमर्थता के कारण हुई थी।
- ख. सीमा शुल्क के उन्मूलन के साथ कोरिया गणराज्य से आयातों में वृद्धि हुई।
- ग. लाभ में गिरावट आयातों की पहुंच कीमत में गिरावट के कारण नहीं है बल्कि बाजार में अधिक आपूर्ति के कारण वैश्विक कैप्रो कीमत में गिरावट के कारण है।
- घ. जांच की अवधि और दो पूर्ववर्ती वर्षों में नकारात्मक कीमत कटौती हुई थी।
- ड. घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में क्षति की अवधि के दौरान बिक्री मूल्य में वृद्धि से अधिक दर पर वृद्धि हुई जिसके कारण आवेदक को असामान्य लाभ प्राप्त हुआ। वर्तमान अवधि में गिरावट केवल लाभ में सुधार है।
- च. आवेदक अपनी निर्धारित क्षमता से अधिकतर निरंतर प्रचालन करता आ रहा है। उसका उत्पादन और मांग 2018-19 तक बढ़ी थी तथा उत्पादन अथवा क्षमता उपयोग के संदर्भ में कोई क्षति नहीं हो सकती।
- छ. जांच की अवधि में कैप्टिव खपत में 30% की वृद्धि हुई है, जो दर्शाती है कि आवेदक ने कैप्टिव खपत को प्राथमिकता दी है।
- ज. आवेदक ने स्वयं यह माना है कि पूर्व वर्ष तक घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट कम क्षमता के कारण हो सकती है।
- झ. घरेलू बिक्री में गिरावट मांग में गिरावट के कारण थी और प्रयोक्ता उद्योग सीमित क्षमता के कारण आवेदक को आपूर्ति का एक अविश्वसनीय स्रोत मानता है।

- ज. घरेलू उद्योग के मूल्यहास में क्षति की अवधि के दौरान काफी वृद्धि हुई है।
- ट. आवेदक के पास बेंजीन जमा होने अथवा उच्च दरों पर आपूर्तिकर्ता के साथ दीर्घकालिक अनुबंध होने की संभावना है।
- ठ. कोविड-19 के कारण आवेदक का निष्पादन प्रभावित हो सकता है जिसने 2019-20 की अंतिम तिमाही में निष्पादन को प्रभावित किया।
- ड. आवेदक को नगद हानि का कारण यह है कि वडोदरा में संयंत्र को रोक कर रखा गया था।
- ढ. आवेदक ने अपनी उत्पादन प्रौद्योगिकी और मशीनों के उन्नयन की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया है और इस अप्रचलित प्रौद्योगिकी से क्षमताओं का अदक्ष उपयोग हुआ या है और उत्पादन की उच्च लागतें बनी हैं।
- ण. आवेदक के पास आवेदन पत्र में और उत्पादन के संबंध में वार्षिक रिपोर्ट में विरोधाभासी आंकड़े हैं।
- त. आवेदक को मांग में गिरावट के कारण क्षति हुई है।
- थ. आवेदक की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, भारी वर्षा, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, खराब मांग, बेंजीन जैसी कच्ची सामग्री की कीमतों में वृद्धि आदि क्षति के कारण हैं।
- द. चीन जन. गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स के मामले में, प्राधिकारी ने माना कि घरेलू कीमतों पर पहले से ही सहमति है, यद्यपि समझौता ज्ञापन का आयात कीमतों से कोई संबंध नहीं है।
- ध. आवेदक के पास प्रयोक्ता उद्योग के साथ संविदागत व्यवस्था है, जो मात्रा/उठान से संबंधित छूटों से बाध्य है।
- न. आवेदक अपनी कीमतें टेक्रॉन एशिया की रिपोर्टों के आधार पर दर्शाता है और किसी भी अन्य उत्पादक की तरह, घरेलू बाजार में इसकी बिक्री कीमत वैश्विक कीमतों को दर्शाती है।
- प. जीएसएफसी ने अपने क्रेताओं के साथ निश्चित मात्रा और कीमत संबंधी करार किए हैं जिसमें कीमत निर्धारण "टेक्रॉन" अथवा आईसीआईएस कीमतों के प्रकाशित मूल्यों के आधार पर सहमत फार्मूले पर आधारित है।
- फ. कीमतों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निर्धारण के रूप में स्वीकार किया जाता है और आयात कीमतों का आवेदक की कीमतों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
- ब. जीएसएफसी की नायलॉन-6 चिप्स संयंत्र के लिए भी अपनी कैप्टिव आवश्यकताएं हैं और उनकी कैप्टिव मात्रा में वृद्धि अन्य ग्राहकों को दी जाने वाली कैप्रोलेक्टम के लिए और कम हो जाएगी।
- भ. बेंजीन और कैप्रोलेक्टम के बीच बढ़ते प्रसार का आवेदक का तर्क गलत पाया गया है क्योंकि कैप्रोलेक्टम की घरेलू बिक्री कीमतों में गिरावट वैश्विक कीमतों के साथ निर्धारण के कारण है।
- म. यह एक निर्धारित स्थिति है कि जांच की अवधि के दौरान केवल सकारात्मक क्षति मार्जिन क्षति का साक्ष्य नहीं है बल्कि कमतर शुल्क नियम को लागू करने का साधन भी है। क्षति का निर्धारण संपूर्ण क्षति की अवधि की अनुकूल तस्वीर देखकर किया जाना होता है जिसमें सभी मानकों पर घरेलू उद्योग ने बहुत अच्छा निष्पादन किया है।
- य. जांच की अवधि में कैप्रोलेक्टम की वैश्विक कीमतों में गिरावट चीन जन. गण. (अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध के परिणामस्वरूप) द्वारा अंतरराष्ट्रीय बाजार में कैप्रोलेक्टम की अधिक आपूर्ति के कारण हुई, जिससे वित्तीय प्रभाव पड़ा। इसे आवेदक ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2019-20 में स्वीकार किया है।

## छ.2 घरेलू उद्योग के अनुरोध

54. क्षति और कारणात्मक संपर्क के संबंध में घरेलू उद्योग के अनुरोध निम्नलिखित हैं:-

- क. संबद्ध देशों से पाटित आयातों के प्रभावों का संचयी मूल्यांकन वर्तमान जांच में उपयुक्त है।
- ख. पूर्व वर्ष तक संबद्ध सामानों की मांग में लगातार वृद्धि हुई है लेकिन जांच की अवधि में गिरावट आई है।
- ग. आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में आयातों में 32% तक वृद्धि हुई है।

- घ. जांच की अवधि में मांग में 4% की गिरावट के बावजूद, संबद्ध देशों से आयातों में 6% तक वृद्धि हुई है।
- ङ. उत्पादन और खपत के संबंध में आयातों में क्षति की अवधि के दौरान क्रमशः लगभग 20% और 8% तक वृद्धि हुई है।
- च. यद्यपि कीमत कटौती नकारात्मक है, तथापि यह घरेलू उद्योग के सामने आ रहे काफी कीमत ह्रास के कारण है। यदि घरेलू उद्योग लाभप्रद कीमतों पर बिक्री करता, तो कीमत कटौती सकारात्मक और काफी हुई होती।
- छ. जांच की अवधि में आयातों की पहुंच कीमत में भारी गिरावट से घरेलू उद्योग अपनी कीमतें कम करने के लिए मजबूर हुआ है और इसलिए घरेलू उद्योग की कीमतों में गिरावट आई है।
- ज. घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में पूर्व वर्ष तक वृद्धि के बाद जांच की अवधि में गिरावट आई है।
- झ. उद्योग की घरेलू बिक्री पूर्व वर्ष तक बढ़ी लेकिन आयातों की पहुंच कीमत में भारी गिरावट के साथ संबद्ध आयातों की मात्रा में वृद्धि के कारण घरेलू बिक्री में जांच की अवधि में 12% तक गिरावट आई है।
- ञ. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में क्षति की अवधि के दौरान लगातार गिरावट आई है जबकि संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हुई है।
- ट. पूर्व वर्ष तक औसत मालसूची में गिरावट आई, लेकिन जांच की अवधि में इसमें वृद्धि हुई क्योंकि घरेलू बिक्री में गिरावट आई।
- ठ. आयातों की पहुंच कीमत में तेज गिरावट के साथ, घरेलू उद्योग को अत्यधिक अलाभकारी कीमतों पर बेचने के लिए मजबूर किया गया है और उसे जांच की अवधि में काफी वित्तीय हानियां हुई हैं।
- ड. जांच की अवधि में घरेलू उद्योग को नकद हानियां और नकारात्मक आय हुई है।
- ढ. रोजगार और मजदूरी केवल संबद्ध सामानों के निष्पादन पर निर्भर नहीं हैं। ये देश में कई कानूनी अपेक्षाओं और घरेलू उद्योग के साथ विभिन्न व्यावसायिक बाध्यताओं से शासित होते हैं।
- ण. घरेलू उद्योग में पूर्व वर्ष तक सकारात्मक वृद्धि देखी गई। तथापि, उद्योग ने जांच की अवधि में आयातों की पहुंच कीमत में गिरावट के कारण सभी मानकों में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की है।
- त. घरेलू उद्योग को नियोजित पूंजी पर नकारात्मक आय हुई है। पाटित आयातों की निरंतर मौजूदगी के कारण पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता काफी प्रभावित हो रही है।
- थ. मई, 2018 से जनवरी, 2019 की अवधि के दौरान संबद्ध आयातों की कीमत 2150-2250 अमरीकी डालर प्रति मी. टन थी और उसके बाद जांच की अवधि में जनवरी, 2020 से मार्च, 2020 तक 1250-1350 अमरीकी डालर प्रति मीट्रिक टन तक कम हो गई।
- द. कैप्रोलेक्टम की प्रति यूनिट बेंजीन की लागत और संबद्ध आयातों के बीच डेल्टा पूर्व वर्ष तक बढ़ा लेकिन जांच की अवधि में इसमें काफी गिरावट आई है। इससे पता चलता है कि कैप्रोलेक्टम की आयात कीमतों में गिरावट बेंजीन की कीमत में गिरावट से अधिक है।
- ध. घरेलू उद्योग संबद्ध सामानों के उत्पादन के लिए 50,000 मी. टन का एक नया संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रहा था। तथापि, संबद्ध सामानों में मांग और आपूर्ति के वैश्विक व्यापार संतुलन में महत्वपूर्ण बदलाव के कारण, जिसने भारतीय घरेलू बाजार में कीमतों को भी प्रभावित किया है, घरेलू उद्योग को इस परियोजना को रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा।
- न. आवेदन पत्र और वार्षिक रिपोर्ट में असंगत आंकड़ों के अनुरोध के संबंध में, वार्षिक रिपोर्ट में सूचित किए गए उत्पादन में वह उत्पादन शामिल नहीं है जो परिष्कृत उत्पाद को प्रगति में लाने के लिए है। तथापि, लागत संबंधी प्रपत्रों में सूचित उत्पादन में चल रहे कार्य, वह उत्पादन जिन पर वह कार्य जैसे पैकिंग अभी की जानी है, शामिल हैं।
- प. वार्षिक रिपोर्ट में दिए गए विवरण समग्र रूप से कंपनी के निष्पादन से संबंधित हैं न कि केवल विचाराधीन उत्पाद से संबंधित।

- फ. आवेदक ने स्वीकार किया है कि वैश्विक बाजार में कैप्रोलेक्टम की कीमतों में गिरावट आई है, लेकिन निर्यातकों ने यह सिद्ध नहीं किया है कि उनकी घरेलू कीमतों में भी आनुपातिक रूप से गिरावट आई है।
- ब. संबद्ध देशों से आयात कीमत, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और दो प्रमुख व्यापार पत्रिकाओं में सूचित की गई कीमतें समान प्रवृत्ति दर्शाती हैं। व्यापार पत्रिकाओं में सूचित की गई सीएफआर कीमत उस कीमत को दर्शाती है जिस पर विदेशी उत्पादक अपने उत्पाद का निर्यात कर रहे हैं। ये निर्यात कीमतें घरेलू उद्योग सहित अन्य बाजारों में कीमतों के लिए एक निर्धारण के रूप में कार्य करती हैं।
- भ. डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेट्स का संदर्भ अनुपयुक्त है। प्राधिकारी ने उस जांच में प्रतिकूल कीमत प्रभाव के दावों की अनदेखी की थी क्योंकि घरेलू उद्योग और प्रयोक्ताओं के बीच पहले से ही एक समझौता ज्ञापन लागू था और कीमतें उसके अनुसार निर्धारित की गई थीं। तथापि, घरेलू उद्योग की कीमतें सभी व्यापार पत्रिका में सूचित की गई कीमतों से संबद्ध हैं, और व्यापार पत्रिकाओं में सूचित की गई कीमतें वे कीमतें हैं जिन पर विदेशी उत्पादक भारत और अन्य देशों को निर्यात कर रहे हैं।

### छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

#### संचयी मूल्यांकन

55. डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद 3 और नियमावली के अनुबंध-II में यह प्रावधान है कि यदि एक से अधिक देश से उत्पाद के आयातों की साथ-साथ पाटनरोधी जांच की जा रही है तो प्राधिकारी उस स्थिति में ऐसे आयातों के प्रभाव का संचयी निर्धारण करेंगे जब वे यह निर्धारित करें कि:-

क) प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में सिद्ध पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात की मात्रा की 3 प्रतिशत (अथवा अधिक) है अथवा जहां अलग-अलग देशों का निर्यात 3 प्रतिशत से कम है, आयात सामूहिक रूप से समान वस्तु के आयात के 7 प्रतिशत से अधिक है, और

ख) आयात के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन आयातित वस्तु एवं समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में उपयुक्त है।

56. प्राधिकारी नोट करते हैं कि:

क. संबद्ध सामान भारत में संबद्ध देशों से पाटित किए जा रहे हैं। प्रत्येक संबद्ध देश से पाटन मार्जिन नियमावली के तहत निर्धारित न्यूनतम सीमाओं से अधिक है।

ख. प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा अलग-अलग आयातों की कुल मात्रा के 3 प्रतिशत से अधिक है।

ग. आयात के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उपयुक्त है क्योंकि संबद्ध देशों से निर्यात केवल उनमें से प्रत्येक द्वारा पेश की गई समान वस्तुओं की भी प्रतिस्पर्धा नहीं करते बल्कि भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा पेश समान वस्तुओं से भी प्रतिस्पर्धा करते हैं।

57. यह सुनिश्चित करने के लिए कि आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में आयात के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उचित है, निम्नलिखित मापदंडों की जांच की गई है: -

क. विभिन्न पक्षकारों द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद समान वस्तु हैं और गुणधर्मों में तुलनीय हैं।

ख. घरेलू रूप से उत्पादित उत्पाद और आयातित उत्पाद परस्पर परिवर्तनीय हैं।

ग. घरेलू उत्पाद और आयातित उत्पाद के बीच परस्पर प्रतिस्पर्धा है और आयातित उत्पाद के बीच परस्पर प्रतिस्पर्धा है।

घ. उपभोक्ता घरेलू सामग्री और आयातित सामग्री का परस्पर परिवर्तनीय रूप से प्रयोग कर रहे हैं और निर्यातक एवं घरेलू उद्योग ने एक ही उत्पाद को ग्राहकों के एक ही समूह को बेचा है।

ङ. संबद्ध देशों से आयात कीमत समान रूप से बढ़ी है।

58. उपर्युक्त के मद्देनजर, प्राधिकारी घरेलू उद्योग पर यूरोपीय संघ, कोरिया गणराज्य, रूस और थाईलैंड से संबद्ध सामानों के पाटित आयातों के प्रभाव संचयी मूल्यांकन करना उपयुक्त मानते हैं।
59. अनुबंध-II के साथ पठित नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इस प्रकार के आयातों का परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए ..." घरेलू उद्योग की क्षति को दर्शाने वाले कारकों की जांच शामिल होगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते हुए, इस बात की जांच करना आवश्यक माना गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा क्या इस प्रकार के आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों का बहुत अधिक मात्रा में ह्रास करना अथवा कीमत में वृद्धि रोकना है जो अन्यथा बहुत अधिक मात्रा में हुई होती। भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, मालसूची, लाभप्रदता, निवल बिक्री वसूली, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले तत्वों पर पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार विचार किया गया है।
60. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति और कारणात्मक संपर्क के संबंध में किए गए विभिन्न अनुरोधों को नोट किया है और रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों और लागू कानूनों पर विचार करते हुए उनका विश्लेषण किया है। प्राधिकारी द्वारा अनुवर्ती पैराओं में किया गया क्षति विश्लेषण घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों को हल करता है।
61. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह आवश्यक नहीं है कि क्षति के सभी मानदंड गिरावट दर्शाएं। कुछ मानदंड गिरावट दर्शा सकते हैं, जबकि कुछ अन्य नहीं दर्शा सकते। प्राधिकारी क्षति के सभी मानदंडों पर विचार करते हैं और उसके बाद यह निष्कर्ष निकालते हैं कि क्या घरेलू उद्योग को क्षति हुई है अथवा पाटन के कारण क्षति होने की संभावना है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए तथ्यों और तर्कों पर विचार करते हुए क्षति मानकों की वस्तुपरक रूप से जांच की है।
62. इस दावे के संबंध में कि आवेदक की हानि वैश्विक बाजार में अत्यधिक आपूर्ति के कारण हुई है जिससे संबद्ध सामानों की कीमतें प्रभावित हुई हैं, यह देखा जाता है कि हितबद्ध पक्षकारों ने स्वयं यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग ऐसे बाजार में प्रचालन कर रहा है, जहां मांग और आपूर्ति अंतराल है तथा घरेलू उद्योग एकमात्र उत्पादक है। घरेलू उद्योग संबद्ध देशों से कम कीमत वाले आयातों के कारण कच्ची सामग्री की कीमतों में उतार-चढ़ाव के अनुसार पर्याप्त रूप से अपनी कीमतें करने में सक्षम रहा है जिसके परिणामस्वरूप हानियां हुई हैं। निर्यातकों के प्रभावली के उत्तरों का विश्लेषण यह दर्शाता है कि भारत को उनकी निर्यात कीमत में गिरावट उनकी घरेलू कीमतों में गिरावट की तुलना में कहीं अधिक तेज थी। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि विदेशी उत्पादक निर्यात के लिए अपनी कीमतों को कम करते समय अपनी घरेलू कीमतों में गिरावट को रोकने में सक्षम थे। प्राधिकारी नोट करते हैं कि विदेशी उत्पादकों को अपनी घरेलू और निर्यात कीमत दोनों को समान मात्रा तक कम करना चाहिए था, यदि कीमतों में गिरावट वैश्विक थी।
63. यह दावा किया गया है कि सीमा शुल्क की समामि से कोरिया गणराज्य से आयातों में वृद्धि हुई है और रूस से आयातों में गिरावट आई है। यह नोट किया जाता है कि नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (iii) के तहत निर्धारित किए गए अनुसार जांच की अवधि में दोनों संबद्ध देशों से आयात न्यूनतम सीमा से अधिक हैं। इसलिए, आयातों के प्रभाव का प्राधिकारी द्वारा संचयी रूप से मूल्यांकन किया जाना होता है।
64. हितबद्ध पक्षकारों ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रयोक्ताओं के साथ किए गए करार के संबंध में सूचना प्रदान की। यह अनुरोध किया गया है कि जीएसएफसी ने अपने क्रेताओं के साथ मात्रा और कीमत निर्धारण करार किए हैं जिसमें प्रयोक्ता और आवेदक कुछ मात्राओं से बंधे हैं; और कीमतें टैक्नॉन अथवा आईसीआईएस में प्रकाशित कीमतों पर आधारित फॉर्मूले के आधार पर निर्धारित की जाती हैं। इसके आधार पर, हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया कि घरेलू उद्योग का कीमत निर्धारण आयात कीमत से संबंधित नहीं है और यह इन रिपोर्टों से संबंधित है। घरेलू उद्योग ने यह भी उल्लेख किया है कि घरेलू उद्योग की कीमतें रिपोर्टों से जुड़ी हुई हैं लेकिन उन्होंने यह अनुरोध किया है कि व्यापार पत्रिका में कीमतें स्वयं निर्यात कीमतों को दर्शाती हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने यह नहीं दर्शाया है कि भारत को निर्यात कीमत की प्रवृत्तियां इन व्यापार पत्रिका में प्रकाशित कीमतों में प्रवृत्तियों से भिन्न हैं। रिकॉर्ड में दी गई सूचना से यह देखा जाता

है कि रिपोर्ट में दर्शाई गई कीमतें सीएफआर कीमतें हैं और इन निर्यात कीमतों के परिणामस्वरूप अंततः आयात की पहुंच कीमत बनती है। इसके अतिरिक्त, इन कीमतों की विदेशी उत्पादकों की निर्यात कीमत और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से तुलना करने से पता चलता है कि सभी एक साथ आगे बढ़े हैं। घरेलू उद्योग देश में एकमात्र उत्पादक है और उसके पास न्यूनतम निर्यात मात्रा है।

65. किसी भी दशा में, प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमतों में भारी कटौती की गई है। घरेलू उद्योग ने यह भी अनुरोध किया कि चूंकि घरेलू उद्योग मांग और आपूर्ति अंतराल के साथ बाजार में प्रचालन कर रहा है और भारत में एकमात्र उत्पादक है, अतः घरेलू उद्योग पर उत्पादन लागत से भी कम कीमतों को कम करने के लिए कोई बाध्यता नहीं थी, यदि उस स्तर को छोड़ दें जहां उसने उचित लाभ कमाये होते। संबद्ध देशों के सभी उत्पादकों के उत्तर भी पाटन दर्शाते हैं। इसलिए, आयात पाटित आयातों पर हैं और भारत में समान वस्तु की कीमतों में कटौती कर रहे थे।

### छ.3.1 मांग का मूल्यांकन

66. प्राधिकारी ने भारत में उत्पाद की उत्पाद अथवा स्पष्ट खपत घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री की राशि और समस्त स्रोतों से आयात के रूप में निर्धारित की है।

क्रम सं.	विवरण	यूजोएम	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
1	संबद्ध देशों से आयात	मी. टन	49,816	56,935	61,820	65,814
2	अन्य देशों से आयात	मी. टन	1,773	1,477	4,660	2,235
3	आवेदक की घरेलू बिक्रियां (कैप्टिव को छोड़कर)	मी. टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	106	94
4	कैप्टिव को छोड़कर मांग/खपत	मी. टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	116	111
5	घरेलू उद्योग द्वारा कैप्टिव खपत	मी. टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	99	97
6	कैप्टिव सहित मांग/खपत	मी. टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	105	113	109

67. यह देखा जाता है कि क्षति की अवधि के दौरान उत्पाद के लिए समग्र मांग में वृद्धि हुई है। तथापि, 2018-19 तक वृद्धि के बाद जांच की अवधि में संबद्ध सामानों की मांग (कैप्टिव खपत सहित और कैप्टिव खपत को छोड़कर) में गिरावट आई है। तथापि, क्षति की अवधि के दौरान कैप्टिव खपत में कोई वास्तविक वृद्धि अथवा गिरावट नहीं थी। अतः, घरेलू उद्योग की अपनी उत्पादन क्षमताओं का उपयोग करने के लिए बाजार में पर्याप्त मांग थी। \*\*\* मी. टन की मांग (कैप्टिव खपत को छोड़कर) के लिए, घरेलू उद्योग बाजार में कम से कम \*\*\* मी. टन विचाराधीन उत्पाद की पेशकश कर सकता था। इसके अतिरिक्त, यह विचार करते हुए कि क्षति की अवधि में कैप्टिव खपत में कोई वास्तविक वृद्धि अथवा गिरावट नहीं हुई थी, कैप्टिव खपत को अलग करने के बाद घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का विश्लेषण करना उचित माना गया था। इसके अतिरिक्त, यद्यपि पिछले वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में मांग/खपत में गिरावट आई है, तथापि संबद्ध आयातों में वृद्धि हुई है और जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री में गिरावट आई है।

### छ.3.2 पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

#### I. आयात मात्रा और संबद्ध देशों का हिस्सा

68. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा तथा अन्य देशों से आयातों की मात्रा के प्रभाव की प्राधिकारी द्वारा जांच की गई है। पूर्ण दृष्टि से और उत्पादन और खपत के संबंध में विभिन्न देशों से आयातों की मात्रा निम्नलिखित थी:

क्रम सं.	विवरण	यूजोएम	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
1	संबद्ध देश	मी. टन	49,816	56,935	61,820	65,814
क	यूरोपीय संघ	मी. टन	13,551	11,293	13,832	14,510
ख	कोरिया गणराज्य	मी. टन	19,760	29,248	24,144	36,288
ग	रूस	मी. टन	12,249	15,450	22,250	12,600
घ	थाईलैंड	मी. टन	4,256	944	1,594	2,416
2	अन्य देश	मी. टन	1,773	1,477	4,660	2,235
3	कुल	मी. टन	51,589	58,412	66,479	68,049
4	के संबंध में संबद्ध देशों से आयात:-					
क	भारतीय उत्पादन	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	112	119	136
ख	मांग	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	107	119
ग	भारत में कुल आयात	%	***	***	***	***

69. यह देखा जाता है कि:-

क. संबद्ध देशों से आयातों में क्षति की अवधि के दौरान समग्र रूप से वृद्धि हुई है।

ख. भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में आयातों में वृद्धि हुई है।

ग. उत्पाद का क्षति की अवधि के दौरान कई अन्य देशों से आयात किया गया है।

### छ.3.3 पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

70. नियमावली के अनुबंध-II(ii) के अनुसार, प्राधिकारी के लिए कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत न्यूनीकरण और ह्रास, यदि कोई है, के संदर्भ में घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करना अपेक्षित होता है।

#### क. कीमतें तैयार करना

71. प्राधिकारी ने क्षति की अवधि में और जांच की अवधि में आयात कीमतों की प्रवृत्ति की जांच की है। यह देखा जाता है कि जहां आयात कीमतें 2018-19 तक बढ़ रही थीं, वहीं जांच की अवधि में इनमें तेजी से गिरावट आई। इसके अतिरिक्त, जांच की अवधि में भी कीमतों में तेजी से गिरावट आई थी। आयात कीमत और घरेलू कीमत दोनों में समान प्रवृत्ति देखी जाती है।

वर्ष/माह	पहुँच कीमत – संबद्ध देश		घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतें	
	रु./मी. टन	प्रवृत्ति	रु./मी. टन	प्रवृत्ति
2016-17	1,00,140	100	***	100
2017-18	1,31,819	132	***	119
2018-19	1,54,940	155	***	138
अप्रैल-19	1,24,592	124	***	120
मई-19	1,34,180	134	***	120
जून-19	1,32,267	132	***	116
जुलाई-19	1,22,262	122	***	100
अगस्त-19	1,14,385	114	***	100

सितंबर-19	1,14,541	114	***	103
अक्तूबर-19	1,12,861	113	***	101
नवंबर-19	1,13,567	113	***	99
दिसंबर-19	1,06,644	106	***	90
जनवरी-20	95,553	95	***	87
फरवरी-20	94,616	94	***	93
मार्च-20	1,01,214	101	***	88

#### ख. कीमत कटौती

72. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, प्राधिकारी को इस बात पर विचार करना होता है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाटित आयातों से काफी कीमत कटौती हुई है अथवा क्या इन आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों को कम करना अथवा कीमत वृद्धि रोकना है जो अन्यथा काफी मात्रा में हुई होती। इस संबंध में, संबद्ध देशों से उत्पाद के पहुंच मूल्य और व्यापार के समान स्तर पर घरेलू उद्योग के औसत बिक्री मूल्य, सभी छूटों और करों के निवल, के बीच तुलना की गई है। घरेलू उद्योग की कीमतों का निर्धारण कारखानागत स्तर पर किया गया था। यह देखा जाता है कि इस अवधि के दौरान आयात कीमत और घरेलू कीमत दोनों में गिरावट आई है। इसके अतिरिक्त, आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से थोड़ी अधिक थी। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया कि कीमतों में गिरावट की स्थिति में, कीमत कटौती नकारात्मक प्रवृत्ति को दर्शाती है क्योंकि घरेलू कीमतें घटी हुई कीमतों का तत्काल प्रभाव दर्शाती हैं जबकि आयात कीमतें समय अंतराल के कारण समान प्रवृत्ति नहीं दर्शाती हैं।

क्रम सं.	विवरण	यूओएम	यूरोपीय संघ	कोरिया गणराज्य	रूस	थाईलैंड	समग्र रूप में संबद्ध देश
1	आयात मात्रा	मी. टन	14,510	36,288	12,600	2,416	65,814
2	पहुँच कीमत	रु./मी. टन	1,14,150	1,15,293	1,09,637	1,13,905	1,13,907
3	निवल बिक्री वसूली	रु./मी. टन	***	***	***	***	***
4	कीमत कटौती	रु./मी. टन	***	***	***	***	***
5	कीमत कटौती	%	***	***	***	***	***
6	कीमत कटौती	रेंज	(0-10)	(0-10)	0-10	(0-10)	(0-10)

#### ग. कीमत न्यूनीकरण एवं ह्रास

73. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का न्यूनीकरण अथवा ह्रास कर रहे हैं और क्या इन आयातों का प्रभाव काफी मात्रा तक कीमतों का ह्रास करने के लिए है अथवा कीमत वृद्धि रोकने के लिए है जो अन्यथा काफी मात्रा में हुई होती, प्राधिकारी ने क्षति की अवधि में लागतों तथा कीमतों में परिवर्तनों की जांच की है और आयातों की पहुँच कीमत उसकी तुलना की है।

क्र. सं.	मानदंड	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
1	बिक्रियों की लागत	रु./मी. टन	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	127	132
3	बिक्री कीमत	रु./मी. टन	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	119	138	101
5	पहुँच कीमत	रु./मी. टन	1,00,140	1,31,819	1,54,940	1,13,907



6	पिछले वर्ष में परिवर्तन					
7	बिक्रियों की लागत	₹/मी. टन	-	***	***	***
8	बिक्री कीमत	₹/मी. टन	-	***	***	***
9	पहुँच कीमत	₹/मी. टन	-	31,678	23,121	-41,033

74. यह देखा जाता है कि आयातों की पहुँच कीमत 2018-19 तक बढ़ी। चूंकि पहुँच कीमत में वृद्धि हुई, अतः घरेलू उद्योग अपनी बिक्री कीमत बढ़ा पाया। इसके अतिरिक्त, आयातों की पहुँच कीमत में वृद्धि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में वृद्धि से अधिक थी। इसके अतिरिक्त, संबद्ध आयातों की पहुँच कीमत और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत दोनों में वृद्धि घरेलू उद्योग की लागत में वृद्धि से अधिक थी। जांच की अवधि में, यद्यपि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत निरंतर बढ़ती रही, तथापि आयातों की पहुँच कीमत में काफी गिरावट आई। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में भी काफी गिरावट आई है। बिक्री कीमत में गिरावट आयातों की पहुँच कीमत में गिरावट से थोड़ी सी कम थी। इस प्रकार यह देखा जाता है कि जबकि आयात 2018-19 तक घरेलू कीमतों का न्यूनीकरण अथवा ह्रास नहीं कर रहे थे, घरेलू उद्योग को जांच की अवधि में काफी न्यूनीकरण और ह्रास हुआ।

### छ.3.4 घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंडों पर प्रभाव

75. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में उन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। पाटनरोधी नियमावली में यह भी प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए। तदनुसार, घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मानदंडों पर नीचे चर्चा की गई है।

#### क. क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री

76. प्राधिकारी ने क्षति की अवधि में घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री मात्रा पर विचार किया है।

क्रम सं.	विवरण	यूओएम	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
1	क्षमता	मी. टन	***	***	***	***
2	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	100	100
3	उत्पादन	मी. टन	***	***	***	***
4	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	105	97
5	क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
6	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100%	102%	105%	98%
7	घरेलू बिक्रियां	मी. टन	***	***	***	***
8	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	106	94
9	कैप्टिव खपत	मी. टन	***	***	***	***
10	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	97	99	97

77. यह देखा जाता है कि:

- क. घरेलू उद्योग की क्षमता क्षति अवधि में स्थिर रही है और देश में मांग से कम है। उच्चतम प्राप्त उत्पादन पर, घरेलू उद्योग देश में उत्पाद के लिए मांग (कैप्टिव खपत को छोड़कर) के 52% की पूर्ति कर सकता था।
- ख. घरेलू उद्योग का उत्पादन 2018-19 तक बढ़ा। तथापि, जांच की अवधि में उत्पादन में तेजी से गिरावट आई और यह आधार वर्ष 2016-17 से भी कम था।
- ग. घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग ने भी उत्पादन की तरह वही प्रवृत्ति अपनाई है। क्षमता उपयोग 2018-19 तक बढ़ा और जांच की अवधि में उसमें गिरावट आई।
- घ. घरेलू बिक्री 2018-19 तक बढ़ी लेकिन जांच की अवधि में उसमें गिरावट आई।
- ङ. यद्यपि मांग/खपत में गिरावट आई और कैप्टिव खपत अपेक्षाकृत स्थिर रही।
- च. क्षति की अवधि और जांच की अवधि को ध्यान में रखते हुए क्षमता उपयोग 100% से अधिक रहा है।

#### ख. मांग में बाजार हिस्सा

78. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच की गई है।

क्रम सं.	विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
1	घरेलू उद्योग	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	95	91	85
2	संबद्ध देश	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	107	107	119
3	अन्य देश	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	78	226	113

79. यह देखा जाता है कि:-

- क. क्षति अवधि में विश्लेषण पर संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है जबकि घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है। जांच की अवधि में संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में तेजी से वृद्धि हुई है। परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में जांच की अवधि में तेजी से गिरावट आई है।

#### ग. मालसूची

80. घरेलू उद्योग में मालसूची की जांच की गई है।

क्रम सं.	विवरण	यूजोएम	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
1	आरंभिक मालसूची	मी. टन	***	***	***	***
2	अंतिम मालसूची	मी. टन	***	***	***	***
3	औसत मालसूची	मी. टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति					
4	आरंभिक मालसूची	सूचीबद्ध	100	38	44	29
5	अंतिम मालसूची	सूचीबद्ध	100	116	77	138
6	औसत मालसूची	सूचीबद्ध	100	59	53	59

81. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग में मालसूची वर्ष 2016-17 के आरंभ में काफी मात्रा में थी। घरेलू उद्योग अपने मालसूची स्तर को काफी कम करने में सक्षम था।

**घ. लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय**

82. लाभ, नकद लाभ और नियोजित पूंजी पर आय के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच की गई है।

क्रम सं.	विवरण	यूओएम	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
1	बिक्रियों की लागत	₹/मी. टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	110	127	132
2	बिक्री कीमत	₹/मी. टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	119	138	101
3	लाभ/हानि (पीबीटी)	₹/मी. टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	176	208	(90)
5	नकद लाभ	₹/मी. टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	176	208	(90)
6	ब्याज और करों पूर्व लाभ (पीबीआईटी)	₹/मी. टन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	174	207	(87)
<b>घरेलू प्रचालनों के लिए कुल</b>						
7	लाभ/हानि (पीबीटी)	₹ लाख	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	179	220	(85)
8	नकद लाभ	₹ लाख	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	179	220	(85)
9	ब्याज और करों पूर्व लाभ (पीबीआईटी)	₹ लाख	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	177	219	(82)
10	नियोजित पूंजी पर आय	%	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	146	177	(73)

83. यह देखा जाता है कि:

- क. घरेलू उद्योग की बिक्री की लागत में क्षति अवधि में निरंतर वृद्धि हुई है। यद्यपि, वर्ष 2018-19 तक बिक्री मूल्य में भी वृद्धि हुई, लेकिन जांच की अवधि में इसमें गिरावट आई है। जांच की अवधि में बिक्री कीमत में इतनी तेजी से गिरावट आई है कि वह अब घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से कम थी।
- ख. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता 2018-19 तक बढ़ी परंतु जांच की अवधि में उसमें तेजी से गिरावट आई। जांच की अवधि में घरेलू उद्योग को काफी वित्तीय हानियां हुई हैं।
- ग. वर्ष 2018-19 तक प्रति यूनिट लाभ, प्रति यूनिट नकद लाभ और प्रति यूनिट ब्याज एवं कर पूर्व लाभ सभी में वृद्धि हुई है परन्तु जांच की अवधि में गिरावट आई और सभी नकारात्मक हो गए।
- घ. घरेलू उद्योग नकद लाभ कमा रहा था, परन्तु इसकी मात्रा 2018-19 तक बढ़ गई। तथापि, जांच की अवधि में, घरेलू उद्योग को न केवल नकद लाभ में केवल भारी गिरावट की ही हानि नहीं हुई, बल्कि काफी नकद हानियां भी हुईं।
- ड. नियोजित पूंजी पर आय (आरओसीई) 2018-19 तक बढ़ी। तथापि, आरओसीई में न केवल जांच की अवधि में गिरावट आई, बल्कि जांच की अवधि काफी नकारात्मक भी थी।

**ड. रोजगार, मजदूरी और उत्पादकता**

84. रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी के संबंध में घरेलू उद्योग की स्थिति की जांच की गई थी।

क्रम सं.	विवरण	यूओएम	2016-17	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
1	कर्मचारियों की संख्या	सं.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	101	107
2	वेतन एवं मजदूरी	₹ लाख	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	128	85	116
3	प्रति दिन उत्पादकता	मी. टन/दिन	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	102	105	97
4	प्रति कर्मचारी उत्पादकता	मी. टन/स.	***	***	***	***
	प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	100	104	91

85. यह देखा जाता है कि कर्मचारियों की संख्या घरेलू उद्योग द्वारा भुगतान किए गए वेतन और मजदूरी में क्षति अवधि में वृद्धि हुई है। प्रति दिन और प्रति कर्मचारी उत्पादकता में 2018-19 तक वृद्धि हुई है लेकिन जांच की अवधि में उसमें गिरावट आई। उत्पादकता में परिवर्तन उत्पादन में परिवर्तनों के अनुरूप है।

**च. वृद्धि**

86. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के वृद्धि संबंधी मानकों की जांच नीचे दर्शाई गई है—

क्रम सं.	विवरण	यूओएम	2017-18	2018-19	जांच की अवधि
1	उत्पादन	वर्ष/वर्ष	1.88%	2.69%	-7.00%
2	बिक्रियां	वर्ष/वर्ष	1.80%	3.84%	-10.74%
3	प्रति यूनिट लाभ/(हानि)	वर्ष/वर्ष	75.76%	18.40%	-143.29%
4	मालसूची	वर्ष/वर्ष	-41.09%	-10.69%	11.38%
5	बाजार हिस्सा	वर्ष/वर्ष	-4.85%	-4.41%	-6.88%
6	कर पूर्व लाभ	वर्ष/वर्ष	78.93%	22.94%	-138.64%
7	नकद लाभ	वर्ष/वर्ष	79.03%	22.84%	-138.61%
8	पीबीआईटी	वर्ष/वर्ष	77.34%	23.39%	-137.67%
9	आरओआई	वर्ष/वर्ष	45.87%	21.47%	-141.34%

87. यह देखा जाता है कि जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की वृद्धि मात्रा और कीमत मानदंडों दोनों में नकारात्मक थी, जबकि 2018-19 तक यह सकारात्मक थी।

**छ. पाटन की मात्रा**

88. यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन न केवल सकारात्मक है, बल्कि काफी भी है।

**ज. नए निवेश जुटाने की क्षमता**

89. आवेदक ने अनुरोध किया है कि देश में मांग को देखते हुए, उसने क्षमता विस्तार की योजना बनाई थी। तथापि, संबद्ध सामानों में मांग और आपूर्ति के वैश्विक व्यापार संतुलन में काफी बदलाव के कारण, जिसने भारतीय घरेलू बाजार में कीमतों को भी प्रभावित किया है, घरेलू उद्योग को इस परियोजना को रोकने के लिए मजबूर होना पड़ा है। यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग हानियों में प्रचालन कर रहा है।

**झ. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक**

90. संबद्ध देशों से आयातों का बाजार में काफी हिस्सा है और इन आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से कम है। हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया कि घरेलू उद्योग का कीमत निर्धारण व्यापार पत्रिकाओं में प्रकाशित कीमतों से जुड़ा है। ये व्यापार पत्रिका कीमतें उन कीमतों को दर्शाती हैं जिन पर निर्यात हो रहा है। जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत प्रभावित हुई है और घरेलू उद्योग ने अपनी कीमतें, जब लागतें \*\*\* रु. प्रति मीट्रिक टन तक बढ़ीं, उस समय भी \*\*\* रु. प्रति मीट्रिक टन तक कम की हैं। घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में उत्पादन में गिरावट के कारण आंशिक रूप से वृद्धि हुई है, लेकिन कच्ची सामग्री के निमित्त लागतों में वृद्धि के कारण काफी वृद्धि हुई है। संबद्ध आयातों की पहुंच कीमतों ने घरेलू उद्योग की कीमतों का न्यूनीकरण तथा ह्रास किया है जिससे घरेलू उद्योग को वित्तीय हानियां हो रही हैं। अतः यह देखा जाता है कि संबद्ध देश से आयात घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक थे।

**ञ. क्षति मार्जिन की मात्रा**

91. प्राधिकारी ने यथासंशोधित अनुबंध-III के साथ पठित नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए क्षतिरहित कीमत (एनआईपी) निर्धारित की है। विस्तृत प्रकटन यहां नीचे अलग से किया जा रहा है। उत्पादकों/निर्यातकों और अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन का निर्धारण पहुंच कीमत और इस प्रकार निर्धारित क्षति रहित कीमत को ध्यान में रखते हुए किया गया है। नीचे दी गई तालिका निर्धारित क्षति मार्जिन दर्शाती है। यह देखा जाता है कि क्षति मार्जिन काफी है।

**क्षति मार्जिन तालिका**

क्रम सं.	उत्पादक	क्षति रहित कीमत (अमे. डॉ./मी. टन)	पहुँच मूल्य (अमे. डॉ./मी. टन)	क्षति मार्जिन (अमे. डॉ./मी. टन)	क्षति मार्जिन (%)	क्षति मार्जिन रेंज
1	<b>रूस</b>					
क	जेएससी शचेकिनोअज़ोट	***	***	***	***	0-10
ख	पीजेएससी कुइबिशेव अज़ोट	***	***	***	***	10-20
ग	कोई अन्य	***	***	***	***	40-50
2	<b>कोरिया गणराज्य</b>					
क	कैप्रो कारपोरेशन	***	***	***	***	10-20
ख	कोई अन्य	***	***	***	***	30-40
3	<b>यूरोपीय संघ</b>					
क	सभी उत्पादक	***	***	***	***	0-10
	<b>थाईलैंड</b>					
क	सभी उत्पादक	***	***	***	***	0-10

**ज. कारणात्मक संपर्क**

92. प्राधिकारी के लिए यह जांच करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों को छोड़कर किन्हीं अन्य ज्ञात कारकों से भी साथ-साथ घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। इस संबंध में जो कारक संगत हो सकते हैं उनमें अन्य बातों के साथ-साथ, पाटित कीमतों पर न बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमतें, मांग में संकुचन अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन, विदेशी और घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियां तथा उनके बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी में विकास और निर्यात निष्पादन तथा घरेलू उद्योग की उत्पादकता शामिल हैं। यह जांच की गई थी कि क्या पाटित आयातों को छोड़कर ये सूचीबद्ध कारक घरेलू उद्योग को क्षति में योगदान कर सकते हैं।

**क. तीसरे देश से आयात की मात्रा और कीमत**

93. संबद्ध देशों से आयातों का कुल आयात में 97% हिस्सा है। जापान, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका से आयातों की सूचना मिली है। तथापि, यह देखा जाता है कि इन देशों से आयात कीमत संबद्ध देशों से आयात कीमत से अधिक है। इसके अतिरिक्त, अन्य देशों से आयातों में 2018-19 तक वृद्धि हुई और फिर जांच की अवधि में उसमें काफी गिरावट आई, जबकि जांच की अवधि में संबद्ध देशों से आयातों में और वृद्धि हुई। गैर-संबद्ध देशों से आयात मात्रा में बहुत कम हैं।

**ख. मांग में संकुचन और/अथवा खपत के पैटर्न में बदलाव**

94. नायलॉन-6 के उत्पादन में संबद्ध सामानों की बड़े पैमाने पर खपत की जाती है। संबद्ध सामानों की मांग ने 2018-19 तक निरंतर वृद्धि दर्शाई है। तथापि, जांच की अवधि में मांग में गिरावट आई। तथापि यह आधार वर्ष से अधिक थी। जांच की अवधि में \*\*\* मी. टन की मांग की तुलना में घरेलू उद्योग के पास क्षमता भारत में मांग से काफी कम है। इसके अतिरिक्त, संबद्ध देशों से आयातों में तब भी वृद्धि हुई जब उत्पाद की मांग में गिरावट आई। यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि मांग में गिरावट पूरी तरह अस्थायी और अल्पकालिक थी।

**ग. प्रौद्योगिकी में विकास**

95. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में क्षति की अवधि के दौरान कोई वास्तविक परिवर्तन नहीं हुआ है। इसलिए, प्रौद्योगिकी में विकास घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संभावित कारण नहीं है।

**घ. व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियां**

96. प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटी की संभावित मौजूदगी का कोई दावा नहीं किया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो। यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग देश में उत्पाद का एकमात्र उत्पादक है।

**ङ. निर्यात निष्पादन**

97. घरेलू उद्योग संबद्ध सामानों की कम मात्रा का निर्यात करता रहा है। 2016-17 में निर्यात की मात्रा अधिक थी और उसके बाद 2018-19 तक उसमें तेजी से गिरावट आई। यहां तक कि यद्यपि जांच की अवधि में निर्यात मात्रा में फिर से वृद्धि हुई, तथापि किसी भी स्थिति में निर्यात की मात्रा जांच की अवधि में \*\*\* मी. टन (घरेलू बिक्री का \*\*\*) पर बहुत कम है। ऊपर जांच की गई क्षति सूचना संबंधी सूचना घरेलू उद्योग के घरेलू बाजार के संदर्भ में उसके निष्पादन से ही संबंधित है। इस प्रकार, हुई क्षति को घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन में संभावित गिरावट के लिए नहीं माना जा सकता।

**च. अन्य उत्पादों का निष्पादन**

98. प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद और अन्य सभी उत्पादों के निष्पादन से संबंधित पृथक आंकड़ों पर विचार किया है। इसलिए, आवेदक द्वारा उत्पादित और बेचे गए अन्य उत्पादों का निष्पादन इस जांच में घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संभावित कारण नहीं है।

**छ. प्रतिस्पर्धा की शर्तें**

99. यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग वर्तमान में देश में विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र उत्पादक है। दूसरी कंपनी, एफएसीटी के पास विचाराधीन उत्पाद के लिए क्षमताएं (\*\*\* मी. टन) हैं। तथापि, कंपनी ने क्षति की अवधि में इस उत्पाद का उत्पादन नहीं किया है। घरेलू उद्योग ने उल्लेख किया है कि एफएसीटी ने परीक्षण उत्पादन शुरू किया है। किसी भी दशा में, चूंकि घरेलू उद्योग एकमात्र घरेलू आपूर्तिकर्ता था और \*\*\*% आयात संबद्ध देशों से थे, अतः भारत में ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटियां नहीं हैं जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती हो।

**झ. प्रकटन के पश्चात टिप्पणियां**

100. प्राधिकारी ने एक प्रकटीकरण विवरण जारी किया, जिसमें मामले के आवश्यक तथ्यों को प्रकट किया और सभी हितबद्ध पक्षकारों से टिप्पणियां आमंत्रित की। हितबद्ध पक्षकारों से प्रकटीकरण के उपरांत अनुरोध प्राप्त हुए हैं। प्रकटीकरण के उपरांत टिप्पणियों में उठाए गए अधिकांश मामलों को पहले ही उठाया जा चुका है और उनको पर्याप्त रूप से शामिल भी किया जा चुका है। संगत पाए गए अतिरिक्त अनुरोधों की जांच की गई है, जो इस प्रकार है :-

**झ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध**

101. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन विवरण के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

क. प्राधिकारी द्वारा जीएसएफसी को पात्र घरेलू उद्योग मानने के लिए दिए गए तर्क के आधार पर, प्राधिकारी ने विगत कई मामलों में, जैसे विट्रिफाइड टाइल्स, जिसमें कजारिया सिरामिक, सोडा ऐश शामिल हैं, जिसमें निरमा, पीएक्स-13 जैसी कंपनियां हैं, जिनमें लेक्सेस इंडिया जैसी कंपनियों पर पात्र नहीं होने के रूप में विचार किया गया था। वही धारणा यहां भी लागू की जानी चाहिए।

ख. यदि थाइलैंड से आवेदक के स्वयं के आयातों को हटा लिया जाए, तो थाइलैंड से आयातों का हिस्सा गिरकर 3 प्रतिशत से कम हो जाएगा। इसी कारण से हितबद्ध पक्षकारों ने इसे समाप्त करने का अनुरोध किया है।

ग. नियम 2 (ख) की अपेक्षा स्पष्ट और श्रेणीबद्ध है और एक ऐसे घरेलू उद्योग के लिए दिए जाने वाले अपवाद की अनुमति नहीं होती, जो कि घरेलू उद्योग के रूप में पात्र होने के लिए स्वयं ही एक आयातक है, वह एक 'आयातक-व्यापारी' के रूप में व्यवहार नहीं कर रहा और इसकी बजाय उत्पादन पर ध्यान देना जारी रख रहा है।

घ. प्राधिकारी को डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेटों (डीओपीपी) के मामले में अपनाई गई धारणा के साथ कार्रवाई करनी चाहिए, जिसमें कि प्राधिकारी ने जांच को समाप्त किया है, क्योंकि आवेदक उद्योग और प्रयोक्ताओं के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) था।

ड. प्राधिकारी ने कीमत निर्धारण के लिए निर्धारित मात्रात्मक अनुबंधों और कार्यप्रणाली के संबंध में विशिष्ट प्रश्नों के लिए अपनी टिप्पणी/ विश्लेषण प्रदान नहीं किया है।

च. प्राधिकारी ने यह आकलन नहीं किया है कि निर्धारण से पूर्व की कीमत व्यवस्था के कारण आवेदक उद्योग सहमत कीमतों से अधिक कीमत पर संबद्ध वस्तुओं की बिक्री करने के लिए अनुबंध से बंधा हुआ है।

छ. चूंकि आवेदक उद्योग का ग्राहकों के साथ वास्तविक पहुंच कीमतों और पूर्व-निर्धारित कीमतों के बीच "शून्य" सहसंबंध है, अतः पहुंच मूल्य और आवेदक उद्योग के समक्ष क्षति की समस्या के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। अतः जांच को केवल इसी आधार पर ही समाप्त किए जाने की जरूरत है।

ज. प्राधिकारी द्वारा यूरोपीय संघ से फाइब्रेंट बी वी प्रोड्यूसर और केमोरोवो ज्वाइंट स्टॉक कंपनी अजोट, रूस को नई शिपर समीक्षा दायर करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि उन्होंने जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया है। इसके अलावा, वे किसी ऐसे उत्पादक से संबंधित भी नहीं हैं जिसने भारत को जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया हो।

झ. प्राधिकारी को ऐसी फ्रीक्वेंसी का विश्लेषण करना चाहिए, जिस पर आवेदक ने आयात किया है। आयातों की फ्रीक्वेंसी पूरी तरह से यह सिद्ध करेगी कि ये बाजार को जांचने जैसे प्रयोजनों के लिए मात्र रिमोट सौदे नहीं हैं बल्कि इसकी बजाय यह एक व्यापार के रूप में व्यापार से लाभ अर्जित करने की एक सामान्य प्रक्रिया है।

ञ. यह भी तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग ने कोरिया के "नाइलोन- 6 के उत्पादन के लिए जांचने के प्रयोजन से कैपरोलेक्टम की लघु मात्रा" का आयात किया है और उसका उपयोग किया है, इसके लिए कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया कि क्यों घरेलू उद्योग को जांचने के प्रयोजन से आयात का सहारा लेना पड़ा, जबकि वह स्वयं कैपरोलेक्टम का एक उत्पादक है, जो ईष्टतम क्षमता से अधिक क्षमता पर संयंत्र चला रहा है।

ट. केन्द्र सरकार ने हाल ही में वस्त्र उद्योग पर इस उद्देश्य से एक संरक्षणात्मक उपाय किया है ताकि चीन, कोरिया, ताइवान तथा थाइलैंड से नाइलोन मल्टीफिलामेंट यार्न पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए इस प्राधिकारी की सिफारिश को अधिसूचित न करके वस्त्र क्षेत्र को सहायता करके राहत प्रदान की जा सके।

ठ. हाल की बजट घोषणाओं में भी वस्त्र उद्योग के हित का संरक्षण करने की यह इच्छा दिखाई देती है। इस स्थिति में, कैपरोलेक्टम पर कोई पाटनरोधी शुल्क लगाना केन्द्र सरकार की वर्ष 2021-2022 के बजट में की गई घोषणा के प्रतिकूल होगा।

ड. कोरिया से आयातों को अन्य मूलता के देशों से आयातों के साथ नहीं मिलाया जाना चाहिए। उन्होंने अन्य संबद्ध देशों से आयातों और गैर-संबद्ध देशों से आयातों, दोनों के संबंध में पूरी तरह से भिन्न पद्धति का अनुसरण किया है।

ढ. प्रकटीकरण विवरण में क्षति मार्जिन प्रकटीकरण शामिल नहीं है। इससे यह क्षति के वास्तविक दायरे का आकलन करने में असमर्थ है कि घरेलू उद्योग क्षति से प्रभावित हुआ है।

ण. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मात्र यह कहा है कि “उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई वास्तविक बदलाव नहीं हुआ है” आवेदक के दोनों संयंत्रों में पुराने संयंत्र की क्षमता में कमी के संबंध में प्रदान की गई विस्तृत सूचना के आलोक में प्रदान की गई जांच अपर्याप्त है।

त. यह तथ्य कि घरेलू उद्योग ने बनावटी रूप से अधिक लागतों का सामना किया है, जिनके कारण उसे लाभ से वंचित होना पड़ा है, उसकी प्राधिकारी द्वारा जांच नहीं की गई है।

थ. नियोजित पूंजी के दोनों घटकों के संबंध में 22 प्रतिशत एकरूपता अपनाकर प्रतिफल की गणना पूरी तरह से गलत है और उसकी समीक्षा किए जाने की जरूरत है। बाद की स्थिति को देखते हुए यह अनुरोध किया जाता है कि 22 प्रतिशत आर ओ सी ई को लागू करके, डी जी टी आर घरेलू उद्योग को अनुचित संरक्षण प्रदान किया जा रहा है।

द. आवेदक द्वारा किए गए आयातों की मात्रा को प्रकट किया जाना चाहिए और यदि ऐसे आंकड़ों को छिपाया जाता है तो आवेदक के लिए कोई पूर्व-धारणा नहीं होगी।

ध. केन्द्र सरकार ने एनएफवाई और एन टी सी एफ पर पाटनरोधी शुल्क लगाने से इंकार किया है, जबकि इस प्राधिकारी द्वारा की गई एक सकारात्मक सिफारिश स्वयं ही इस बात का प्रमाण है कि केपरोलेक्टम पर कोई भी शुल्क आपूर्ति में प्रयोक्ताओं के हितों को काफी नुकसान पहुंचाएगा।

न. यहां तक कि यदि केपरोलेक्टम पर 5 प्रतिशत के पाटनरोधी शुल्क का अनुमान लगाया जाता है, तो यह चिप्स निर्माण के लिए 9 रु. प्रति कि. ग्रा. के करीब अतिरिक्त लागत हो जाएगी।

प. एन टी सी एफ के उत्पादक करीब 4000 मी. टन. प्रति माह तक अपनी क्षमताएं बढ़ा रहे हैं जिसके लिए प्रति माह 4000 केपरोलेक्टम की अतिरिक्त आवश्यकता होगी।

फ. नाइलोन चिप्स और एनटीसीएफ की क्षमताएं व्यर्थ होगी क्योंकि इन मदों के आयात सस्ते हो जाएंगे।

ब. जांच की अवधि में वैश्विक दुनिया में संबद्ध वस्तुओं की अधिक आपूर्ति थी। इसे 5 वर्षों के लिए शुल्क लगाने के एक आधार के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

भ. केपरोलेक्टम की कीमतों की रिकवरी जांच की अवधि के बाद की अवधि में पहले हो गई हैं और घरेलू उद्योग को किसी क्षति का सामना नहीं करना पड़ रहा है।

म. घरेलू उद्योग के परिणामों में कोविड-19 के कारण ही गिरावट आई है।

य. भारत में मांग और आपूर्ति का भारी अन्तराल है।

कक. इटोचु कार्प के लिए प्राधिकारी द्वारा लिया गया पहुंच मूल्य इसकी खरीद कीमत से कम है। अतः प्रतिवादी से अनुरोध किया जाता है कि वह सहयोगी उत्पादक कैप्रो कार्प के क्षति मार्जिन की गणना करने के लिए इटोचु कार्प के लिए पहुंच मूल्य की गणनाओं में संशोधन करे।

खख. ऊचा (यूसीएचए) का प्राधिकारी से अनुरोध है कि कृपया उत्पादन की लागत, कच्ची सामग्री की खपत, अन्य प्रमाणन व्ययों आदि जैसे प्रश्नावली फार्मेट में अपेक्षित सूचना की मांग न करे क्योंकि यह सूचना कारोबार संवेदनशीलता की प्रकृति की हैं।

गग. ऊचा (यूसीएचए) ने अब अपने अंतिम प्रयोक्ताओं को घरेलू बिक्रियों पर सूचना प्रदान की है।

घघ. प्राधिकारी से अनुरोध किया जाता है कि आवेदक के क्रेताओं के साथ संपर्क और उनके कीमत संबंधी फार्मूला की जांच करें। जब कीमतों पर मोल-भाव किया जा रहा हो, और फार्मूला के आधार पर तय की जा रही हो तो आयातों से कैसे आवेदक उद्योग पर प्रभाव पड़ सकता है।

## झ.2. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

102. घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटन विवरण के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

क. यदि प्रतिवादी उत्पादक रूस से है तो पाटन मार्जिन में काफी अन्तर है।



ख. जब रूस में दोनों उत्पादक समान घरेलू बाजार में प्रचालन कर रहे हैं तो उनकी घरेलू कीमतों में इतना अधिक अन्तर नहीं हो सकता। पीजेएससी कुइबाइशेव अजोट का सामान्य मूल्य कम बताया गया है।

ग. जेएससी “शेकिनोअजोट” रूस की सामान्य मूल्य की गणना करने में पैकिंग व्यय का समायोजन अनुपयुक्त है क्योंकि घरेलू बाजार में की गई बिक्रियों के लिए कोई द्वितीयक पैकिंग नहीं की गई है। पैकिंग व्यय के समायोजन की अनुमति केवल तभी दी जा सकती है, जब घरेलू बिक्री के लिए पैकिंग और निर्यात बिक्री भिन्न हो। इसकी पुष्टि पीजेएससी कुइबाइशेव अजोट के उत्तर से की जा सकती है। रूस और कैप्रो कार्पोरेशन, कोरिया गणराज्य का प्राधिकरण से अनुरोध है कि जब तक यह न्यायोचित नहीं हो, इसके समायोजन के दावे को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए।

घ. पीजेएससी कुइबाइशेव अजोट की निवल निर्यात कीमत की गणना में पीजेएससी कुइबाइशेव अजोट और जेएससी “शेकिनोअजोट”, स्वदेशी बीमा, बैंक प्रभारों, कमीशन और बंदरगाह तथा अन्य हैंडलिंग प्रभारों के लिए कोई समायोजन नहीं किया गया है। कैप्रो कार्प, कोरिया गणराज्य की निवल निर्यात कीमत में सभी व्ययों को समायोजित किया गया है। जब उनमें से सभी की बिक्री भारतीय क्रेताओं को सी आई एफ स्तर पर की गई है तो कारखाना बाह्य निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए विभिन्न निर्यातकों के लिए विभिन्न संदर्भों में व्यय के किसी भी स्पष्टीकरण का दावा नहीं किया गया है।

ड. फर्टिलाइजर्स एंड कैमिकल्स ट्रावनकोर लिमिटेड ने अपने 50,000 मी. टन संयंत्र के संबंध में उत्पादन के लिए प्रचालनों का परीक्षण कार्य पूरा कर लिया है और शीघ्र ही वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किए जाने की संभावना है। एफ ए सी टी ने विगत 2 वर्षों में रीस्टार्ट पर काफी व्यय किया है। भारतीय उत्पादक शुरुआत में मांग के महत्वपूर्ण अंश को पूरा करने में समर्थ होंगे और आयात पर निर्भरता से रोजगार अवसर प्रदान करने के साथ-साथ कमी आएगी।

च. क्षतिरहित कीमत की गणना के संबंध में पर्याप्त प्रकटीकरण के अभाव में, घरेलू उद्योग प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षतिरहित कीमत पर टिप्पणी करने में असमर्थ है।

छ. अन्तिम उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव बहुत ही न्यून है। नाइलोन फिलामेंट यार्न के उत्पादकों ने अन्तिम प्रयोक्ता पर केवल 2 प्रतिशत शुल्क के प्रभाव की मात्रा तय की थी। कैप्रोलेक्टम पर शुल्क का प्रभाव काफी कम होगा।

अंतिम उत्पाद	कीमत	केप्रोलेक्टम की खपत	भिन्नता	अंतिम उत्पाद पर प्रभाव
	रु./ कि. ग्रा.	रु./ कि. ग्रा.	रु./ कि. ग्रा.	%
साड़ी	160	0.06	9.71	0.37%
दुपट्टा/ स्टाल	70	0.04	9.71	0.49%
ट्रैस मैटिरियल	90	0.07	9.71	0.77%
स्विम वीयर, लिंगेरी	900	0.08	9.71	0.09%
शूटिंग एंड शर्टिंग	140	0.12	9.71	0.85%
स्टॉक/ बॉटम्स	60	0.02	9.71	0.33%
टी शर्ट/ टॉप्स	600	0.10	9.71	0.16%
स्वेटर	800	0.06	9.71	0.07%
इलास्टिक/ टेप	4	0.01	9.71	1.48%
क्रोशेट/ लेबल/ वेल्क्रो/ लेस	70	0.02	9.71	0.28%
रग्स, कार्पेट, पैकिंग	400	0.25	9.71	0.62%
ग्रेड, कॉस्मेटिक, फिश नेट	350	0.07	9.71	0.20%
ऑटोमोटिव बैकिंग, ग्लोव	600	0.04	9.71	0.07%
बोल्टिंग फिल्टर	70	0.07	9.71	0.92%

ज. अधिकांश एन टी सी एफ उत्पादक सामान्यतया अपने उत्पादों की बिक्री कैप्रो कीमतों से जोड़कर करते हैं और अपने उत्पादों में कीमत वृद्धि को अथवा कीमत में कमी को अन्तरित करते हैं, जैसा कि उनकी वार्षिक रिपोर्ट से स्पष्ट है। टायरों में एन टी सी एफ की लागत सामान्यता काफी कम होती है और एन टी सी एफ की लागत वृद्धि का प्रभाव टायर उद्योग पर न्यून है।

विवरण	खपत के कारक	कीमत रु./ कि. ग्रा.	प्रभाव
एन टी सी एफ में कैप्रो की खपत			4.11%
टायरों में एन टी सी एफ की खपत	0.004	200	0.02%
पाटनरोधी शुल्क के कारण कैप्रो कीमत में वृद्धि (यह मानकर कि घरेलू उद्योग अपनी कीमतों में पाटनरोधी शुल्क की मात्रा के अनुसार वृद्धि करता है)		9.71	

झ. लोक हित एक काफी व्यापक संदर्भ है और इसमें घरेलू उद्योग और अन्ततः व्यापक हित में जनता शामिल है।

ञ. पाटनरोधी शुल्क लगाना निश्चय ही घरेलू उद्योग के हित में होगा और इससे घरेलू उद्योग पाटित आयातों के साथ मुकाबला करने और उन्नति करने में समर्थ होगा। यह उपभोक्ता के हित में है कि उचित कीमत के आयातों के मुकाबले उत्पाद की आपूर्ति करने में घरेलू उद्योग प्रतिस्पर्धी रूप से सक्षम हो।

ट. उपभोक्ताओं की व्यवहार्यता सस्ती, अनुचित और पाटित कीमतों पर कच्ची सामग्री की प्राप्ति पर निर्भर नहीं हो सकती।

ठ. यूरोपीय संघ और थाइलैंड के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का प्रकटीकरण करने का अनुरोध किया जाता है।

### झ.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

103. यह देखा गया है कि प्रकटीकरण विवरण के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अधिकांश अनुरोध उनके पूर्व अनुरोधों की मात्रा पुनरावृत्ति है। प्राधिकारी ने प्रकटीकरण विवरण जारी करते समय अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की पहले ही जांच की है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा व्यक्त किए गए विचार, जो पहले किए गए अनुरोधों की मात्रा पुनरावृत्ति है, उन्हें पुनः नहीं दर्शाया जा रहा है। घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटीकरण विवरण पर किए गए अनुरोध, जिनकी प्राधिकारी द्वारा पहले जांच नहीं की गई, वे यहां शामिल किए जा रहे हैं।

104. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि नियम 2 (ख) के दायरे में घरेलू उद्योग की परिभाषा में यह प्रावधान है कि जब उत्पादक कथित पाटित वस्तुओं के निर्यातकों अथवा आयातकों से संबद्ध है, अथवा वे स्वयं उनके आयातक हैं, तो ऐसे मामले में 'घरेलू उद्योग' शब्द को शेष उत्पादकों के संदर्भ में माना जा सकता है। ऐसी स्थिति में, 'सकता' शब्द का जान-बूझकर प्रयोग करके जांच प्राधिकारी ने एक व्यक्तिगत मामले के तथ्यों का विश्लेषण करने के लिए विवेक के अधिकार का प्रयोग किया है और तदोपरान्त एक उत्पादक की अपात्रता पर निर्णय लिया है। घरेलू उद्योग की परिभाषा पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 4.1 के अनुसार है।

105. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा संदर्भित मामलों के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान मामले के तथ्य निम्नलिखित कारणों से उन मामलों के तथ्यों से भिन्न हैं :

क. कजारिया सिरामिक्स लिमिटेड को ग्लेज्ड अनग्लेज्ड पोर्सिलेन विट्रिफाइड टाइलों के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच में अपात्र माना गया था क्योंकि उसके द्वारा किए गए उत्पादन के संबंध में आयात काफी अधिक 15 प्रतिशत था। तथापि, वर्तमान मामले में, उत्पादन के संदर्भ में आयात 2 प्रतिशत से भी कम है।

ख. चीन जन. गण. से रबड़ कैमिकल्स पीएक्स-13 के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच में, लेक्सेस इंडिया प्रा. लि. को अपात्र माना गया था क्योंकि उसने विचाराधीन उत्पाद की काफी मात्रा का आयात किया था और कंपनी निर्यातक से संबद्ध है तथा वह स्वयं ही एक आयातक है। तथापि, वर्तमान मामले में, घरेलू उद्योग किसी आयातक या निर्यातक से संबद्ध नहीं है।

ग. सोडा ऐश के आयातों के संबंध में एक ऐसे संबद्ध देश में पाटनरोधी जांच में घरेलू उद्योग की संगत संख्या द्वारा महत्वपूर्ण मात्रा में निर्यात किया गया था, जो कि पाटन में शामिल था। अतः टाटा कैमिकल्स लि. को अपात्र समझा गया था।

घ. चीन जन. गण. से एल्यूमिनियम फॉयल के आयातों की पाटनरोधी जांच के संबंध में रविराज फॉयल्स लि. को अपात्र माना गया था क्योंकि उसने ऐसे आयात किए थे, जिन्हें बाद में घरेलू बाजार में बेचा गया और उससे अनुचित लाभ उठाया। उत्पादक ने किए गए आयातों का कोई कारण नहीं बताया था। इसके अलावा, यहां तक कि घरेलू बाजार में बेचे गए आयातों के लिए भी इसने पर्याप्त कारण नहीं बताए थे। तथापि, वर्तमान मामले में घरेलू उद्योग ने आयातों के कारण बताए हैं।

106. इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऐसे अनेक मामले हैं, जहां प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को अपात्र घरेलू उद्योग पाया है, यहां तक कि यदि उसने आयात किए हैं तब भी। तदनुसार, प्राधिकारी ने यह पाया है कि नियमावली के नियम 2 (ख) के तात्पर्य से आवेदक एक पात्र घरेलू उद्योग है।
107. रूस के उत्पादकों के सामान्य मूल्य में महत्वपूर्ण अन्तर होने के संबंध में अनुरोध के बारे में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उसने प्रतिवादी उत्पादकों द्वारा प्रदान की गई सूचना की पुष्टि की है और केवल विधिवत जांच के बाद और तालिका के सत्यापन के बाद सामान्य मूल्य की गणना के लिए सूचना पर विचार किया है।
108. इस अनुरोध पर कि कोरिया गणराज्य से आयातों को संचित नहीं किया जाना चाहिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चूंकि संचयन की स्थितियां पूरी हैं, अतः प्राधिकारी ने संचित आकलन किया है। इसके अलावा, यह दावा कि कोरिया से आयातों की प्रवृत्ति अन्य देश से आयातों की प्रवृत्ति से भिन्न है, गलत है, क्योंकि रूस को छोड़कर सभी संबद्ध देशों के आयातों में वृद्धि हुई है। यह तथ्य कि उपभोक्ताओं ने अपने आपूर्ति स्रोतों को बदल लिया है, यह दर्शाता है कि उनमें परस्पर प्रतिस्पर्धा है।
109. यूसीएचए कैमिकल्स की भागीदारी के संबंध में, यह देखा गया है कि उत्पादक ने व्यापार सूचना में निर्धारित अपेक्षाओं का पालन नहीं किया है। व्यापार सूचना में प्रदान की गई सूचना की जरूरत जैसे उत्पादक की लागत के लिए ओ सी टी जांच करनी अपेक्षित है। चूंकि सूचना प्रदान नहीं की गई है, अतः प्राधिकारी ने उसके द्वारा दायर उत्तर को अस्वीकार किया है और गैर प्रतिवादी उत्पादक माना।
110. वैश्विक अधिक्क्य आपूर्ति के अनुरोध के संबंध में, मांग और आपूर्ति अन्तराल, कुछ मामलों में केन्द्र सरकार द्वारा शुल्कों को न लगाए जाने से पहले ही प्राधिकारी द्वारा अंतिम जांच परिणाम में जांच की जा चुकी है।
111. कोविड-19 के प्रभाव के संबंध में अनुरोध पर घरेलू उद्योग समग्र जांच अवधि में प्रचालन कर रहा था। कोविड के कारण कोई ऐसा महत्वपूर्ण शटडाउन नहीं था, जिसके कारण घरेलू उद्योग को महत्वपूर्ण नुकसान हुआ हो। इसके अलावा, जांच की अवधि में औसत क्षमता उपयोग 100 प्रतिशत से अधिक था और उसके पास मांग को पूरा करने के लिए हमेशा ही मालसूची थी। अतः 12 माह की जांच की अवधि में इतनी कम अवधि का लॉकडाउन घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं डाल सकता।
112. डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेटों की कीमतें और संदर्भ के लिए प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग के बीच करार की जांच के लिए अनुरोध किए जाने के संबंध में, यह देखा गया है कि डिजिटल ऑफसेट प्रिंटिंग प्लेटों में घरेलू उद्योग द्वारा प्रयोक्ता एसोसिएशनों/ प्रयोक्ता उद्योग के साथ हस्ताक्षरित 'समझौता ज्ञापन' पाया गया था, जिससे अनुचित व्यापार के कारण क्षति की संभावना में कमी आई है। तथापि, वर्तमान मामले में, घरेलू उद्योग की कीमत व्यापार जर्नलों में सूचित कीमतों से जुड़ी है और व्यापार जर्नलों में सूचित कीमतें ऐसी कीमतें हैं, जिन पर विदेशी उत्पादक भारत को (और अन्य देशों को) निर्यात कर रहे हैं। जैसा कि प्रकटीकरण विवरण में पहले ही सूचित किया जा चुका है, व्यापार जर्नल में दर्शाई गई कीमतें ऐसी सी एफ आर कीमतें हैं, जिनमें कारण से अन्ततः आयातों की पहुंच कीमत है। इसके अलावा, इन कीमतों की विदेशी उत्पादकों की निर्यात कीमत और घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों के साथ तुलना यह दर्शाती है कि ये सभी मिलकर बदली हैं।
113. इस अनुरोध के संबंध में कि घरेलू उद्योग को नियमावली के तहत उच्च लागत के कारण क्षति का सामना करना पड़ा है, घरेलू उद्योग वर्तमान मामले में तत्काल बाद के वर्ष तक पर्याप्त लाभ अर्जित कर रहा था। यदि उसने उच्च लागतों का सामना किया होता हो उसने विगत वर्षों में भी क्षति का सामना किया होता। इसके अलावा, संबद्ध वस्तुओं के लिए सिफारिश किया गया पाटनरोधी शुल्क अधिकांशतः क्षति मार्जिन पर है और पाटन मार्जिन संबद्ध देशों से अधिक है। घरेलू उद्योग को कम संरक्षण मिल रहा है। हर हाल में प्राधिकारी को घरेलू उद्योग के लिए मौजूदा क्षति की जांच करनी अपेक्षित है। यदि घरेलू उद्योग निष्क्रिय स्थितियों में प्रचालन कर रहा था तो जांच पर विचार नहीं

करें। सेस्टेट द्वारा निम्नो जियोन कं. लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी और यूरोपीय संघ में अपील निकाय के बायोडीजल मामले में इसी आधार की पुष्टि की गई है।

114. जांच की अवधि के पश्चात की अवधि के बाद के आंकड़ों की जांच के मामले के संबंध में, जांच की अवधि के बाद की अवधि की जांच, निर्णायक समीक्षा जांच की तरह मूल जांच में नहीं की गई।
115. फाइब्रंट बी. वी. यूरोपीय संघ और केमोरोवो ज्वाइंट स्टॉक कंपनी अजोट, रूस के अनुरोध पर नई शिपर समीक्षा के लिए उन्हें पात्र मानने के लिए, हितबद्ध पक्षकार नियमावली के तहत एक नई शिपर समीक्षा के लिए आवेदन करने के लिए स्वतंत्र हैं।
116. सार्वजनिक हित के विरुद्ध शुल्कों को लगाने के अनुरोध के संबंध में, सार्वजनिक हित के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों की सभी चिंताओं की यहां जांच की गई है।
117. घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षतिरहित कीमत की गणना और तत्संबंधी प्रकटीकरण के संबंध में किए गए अनुरोध के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि क्षतिरहित कीमत का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार और प्राधिकारी की सतत प्रक्रिया के अनुसार किया गया है और उसे घरेलू उद्योग को प्रकट किया गया है।

## ख. लोक हित

118. प्राधिकारी ने यह विचार किया कि क्या पाटनरोधी शुल्कों को लगाना लोक हित के विरुद्ध होगा। विशेष रूप से प्राधिकारी ने आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों से विचार आमंत्रित करने के लिए राजपत्र अधिसूचना जारी की है। प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के संबंध में उनके प्रचालनों पर पाटनरोधी शुल्कों के संभव प्रभाव सहित संगत सूचना प्रदान करने के लिए उपभोक्ताओं के लिए एक प्रश्नावली भी निर्धारित की है। प्राधिकारी ने अन्य के साथ-साथ विभिन्न देशों से विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद की अन्तर परिवर्तनीयता, स्रोतों को बदलने के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता, उपभोक्ताओं पर पाटनरोधी शुल्कों के प्रभाव, ऐसे कारक, जिसमें पाटनरोधी शुल्कों को लगाने से उत्पन्न नई स्थिति के लिए समायोजन में तेजी आने अथवा विलंब होने की संभावना है, वर्तमान शुल्क लगाने के प्रभाव के संबंध में सूचना मांगी है।
119. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कुछ उपभोक्ताओं ने प्रश्नावली उत्तर दाखिल किए हैं। जांच की अवधि के दौरान उपभोक्ताओं द्वारा किए गए अनुरोधों को शामिल किया गया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इन हितबद्ध पक्षकारों ने पुष्टि किए जाने योग्य सूचना नहीं दर्शाई है कि पाटनरोधी शुल्कों को लगाने का इन उपभोक्ताओं अथवा व्यापक रूप से जनता पर महत्वपूर्ण प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। प्रयोक्ताओं ने यह दावा किया है कि नाइलोन चिप्स पर शुल्कों का प्रभाव 9 रु. प्रति कि. ग्रा. होगा। तथापि, इसके लिए कोई गणना प्रदान नहीं की गई है। सूचना के अभाव में, दावे को स्वीकार नहीं किया जा सकता। घरेलू उद्योग के अंतिम उत्पादों पर शुल्कों के प्रभाव के लिए मात्रात्मक सूचना प्रदान की है। यह देखा गया है कि उत्पाद पर शुल्कों का प्रभाव काफी कम है। जबकि एन टी सी टी के मामले में प्रभाव अधिक है, प्रयोक्ताओं ने स्वयं ही अपनी वार्षिक रिपोर्ट में यह कहा है कि प्रभाव को अंतिम उत्पाद पर अन्तरित किया गया है, एन टी सी एफ के अंतिम उत्पाद, जो कि टायर हैं, उस पर प्रभाव भी काफी कम पाया गया है।
120. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सामान्यतः पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रिया द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर करने के लिए है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति स्थापित हो सके, जो कि देश के सामान्य हित में है। वर्तमान मामले में घरेलू उद्योग नुकसान का सामना कर रहा है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन के कारण, घरेलू उद्योग नुकसान पर बिक्री करने के लिए मजबूर हो गया। पाटनरोधी शुल्क लगाने से आयातों का मुकाबला करने के लिए घरेलू उद्योग को एक समान भागीदारी का वातावरण मिलेगा।
121. यह भी माना गया है कि फटिलाजर्स एंड कैमिकल्स ट्रावनकोर लि. ने प्रचालनों का परीक्षण पूरा कर लिया है और शीघ्र ही वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करेगा। उत्पादक के पास 50,000 मी. टन का एक संयंत्र है और यह मांग व आपूर्ति के अन्तराल को दूर करने के लिए मांग के पर्याप्त हिस्से की पूर्ति कर पाएगा।

122. यह माना गया है कि शुल्क लगाने से, संबद्ध वस्तुओं का प्रयोग करके निर्मित उत्पाद के कीमत स्तर पर प्रभाव पड़ सकता है और परिणामस्वरूप इस उत्पाद की संगत प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव हो सकता है। तथापि, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा, पाटनरोधी उपाय से कम नहीं होगी। इसके प्रतिकूल, पाटनरोधी उपाय किए जाने से पाटन की प्रक्रियाओं से प्राप्त अनुचित लाभ को दूर किया जा सकेगा, घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट को रोका जा सकेगा और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प की उपलब्धता में मदद मिलेगी। शुल्कों से यह सुनिश्चित हो सकेगा कि घरेलू उद्योग बाजार में मुकाबला कर सकता है और प्रयोक्ताओं के लिए विकल्पों की व्यापक उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी, जो कि व्यापक रूप से लोक हित में होगा। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान की गई सूचना के अनुसार, अंतिम उत्पादों पर शुल्कों का प्रभाव न्यून है।
123. इस प्रकार से प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से यह व्यापक रूप से लोकहित के विरुद्ध नहीं होगा।

#### ट. निष्कर्ष

124. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच करने और उनमें उठाए गए मामलों तथा रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी का निष्कर्ष है कि :-
- क. आवेदक, नियमावली के नियम 2 (ख) के तात्पर्य से एक पात्र घरेलू उद्योग है। आवेदन में नियमावली के नियम 5 (3) के संदर्भ में आधार के मापदंड को पूरा किया गया है।
- ख. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है।
- ग. आवेदन में जांच शुरू करने के प्रयोजन के लिए संगत समस्त सूचना शामिल है और साथ ही वर्तमान जांच शुरू करने को न्यायोचित ठहराने के लिए साक्ष्य भी शामिल हैं।
- घ. संबद्ध वस्तुओं के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करके संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के लिए पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है और मार्जिन सकारात्मक तथा महत्वपूर्ण है।
- ड. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित को देखते हुए पर्याप्त क्षति का सामना किया है :-
- i. संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में समग्र और संगत सन्दर्भ, दोनों की दृष्टि से वृद्धि हुई है।
- ii. जबकि घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्रियों में गिरावट आई है, घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में लाभों, नकदी लाभों और नियोजित पूंजी पर प्रतिफल के संबंध में काफी गिरावट आई है। घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि में वित्तीय हानियों, नकदी हानियों और निवेशों पर नकारात्मक प्रतिफल का सामना किया है।
- iii. क्षति मार्जिन सकारात्मक तथा महत्वपूर्ण है।
- च. कोई अन्य ऐसे कारक नहीं हैं, जिनसे कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।
- छ. घरेलू उद्योग को हुई महत्वपूर्ण क्षति पाटित आयातों के कारण से है।
- ज. शुल्कों की सिफारिश व्यापक रूप से लोक हित के विरुद्ध नहीं होगी।

#### ठ. सिफारिश

125. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित कर दिया गया था तथा घरेलू उद्योग, उत्पादकों, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सूचना प्रदान करने के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था।
126. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी कमतर पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग की क्षति को दूर किया जा सके। अतः प्राधिकारी, केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से संबद्ध देशों की मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम 3 में उल्लिखित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर, संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने की सिफारिश करते हैं :

## शुल्क तालिका

क्र. सं.	शीर्ष/ उप शीर्ष	वस्तुओं का विवरण	मूलता का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	29337100	केप्रोलेक्टम	रूस	रूस सहित अन्य कोई देश	जेएससी शेचेकिनोआजोट	111.76	मी. टन	यूएस डॉलर
2	-वही-	-वही-	रूस	रूस सहित अन्य कोई देश	पीजेएससी कुडवाइशेव अजोट	67.79	मी. टन	यूएस डॉलर
3	-वही-	-वही-	रूस	रूस सहित कोई अन्य देश	क्रम.सं. 1 और 2 के अलावा कोई अन्य	560.82	मी. टन	यूएस डॉलर
4	-वही-	-वही-	रूस के अलावा कोई अन्य देश	रूस	कोई	560.82	मी. टन	यूएस डॉलर
5	-वही-	-वही-	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित कोई अन्य देश	कैप्रो कारपोरेशन	67.78	मी. टन	यूएस डॉलर
6	-वही-	-वही-	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित कोई अन्य देश	क्र. सं. 5 के अलावा कोई अन्य	283.85	मी. टन	यूएस डॉलर
7	-वही-	-वही-	रूस के अलावा कोई अन्य देश	कोरिया गणराज्य	कोई	283.85	मी. टन	यूएस डॉलर
8	-वही-	-वही-	यूरोपीय संघ	यूरोपीय संघ सहित कोई अन्य देश	कोई	132.13	मी. टन	यूएस डॉलर
9	-वही-	-वही-	यूरोपीय संघ के अलावा कोई अन्य देश	यूरोपीय संघ	कोई	132.13	मी. टन	यूएस डॉलर
10	-वही-	-वही-	थाइलैंड	थाइलैंड सहित कोई अन्य देश	कोई	135.55	मी. टन	यूएस डॉलर
11	-वही-	-वही-	थाइलैंड के अलावा कोई अन्य देश	थाइलैंड	कोई	135.55	मी. टन	यूएस डॉलर

**नोट –** उपरोक्त सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और पाटन रोधी शुल्क का निर्धारण विचाराधीन उत्पाद के विवरण के अनुसार होगा। उपरोक्त विचाराधीन उत्पाद, यदि किसी अन्य एचएस कोड के तहत आयात किया जाता है तो उपरोक्त विचाराधीन उत्पाद उपरोक्त पाटन रोधी शुल्क के अध्याधीन होना चाहिए।

**ड. आगे की प्रक्रिया:**

127. इन निष्कर्षों से उत्पन्न होने वाले केंद्र सरकार के आदेश के खिलाफ अपील उपयुक्त मंच के समक्ष होगी।

अनंत स्वरूप, निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**  
**(Department of Commerce)**  
**(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)**  
**FINAL FINDING**  
**NOTIFICATION**

New Delhi, the 27th September, 2021

**(Case No. AD-OI 34/2020)**

**Subject : Final finding in the anti-dumping investigation concerning imports of “Caprolactam” originating in or exported from European Union, Korea RP, Russia and Thailand-reg.**

**F. No. 6/39/2020-DGTR.**—Having regard to the Customs Tariff Act 1975, as amended from time to time and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time thereof: -

**A. BACKGROUND OF THE CASE**

1. Gujarat State Fertilizers and Chemicals Limited (hereinafter also referred to as the 'applicant' or the 'petitioner' or the 'domestic industry') filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as "the Authority") in accordance with Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the "Act") and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Antidumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter also referred to as the "Rules") for initiation of anti-dumping investigation concerning imports of "Caprolactam" (hereinafter referred to as the "subject goods" or the "product under consideration" or the "PUC") originating in or exported from European Union, Korea RP, Russia and Thailand (hereinafter referred to as "subject countries")
2. The Authority, on the basis of prima facie evidence submitted by the applicant, issued a public notice vide Notification No. (OI) 34/2020 - DGTR dated 30<sup>th</sup> September, 2020 in the Gazette of India Extraordinary, initiating the investigation in accordance with Section 9A of the Act read with Rule 5 of the Rules to determine existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries and to recommend the amount of anti-dumping duty, which if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

**B. PROCEDURE**

3. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
  - a. The Authority, in accordance with Rule 6(1) of the AD Rules, issued a Notification No. 6/39/2020-DGTR dated 30<sup>th</sup> September 2020, published in the Gazette of India Extraordinary, initiating investigation concerning imports of the subject goods from the subject countries.
  - b. The Authority sent a copy of the initiation notification to the Embassies of the subject countries in India, known producers/exporters from the subject countries, known importers/users and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 30 days of the initiation notification in accordance with Rule 6(2) of the AD Rules. The time limit to file information was extended first up to 4<sup>th</sup> December, 2021 and thereafter a final extension was granted by the Authority up to 18<sup>th</sup> December, 2021.
  - c. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters, known importers and to the Embassies of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the AD Rules.
  - d. The Embassies of the subject countries in India were also requested to advise the exporters/producers from the subject countries to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from the subject countries.

- e. The Authority sent exporter's questionnaire to the following known producers/ exporters in the subject countries, whose details were made available by the applicant, to elicit relevant information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
- i. Grodno Khimvolokno, Belarus
  - ii. DSM Fibre Intermediates, Netherlands
  - iii. Domo Caproleuna, Germany
  - iv. Fibrant Pure Chemistry, Netherlands
  - v. BASF Antwerpen N.V., Belgium
  - vi. Zakłady Azotowe "Pulawy" S.A, Poland
  - vii. Spolana, Czech Republic
  - viii. ZA w Tarnowie-Mościcach S.A., Poland
  - ix. Azot Kemerovo, Russia.
  - x. Open JSC Shchekinoazot Russia
  - xi. Avestra Chemical (Suisse) SA, Switzerland
  - xii. Millman Limited, United Kingdom
  - xiii. Optima Chemical Ltd-United Kingdom
  - xiv. BASF Belgium SA, Ludwigshafen, Germany
  - xv. Capro Corporation, Korea RP
  - xvi. KuibyshevAzot, Russia
  - xvii. Thai Caprolactam Public Company Limited, Thailand
  - xviii. UBE Chemicals (Asia) Public Co., Ltd., (UCHA), Thailand.
- f. The following producers/exporters filed questionnaire response: -
- i. Open Joint Stock Company "Shchekinoazot", Russia
  - ii. Avestra Chemical (Suisse) SA, Switzerland
  - iii. Optima Chemical Ltd., United Kingdom
  - iv. Millman Limited, United Kingdom
  - v. Capro Corporation, Korea RP
  - vi. Hyosung TNC Corporation, Exporter, Korea RP
  - vii. PJSC KuibyshevAzot, Russia
  - viii. CPH Chemicals BV, Netherlands
  - ix. Itochu Corporation, Japan
  - x. UBE Chemicals (Asia) Public Company Limited.
- g. Kemrovo Joint-Stock Company Azot, Russia and Fibrant BV, European Union has not filed any questionnaire response, however, they have filed post oral hearing submissions.
- h. The Authority forwarded a copy of the Initiation Notification to the following known importers/users/user Associations, whose names and addresses were made available to the Authority, of the subject goods in India and advised them to make their views known in writing within the time limit prescribed by the Authority in accordance with the Rule 6(4):
- i. Century Enka Limited
  - ii. Gujarat Polyfilms Private Limited
  - iii. Modipon Limited
  - iv. SRF Limited



- v. NRC Limited
- vi. Madura Industrial Textiles Limited
- vii. Nirlon Limited
- viii. JCT Limited
- ix. Star Filaments Corporation
- x. Merck Life Science Private Limited.
- i. The following importer/users filed questionnaire response: -
  - i. Century Enka Limited
  - ii. Gujarat Polyfilms Private Limited
  - iii. SRF Limited
  - iv. JCT Limited
  - v. Madura Industrial Textiles Limited.
- j. Association of Synthetic Fibre Industry and Nylon Spinners Association has also participated in the present investigation and has filed submissions.
- k. BASF SE-Germany responded to the initiation notification but have not filed any questionnaires/submissions thereafter.
- l. Exporters, foreigner producers and other interested parties who have not responded to the Authority, or not supplied information relevant to this investigation, are being treated as non-cooperating interested parties and the determination made on the basis of facts available.
- m. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by the various interested parties. A list of all the interested parties was uploaded on DGTR's website along with the request therein to all of them to email the non-confidential version of their submissions to all other interested parties since the public file was not accessible physically due to the restrictions on physical movements owing to ongoing global Covid-19 pandemic.
- n. The information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to the sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to the other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- o. The interested parties were asked to share the non-confidential version of the responses, submissions and evidence presented by them with the other interested parties.
- p. The period of investigation for the purpose of the present investigation has been considered from April, 2019 to March, 2020 (POI). The injury investigation period has been considered as the period from April, 2016 to March, 2017, April, 2017 to March, 2018 and April, 2018 to March, 2019 and the period of investigation.
- q. Additional/supplementary information was sought from the applicant and the other interested parties to the extent deemed necessary. Verification of the data provided by the domestic industry and the foreign producers was conducted to the extent considered necessary for the purpose of the present investigation.
- r. The Non-injurious Price (NIP) is based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the AD Rules. It has been worked out so as to ascertain whether duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- s. Information obtained from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) on transaction-wise import data for the past three years and the period of

investigation has been adopted for determination of volume and value of imports of the product concerned in India.

- t. In accordance with Rule 6(6) of the Rules, the Authority provided an opportunity to all the interested parties to present their views orally in the oral hearing held on 3<sup>rd</sup> March, 2021 which was attended by various parties. The oral hearing was held through video conferencing in view of the special circumstances arising out of the COVID- 19 pandemic. All the parties who presented their views in the oral hearing were requested to file written submissions of these views, in order to enable the opposing interested parties to file rejoinders thereafter.
- u. A disclosure statement containing the essential facts in this investigation which would have been formed the basis of the final findings was issued to the interested parties on 03.09.2021 and the interested parties were allowed time upto 09.09.2021 to comment on the same. The comments on the disclosure statement received from the interested parties have been considered, to the extent found relevant, in this final findings notification.
- v. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation, wherever found relevant, have been addressed by the Authority, in this final finding.
- w. Wherever an interested party has refused access to or has otherwise not provided the necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded this final finding on the basis of the facts available.
- x. \*\*\* in this final finding represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- y. The exchange rate adopted by the Authority during the POI for the subject investigations is 1 US\$= Rs. 71.65.

### C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

4. The product under consideration was defined at the time of initiation of the investigation as under: -

*“3. The product under consideration in the present application is Caprolactam which is a monomer and a base material for production of Nylon-6. Caprolactam is produced and sold in both liquid and solid forms.*

*4. The product under consideration is classified under chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975 under the tariff heading 29337100. The custom classification is indicative only and not binding on the scope of the investigation.”*

#### C.1 Submissions of the other interested parties

5. The other interested parties have not made any submissions with regard to the product under consideration and like article.

#### C.2 Submissions of the domestic industry

6. The domestic industry has submitted as follows with regard to the product under consideration and like article:

- i. Caprolactam is produced and sold in both liquid and solid forms. Except for the physical difference, there is no difference in both the forms.
- ii. The domestic industry is producing a like article to the product under consideration.

#### C.3 Examination by the Authority

7. No opposing interested party has made any submission with regard to the product under consideration. The Authority has considered the product under consideration as under: -

*“3. The product under consideration in the present application is Caprolactam which is a monomer and a base material for production of Nylon-6. Caprolactam is produced and sold in both liquid and solid forms.*

*4. The product under consideration is classified under chapter 29 of the Customs Tariff Act, 1975 under the tariff heading 29337100. The custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigation."*

8. It is seen from the information on record that the subject goods produced by the domestic industry are like article to the product under consideration imported from the subject countries. The subject goods produced by the domestic industry and the product under consideration imported from the subject countries are comparable in terms of physical & chemical properties, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The end product has comparable specifications and is used interchangeably. It is further noted that the imported and the domestically sold products are technically and commercially substitutable, and the consumers are using the two interchangeably.

#### **D. DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING**

9. Rule 2(b) of the AD rules defines domestic industry as under:

*"(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term, 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers."*

##### **D.1 Submissions of the other interested parties**

10. The following submissions have been made by other interested parties with regard to the standing and scope of the domestic industry:
- The applicant is a regular importer of the subject goods from Thailand and Korea RP.
  - The applicant has agreement with sellers in these countries and imported the subject goods for commercial use as it was already operating at 120% capacity utilization.
  - The applicant had high-seas sales agreement with one of the users during the injury period and was involved in purchase and sale of huge commercial quantity. The applicant's name would not appear as importer on record in respect of these transactions.
  - It is further submitted by the interested parties that the sole reason for imports from Thailand was to bring Thailand into the purview of the subject countries. Therefore, to discourage this practice, applicant should not be considered as the domestic industry.
  - Share of imports by the applicant should be considered in relation to volume and value of the subject imports from Korea and Thailand.
  - Eligibility of the domestic industry is required to be determined by the same approach as was applied in Soda Ash.
  - The applicant has not provided any plausible reasons for importing the product from two subject countries and in the absence of a reason, such as to test the market, etc., any subject import made should render it as ineligible to be considered as the domestic industry.

##### **D.2 Submissions of the domestic industry**

11. The following submissions have been made by the domestic industry with regard to the standing and scope of the domestic industry: -
- There is one more producer of the subject goods in India but it has not produced the subject goods in commercial quantity across the injury period.
  - The applicant is the sole existing producer of the subject goods in India.
  - The applicant is not related to any exporter in the subject countries or any importer in India.
  - Responding to the submissions made by the interested parties, the domestic industry makes the following submissions:

- i. The applicant has imported small volume of product under consideration in the period of investigation.
- ii. The applicant is not a regular importer of the subject goods and is not importing for commercial uses. The applicant has only acted as a facilitator for these transactions.
- iii. Discretion lies with the Authority to decide whether to treat the applicant as the eligible domestic industry. Rules do not debar producer from filing application merely because it had relied on the imports.
- iv. The Authority has in a number of cases in the past held the applicant producer as an eligible domestic industry even though it had made imports in the period of investigation from the subject countries.
- v. Imports made by the domestic industry cannot be compared with the volume of exports from the country concerned. Comparison of imports made by the domestic industry with the country of import would defeat the purpose of cumulative analysis.
- vi. With respect to imports by the applicant, the facts of anti-dumping investigation concerning imports of Soda Ash from Turkey and United States of America are completely different from the present investigation. In that investigation, other producers did not participate and it was found that their affiliates were exporting significant volumes to India. Therefore, the issue was non-participation by other producers and comparison with total exports from the United States. The issue in the present case is rejection of domestic producer as domestic industry because of imports made by it.
- vii. The Authority in cases such as sunset review of Phthalic Anhydride from Korea RP, Taiwan and Israel and anti-dumping investigation of Methyl Ethyl Ketone from China PR, Japan, South Africa and Taiwan compared imports made by the domestic industry with the total imports into India.

### D.3 Examination by the Authority

12. The present application has been filed by Gujarat State Fertilizers and Chemicals Limited (GSFC).
13. There is another producer in India, namely, Fertilizers and Chemicals Travancore Limited (FACT). However, from the information on record, it is noted that the other producer has not undertaken commercial production during the injury period. The production of the applicant accounts for the entire production in India during the period of investigation.
14. It is also noted that the applicant has imported \*\*\* MT of the subject goods from Thailand which is approximately \*\*\*% of the total imports from Thailand, and was sold by it in high seas sale to another party. The applicant has also imported \*\*\* MT of subject goods from Korea RP which is approximately \*\*\*% of the total imports from Korea which was consumed by it for production of Nylon 6. The imports made by the domestic industry have been compared with the cumulative imports from all the subject countries, production of the domestic industry and the Indian consumption. It is seen that the imports made by the applicant are insignificant in relation to total imports, applicant's own production and Indian consumption.

S.No.	Particulars	UOM	Total	Thailand	Korea
1	Import volume	MT	***	***	***
	Importer on record			***	***
	Use			***	***
2	Imports by applicant in relation to (%)				
A	Production	%	***	***	***
	Trend	%	0-5%	0-5%	0-5%
B	Consumption	%	***	***	***
	Trend	%	0-5%	0-5%	0-5%
C	Imports from subject countries	%	***	***	***
	Trend	%	0-5%	0-5%	0-5%

D	Imports from particular Country	%	-	***	***
	Trend	%		20-25%	0-5%
E	Imports from all countries	%	***	***	***
	Trend	%	0-5%	0-5%	0-5%

15. As far as high-seas imports are considered, the Authority considered in the matter of imports of anti-dumping investigation concerning imports of Melamine from European Union, Iran, Indonesia and Japan for the same applicant company that they did not file bill of entries for home consumption and were only acting as facilitator. The Authority considered that even though it had imported and sold subject goods, the focus of the applicant company has not turned to imports and the company is not behaving like an importer-trader. The focus of the company continued to be that of a producer and carry on with its own production. Further, the Authority ascertained profits earned by the domestic industry in the present high seas imports. It is seen that whereas the weighted average import price was Rs. \*\*\* these products were sold at a price of Rs\*\*\*. It is thus seen that the company has not earned significant profits from these imports. The Authority notes that this small volume of imports facilitated by the domestic industry should not disentitle it from seeking protection as domestic industry under the law.
16. As far as imports made and consumed by the company from Korea RP are considered, the domestic industry submitted that it had imported small volume of Caprolactam for production of Nylon – 6 for testing purpose. It is seen that the volume of imports made by the domestic industry for captive consumption is \*\*\*% of the total demand in India. The Authority, therefore, notes that the imports made by the domestic industry are insignificant to warrant its treatment as ineligible domestic industry.
17. The Authority holds that the applicant is an eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the Rules. The application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3) of the Rules.

## **E. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS**

### **E.1 Submissions of other interested parties**

18. The other interested parties have made the following miscellaneous submissions: -
- The applicant has claimed excess confidentiality and has not followed requirement of disclosure as prescribed by the trade notice with respect to funds raised, R&D expenses, average industry norms for productivity per day and import quantity and value by the applicant.
  - The applicant has failed to disclose the information in accordance with the trade notice no.10/2018. The applicant has not furnished any information in response to Section VI.
  - The applicant has not disclosed the most critical and crucial fact pertaining to its pricing arrangement with the Indian buyers, wherein, GSFC has fixed quantity and pricing agreements with their buyers. Such a vital fact ought to have been clearly brought out in the application with a meaningful summary in the non-confidential version.
  - The Authority had initiated investigation without fulfilling pre-conditions of initiation stipulated in Article 5.3 of the Anti-dumping Agreement and Rule 5 of the Anti-dumping Rules and there is error in initiating the investigation.
  - There is a demand and supply gap in the country which makes the imports necessary.
  - It is unlikely that M/s Fertilizers and Chemicals Travancore Limited can restart and supply the 50 KTA capacities since it is unviable due to high and unworkable costs. The users will be forced to import.
  - In the anti-dumping investigation concerning imports of newsprint, the Authority excluded a particular product from the scope of levy of anti-dumping duty on the ground that the domestic industry was not able to adequately cater to the demand for the product. The Authority's decision was made keeping in mind the need to balance user interests.
  - Imposing anti-dumping duty will not only strengthen the monopolistic position of the applicant but also adversely affect the availability of Caprolactam in India.

- i. The applicant has deliberately and wilfully mis-declared itself to be a public sector company, which is utterly false and contrary to the Government records, to create a bias in mind of the Authority. Even the shareholding of the applicant suggests that it is not a public sector enterprise as around 62% of the shares are with the public.
- j. The applicant has categorized certain transactions of import as Non-PUC without stating how those transactions were with abnormal quantities or prices.
- k. MOF has not imposed anti-dumping duty on the imports of NFY on the ground that it is a key textile raw material for user industry in India which mostly has MSME players. Anti-dumping duty was also withdrawn from NTCF imported from China PR by the MOF.
- l. The central government has recently taken a protectionary stance on the textile industry as the rate of custom duty on imports of the subject goods was reduced to 5%.
- m. Fishnets used for fishing are also made of Nylon yarn and any increase in the cost of Caprolactam will lead to increase in fishnet prices and additional burden on the fishing community.
- n. Kemrovo Joint-Stock Company Azot has stated that it has neither exported the subject goods to India during the period of investigation nor is related to any of the exporters or producers in the subject countries and, therefore, eligible to file a New Shipper Review.
- o. The applicant's claim that Itochu Corporation has not complied with confidentiality norms is incorrect. Since the respondent is not a producer, parameters for which the applicant has cited unavailability of data are not applicable to it.
- p. Itochu has been incorrectly identified as exporting from Thailand, whereas it is incorporated in and exporting from Japan. Due to this error, the applicant has incorrectly presented the data for prices of imports of Caprolactam from Thailand, which do not relate to Itochu at all.

## **E.2 Submissions of the domestic industry**

19. The following miscellaneous submissions have been made by the domestic industry: -
- a. The objective of the anti-dumping duty is to address unfair price discrimination by foreign producers which is injurious to the industry in India. The domestic industry in the present case is suffering losses due to discriminatory pricing followed by producers in the subject countries.
  - b. Merely because duties were not imposed by the Ministry of Finance in some other products, it does not imply that the duties should not be imposed on the present product as well.
  - c. Plea for non-recommendation of duties cannot be taken on the ground that the textile industry is being protected by the Indian Government. Users should establish how imposition of duties will adversely affect them.
  - d. In several cases involving products in the textile chain such as Viscose Spun Yarn and Nylon Tyre Cord Fabric, the Authority has recommended duties after examination of public interest. Anti-dumping investigations have been initiated for Polyester Spun Yarn and Viscose Staple Fibre from China PR and Indonesia.
  - e. The domestic industry in the anti-dumping investigation of NFY, which is the user industry in the current investigation, had quantified impact of anti-dumping duties on the end product as hardly 2% and claimed that duties will not be against public interest. When they had themselves claimed that impact of duties is minimal, they cannot claim in current investigation that duties will be against the public interest.
  - f. Reference to the newsprint investigation is misstated as the Authority in that investigation excluded a particular product from the scope of the product under consideration because the domestic industry was not manufacturing it in an appreciable volume. The applicant is capable of producing the article required by the users.
  - g. Fertilizers and Chemicals Travancore Limited has successfully completed trial run of operations and is expected to begin commercial production soon. Once the commercial production commences, Indian producers will be capable to cater a significant share of demand and the import dependency will be reduced.

- h. All the economic parameters considered by the Authority for arriving at the determination of injury have been provided in compliance with the trade notice. The respondents should first establish what prejudice has been caused by non-disclosure of factors such as R&D expenses, funds raised and average industry norms, when these are not going to form a basis for determination.
- i. The product excluded on the basis of abnormal prices are majorly sample items which have been traded through airways. Commercial trading of the goods happens only through the ships. This fact is well known to the interested parties.

### E.3 Examination by the Authority

- 20. The Authority notes that the current investigation was initiated on the basis of sufficient prima facie evidence submitted by the applicant. Therefore, the claim that the application does not satisfy the requirement of the law is incorrect.
- 21. The Authority made available non-confidential version of the information provided by various interested parties to all the interested parties as per Rule 6(7).
- 22. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of the Anti-dumping Rules provides as follows:
 

*“Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.*

*(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.*

*(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.”*
- 23. A list of all interested parties was uploaded on DGTR’s website along with the request therein to all of them to email the non-confidential version of their submissions to all the other interested parties since the public file was not accessible physically due to the ongoing Covid-19 pandemic.
- 24. Submissions made by the domestic industry and other interested parties with regard to confidentiality, to the extent considered relevant, were examined by the Authority and addressed accordingly. The Authority notes that the information provided by all the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to the other interested parties. All the interested parties have claimed their business-related sensitive information as confidential and provided non-confidential version of all the information that is relevant for the purpose of the present investigation.
- 25. As regards the submission that the applicant has not disclosed the fact pertaining to its pricing arrangement with the Indian buyers, the Authority notes that the company has provided information in the form and manner prescribed. This included information on the selling price of the domestic industry over the injury period, and month wise breakdown of the same for the period of investigation. The Authority has examined the movements in the selling price of the domestic industry and the import prices and have found that the selling price of the domestic industry has moved in tandem with the imports. Further, as noted, the domestic industry has given non-confidential version of its application and the same has been made available to the interested parties.
- 26. It has been contended by the other interested parties that the recommendation of duties will be against the interest of the textile industry which is being protected by the Central Government. The

Authority has considered all the facts and information on record. Any duty, if recommended, will be after considering the interests of all the interested parties. It is noted that on anti-dumping duties are recommended against unfair trade practice of dumping which has caused injury to the domestic industry. Anti-dumping duty does not grant any protection. It only leads to a level playing field. It does not prevent fair competition in the market. The users have not provided any evidence to show that duties will be against public interest but have merely relied on non-imposition of duties in some cases by the Central Government. If the domestic industry is wiped out, it is ultimately the user industry which will suffer.

27. The users have submitted that imports have happened due to demand and supply gap. The Authority considers that, as held by the Hon'ble CESTAT in the matter of DSM Idemitsu Limited vs Designated Authority and thereafter in a number of other appeals, demand-supply gap in the country does not bar a domestic industry from seeking redressal from dumped imports and does not justify dumping. Foreign producers can always meet the Indian demand by selling the product at undumped prices. Even after the imposition of antidumping duty, the imports are not restricted in the country. The users are free to import the goods at fair price.
28. On the submission that FACT is currently not producing the subject goods, the Authority notes that the interested parties have not contended that FACT has discarded its production facilities. While company may not have commenced commercial production, the company continues to hold production facilities. Further, the interested parties have also contended that there exists a demand and supply gap in the country. It is all the more important and necessary to provide level playing field to such a company. Permitting persistent dumping in such situation would rather lead to further sickening of the production facilities.
29. The Authority notes that the objective of the present investigation is not examination of whether the exporter is eligible for new shipper review. The exporter is free to lodge its claim in accordance with the law in the event of imposition of duty and seek individual dumping margin.
30. On the submission of the interested parties on exclusion of certain transactions from the DGCIS import listing on the basis of 'abnormal' quantities or prices, the Authority has examined the DGCIS transaction wise data. It is seen that the domestic industry had over the injury period identified \*\*\*MT of imports as abnormal PUC since the prices of these imports were very high and were abnormal. Further, certain transactions wherein no quantity was reported or materials which were imported by air have been considered Non-PUC by the domestic industry. It is seen that the total quantity of such transactions over the injury period is not even \*\*\*MT.
31. On the submission of the other interested parties regarding domestic industry mis-declaring itself as a public sector company, the Authority notes that the status of the domestic industry on this account is entirely irrelevant to the present determination. Further, as per the information available on record, it is seen that 39% of shareholding in GSFC is held by the Government and the Govt. of Gujarat appoints Chairman and Managing Director in the company.
32. On the exclusion of a particular product in the anti-dumping investigation of Newsprint, the Authority notes that the product was excluded in that investigation considering the facts of that case. The domestic industry in the present case is capable of producing the goods required by the users.

#### **F. DETERMINATION OF NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN.**

##### **Normal Value**

33. Under Section 9A (1)(c) of the Act, the normal value in relation to an article means:
  - i. *the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting countries or territory as determined in accordance both the rules made under sub-section (6); or*
  - ii. *When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting countries or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting countries or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-*



- a. *comparable representative price of the like article when exported from the exporting countries or territory or an appropriate third countries as determined in accordance with the rules made under sub-section (6): or*
- b. *the cost of production of the said article in the countries of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):*

*Provided that in the case of import of the article from a countries other than the countries of origin and where the article has been merely transhipped through the countries of export or such article is not produced in the countries of export or there is no comparable price in the countries of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the countries of origin.*

### **F.1 Submissions of the other interested parties**

34. The submissions made by the other interested parties with regard to normal value, export price and dumping margin are as follows: -
- a. The applicant has claimed single normal value for all the subject countries. This is erroneous as costs in the four countries would be reflective of different dynamics and constructed normal value cannot be determined based on same cost inputs, conversion costs and profit margin.
  - b. GSFC, with a firm pricing formula in place, determines market prices in India which are required to be followed by the exporters as well.
  - c. The applicant has stated that there is significant variation in the export price from the subject countries to different countries and these do not appear to be in the ordinary course of trade being loss making sales. However, the applicant has made a hollow claim without any supporting evidence.
  - d. The contention that information regarding prices in the subject countries is not available in public domain is incorrect as ICIS and Technon publish prices on regular basis.
  - e. All Caprolactam imports in India are based on internationally published prices. In the case of GSFC, their pricing is import parity price in which they add import duty to prices published in Tecnon.
  - f. Just like crude, Caprolactam is an internationally traded commodity with transparent pricing and, therefore, dumping in such a product is not possible.

### **F.2 Submissions of the domestic industry**

35. The submissions made by the domestic industry with regard to normal value, export price and dumping margin are as follows: -
- a. Price lists or commercial invoices for sales in the local market are commercially sensitive information and, therefore, not available in the public domain.
  - b. The applicant does not have access to any reports for prices available in the subject countries on which it could rely for determining the normal value.
  - c. There is significant variation in export prices from the subject countries to different countries and these do not appear in the ordinary course of trade, being loss making sales.
  - d. Only option with the domestic industry is to construct the normal value on the basis of the estimates of the cost of production.
  - e. In case of Capro Corporation, the trend in export price to India is totally different from the trend of other subject countries. Domestic price does not appear to move in tandem with the global price trend. Evidently, there is a particular market situation in Korea RP. Similar trends can be seen in the response of JSC Shchekinoazot and Itochu Corporation.
  - f. In the case of Hyosung TNC Corporation, the exporter has not provided the data for the injury period notified in the questionnaire response. Further, the figures for the period of investigation and 2019 are the same and the domestic price information has not been provided. Optima Chemical Ltd. has also not provided information regarding domestic prices.

- g. On the submission of single individual normal value, the applicant did not have access to raw material prices of Benzene, Hydroxylamine Sulphate and Oleum prevailing in the individual subject countries and conversion costs of the producers in the subject countries. Therefore, it was not possible for the applicant to ascertain cost on the basis of actual data. Consideration of global average prices has ensured that the raw material prices are free from any distortion.
- h. On the submission of other interested parties that export price to third countries could have been considered for normal value, it should be first established that exports to third countries are representative of normal value. On comparison of exports to third countries with basis of estimated cost of production, the exports to the third countries are below the cost of production. Even third country prices should pass OCT test.

### **F.3 Examination by the Authority**

36. The Authority notes that at the time of the initiation of the investigation against the subject countries, the transaction wise data of domestic sales in the subject countries was not available in the public domain and also there was price variation in the export prices from the subject countries. Therefore, at the time of the initiation, the normal value had been constructed on the basis of the cost of the domestic industry, duly adjusted. However, now since the response/data has been received from the producers/exporters subject countries, the domestic sales data of the responding producers/exporters has been considered to determine the normal value for them. The Authority had sent questionnaires to the known producers/exporters from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed by the Authority. The following producers from the subject countries have filed questionnaire response along with their exporters: -
- a. Open Joint Stock Company “Shchekinoazot”, the producer from Russia, along with the exporters Avestra Chemical (Suisse) SA, Optima Chemical Ltd and Millman Limited.
  - b. PJSC Kuibyshev Azot, the producer from Russia, along with the exporter CPH Chemicals BV, Netherlands.
  - c. Capro Corporation, the producer from Korea RP, along with its exporter Hyosung TNC Corporation and Itochu Corporation.
  - d. UBE Chemicals (Asia) Public Company Limited (UCHA or Exporter) is a producer and exporter of the subject goods from Thailand.

### **F.4 Normal Value and Export Price for Russia**

#### **i. Open Joint Stock Company “Shchekinoazot”**

##### **a. Normal Value**

37. During the POI, JSC “Shchekinoazot”, Russia, has sold the subject goods in the domestic market to unrelated parties only. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with the exports to India. To determine the normal value, the Authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of the subject goods. If profit making percentage of all the transactions is more than 80%, then all the transactions in the domestic sales are being considered for determination of the normal value and if the profit-making percentage of all transactions is less than 80%, only the profitable domestic sales are being taken into consideration for determination of the normal value. In the present case since more than 80% of domestic sales are profitable, hence all the domestic sales have been considered to determine the normal value. JSC “Shchekinoazot”, Russia, has claimed adjustment on account of credit cost and packing expenses and the same have been allowed by the Authority. Accordingly, the normal value at ex-factory level for JSC “Shchekinoazot”, Russia has been determined and the normal value is shown in the dumping margin table.

##### **b. Export Price**

38. During the POI, JSC “Shchekinoazot” Russia, sold \*\*\* MT of subject goods to India through two unrelated traders, namely, Avestra Chemical (Suisse) S.A., Switzerland and Millman Limited, UK. It is further noted that Avestra Chemical (Suisse) S.A., Switzerland, has exported the subject goods to India sourced from JSC “Shchekinoazot”, Russia, through another unrelated trader, namely, M/s

Optima Chemical Ltd., UK. JSC “Shchekinoazot”, Russia has claimed adjustment on account of ocean freight, inland transportation, credit cost and packing expenses and the same have been allowed. Accordingly, export price at ex-factory level for JSC “Shchekinoazot”, Russia has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table.

## **ii. PJSC Kuibyshev Azot**

### **a. Normal Value**

39. PJSC Kuibyshev Azot has sold \*\*\* MT of the subject goods in the domestic market. The domestic sales are in sufficient volumes when compared to the exports to India. To determine the normal value, the Authority conducted the ordinary course of trade test to determine profit making domestic sales transactions with reference to the cost of production of the subject goods. If profit making percentage of all the transactions is more than 80%, then all the transactions in the domestic sales are being considered for determination of the normal value and if the profit-making percentage of all transactions is less than 80%, only the profitable domestic sales are being taken into consideration for determination of the normal value. In the present case since more than 80% of domestic sales are profitable, hence all the domestic sales have been considered to determine the normal value. The exporter has claimed adjustments for credit cost & level of trade. The Authority has not accepted the adjustment for level of trade to arrive at the normal value to India as no justification was given to claim the same. The weighted average Normal Value for the PJSC Kuibyshev Azot so determined is mentioned in the dumping margin table.

### **b. Export Price**

40. PJSC Kuibyshev Azot has exported \*\*\* MT of the subject goods through unrelated exporter, namely, CPH Chemicals BV. The exporter has claimed adjustments of freight, insurance and credit cost which were verified and allowed. Accordingly, the export price determined is provided in the dumping margin table.

## **iii. Other producers/exporters from Russia**

41. The normal value and export price for all other non-cooperating producers and exporters of Russia is determined as per the facts available and the same are mentioned in the dumping margin table.

## **F.4.1 Normal Value and Export Price for Korea RP**

### **i. Capro Corporation, Korea RP**

#### **a. Normal Value**

42. CAPRO Corporation is engaged in the production and sale of the subject goods in Korea RP. During the POI, Capro Corporation, Korea RP, has sold the subject goods in the domestic market to the related party (\*\*\* MT) and to unrelated parties (\*\*\* MT). The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India. To determine the normal value, the Authority conducted the ordinary course of trade test to determine the profit-making domestic sales transactions with reference to the cost of production of the subject goods. If profit making percentage of all the transactions is more than 80%, then all the transactions in the domestic sales are being considered for determination of the normal value and if the profit-making percentage of all transactions is less than 80%, only the profitable domestic sales are being taken into consideration for determination of the normal value. In the present case since more than 80% of domestic sales are profitable, hence all the domestic sales have been considered to determine the normal value. Capro Corporation, Korea RP has claimed adjustment on account of loading charges and credit cost and the same have been allowed. Accordingly, the normal value at ex-factory level for Capro Corporation, Korea RP has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table.

#### **b. Export Price**

43. During the POI, Capro Corporation, Korea RP, sold \*\*\* MT of the subject goods to India indirectly through three traders, namely, Hyosung TNC Corporation, Itochu Corporation and Agrifields DMCC. Out of the three, Agrifields DMCC has not participated in the present investigation. However, the exports through Agrifields DMCC constitute only \*\*\*% of total exports to India by Capro Corporation, Korea RP. The same have not been considered to work-out the ex-factory export

price. Capro Corporation, Korea RP, has claimed adjustment on account of ocean freight, insurance, inland transportation, port and handling charges, credit cost, brokerage charges, bank charges and other expenses and the same have been allowed. It is also noted that the traders have exported the subject goods to India at loss and, thus, the Authority has made appropriate adjustments. Accordingly, the export price at ex-factory level for Capro Corporation, Korea RP has been determined and the same is shown in the Dumping Margin Table.

**ii. Other producers/exporters from Korea PR**

44. The normal values and export price for all other non-cooperating producers and exporters of Korea RP is determined as per facts available and are same is mentioned in the dumping margin table.

**F.4.2 Normal Value and Export Price for the European Union.**

**a. Normal Value for all producers/exporters from EU**

45. Since no producer/exporter from the EU has cooperated in the present investigation, the normal value for all the producers and exporters from the EU is determined on the basis of the cost of production of the domestic industry, duly adjusted with selling, general and administrative expenses, plus reasonable profit. The same is mentioned in the dumping margin table.

**b. Export Price for all producers/exporters from EU**

46. Since no producer/exporter from the EU has cooperated in the present investigation, the ex-factory export price for all the producers and exporters from the EU is determined as per facts available and the same is mentioned in the dumping margin table.

**F.4.3 Normal Value and Export price for Thailand.**

**i. UBE Chemicals (Asia) Public Company Limited, Thailand**

**a. Normal Value**

47. UBE Chemicals (Asia) Public Company Limited (UCHA or Exporter) is a producer and exporter of the subject goods from Thailand. UCHA has claimed in its questionnaire response that it has sold the subject goods in the domestic market directly as well as through trader. As per its claim, it has exported the subject goods directly to unrelated customers in India.
48. It is noted that UCHA has neither disclosed the name of the trader through which subject goods were sold in the domestic market nor the linked trader has filed the questionnaire response. Further, it has been also noted that the exporter has not filed the questionnaire response as per the format prescribed vide Trade Notice No. 05/2018 dated 28<sup>th</sup> February, 2018. UCHA has only filed some information in Appendix 3A and 4A in PDF format. The exporter has also not provided the excel file of the Appendices. Therefore, the questionnaire response filed by the exporter cannot be accepted.
49. Accordingly, the normal value is determined on the basis of facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. The Authority has determined the normal value for all the producers and exporters from Thailand is determined on the basis of the cost of production of the domestic industry, duly adjusted with selling, general and administrative expenses, plus reasonable profit. The same is mentioned in the dumping margin table below.

**b. Export Price for all producers/exporters from Thailand**

50. In view of the above-mentioned facts and circumstances, the Authority holds to reject the ex-factory export price for UBE Chemicals (Asia) Public Company Limited, Thailand in the present investigation, the ex-factory export price for all the producers and exporters from Thailand is determined as per facts available and the same is mentioned in the dumping margin table.

**F.4.4 Dumping Margin**

51. The normal value, the ex-factory export price and the dumping margin determined in the present investigation for the subject countries are as follows:

**Dumping Margin Table**

S. No.	Producer	Normal Value (USD/MT)	Export price (USD/MT)	Dumping Margin (USD/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin Range
<b>1</b>	<b>Russia</b>					
a	JSC Shchekinoazot	***	***	***	***	40-50
b	PJSC Kuibyshev Azot	***	***	***	***	0-10
c	Any Other	***	***	***	***	70-80
<b>2</b>	<b>Korea RP</b>	***	***	***	***	
a	Capro Corporation	***	***	***	***	0-10
b	Any Others	***	***	***	***	20-30
<b>3</b>	<b>European Union</b>	***	***	***	***	
a	All Producers	***	***	***	***	20-30
<b>4</b>	<b>Thailand</b>	***	***	***	***	
a	All Producers	***	***	***	***	20-30

52. It is noted that the dumping margin is positive in respect of all the producers/exporters from the subject countries.

## **G. ASSESSMENT OF INJURY AND CAUSAL LINK**

### **Methodology for injury determination and examination of injury and causal link**

#### **G.1 Submissions of the other interested parties**

53. The submissions of the other interested parties with regard to injury and causal link are herein below:
- The increase in volume of subject imports was because of the increase in demand over the injury period and the domestic industry's incapability of meeting the entire demand due to its limited capacity.
  - Imports from Korea RP increased with the elimination of custom duties.
  - Decline in profits is not attributable to decline in landed price of imports but due to decline in global Capro price caused by oversupply in the market.
  - There was negative price undercutting in the period of investigation and the two preceding years.
  - Domestic industry's selling price increased over the injury period at a rate more than increase in the selling price which led to applicant earning abnormal returns. Fall in current period is just correction of profits.
  - Applicant has been constantly operating above its rated capacity. Its production and demand had increased till 2018-19 and there can be no injury in terms of production or capacity utilization.
  - Captive consumption has increased by 30% in the period of investigation, which shows that the applicant has prioritised captive consumption.
  - Applicant has himself recognized that decline in the market share of the domestic industry up to preceding year can be attributed to the low capacity.
  - Decline in domestic sales was due to decline in demand and user industry considers applicant as an unreliable source of supply due to limited capacity.
  - Depreciation of the domestic industry has increased significantly over the injury period.
  - There is a possibility of applicant having accumulated Benzene or having a long-term contract with the supplier at high rates.

- l. Applicant's performance could have been impacted due to Covid-19 which affected the performance in last quarter of 2019-20.
- m. Reason for cash loss suffered by the applicant is that the plant in Vadodara was put on the hold.
- n. Applicant has not taken any steps towards upgrading of its production technology and machinery and this obsolete technology has caused inefficient utilization of capacities and led to higher costs of production.
- o. Applicant has contradictory data in the application and in the Annual Report with regard to production.
- p. Applicant has suffered injury due to decline in demand.
- q. As per annual report of the applicant, heavy rainfall, volatility in crude oil prices, poor demand, upward price movement of raw materials like Benzene, etc. are cause of injury.
- r. In case of Digital Offset Printing Plates originating in or exported from China PR, the Authority held that the domestic prices already agreed upon though MoU have no connection with import prices.
- s. Applicant has contractual arrangements with user industry, which is bound by volumes/off-take linked discounts.
- t. Applicant quotes its prices on the basis of Tecnon Asia reports and like any other producer, its selling price in the domestic market reflects global prices.
- u. GSFC has fixed quantity and pricing agreements with their buyers in which pricing is based on agreed formula based on published prices of "Technon" or ICIS prices.
- v. The prices are accepted as benchmark internationally and import prices have no bearing on the prices of the applicant.
- w. GSFC has its captive requirements also for Nylon-6 chips plant and any increase in their captive volume, caprolactam offered to other customers will be further reduced.
- x. Applicant's contention of increasing spread between benzene and caprolactam is ill-founded since fall in the domestic selling prices of Caprolactam is due to benchmarking with global prices.
- y. It is settled position that mere positive injury margin during period of investigation is not evidence of injury but only a means for applying the lower duty rule. Injury has to be determined by looking at the holistic picture for entire injury period wherein on all parameters domestic industry have fared exceedingly well.
- z. Decline in global prices of Caprolactam in the period of investigation was caused due to an oversupply of Caprolactam in the international market by China PR (as a result of the US-China trade war), which caused a financial impact. This has been admitted by the applicant in its Annual Report 2019-20.

## **G.2 Submissions of the domestic industry**

54. The submissions of the domestic industry with regard to injury and causal link are herein below: -
  - a. Cumulative assessment of the effects of dumped imports from the subject countries is appropriate in the present investigation.
  - b. Demand for the subject goods has consistently increased till the preceding year but declined in the period of investigation.
  - c. As compared to the base year, the imports have increased by 32% in the period of investigation.
  - d. In spite of the decline in demand in the period of investigation by 4%, the imports from the subject countries have increased by 6%.
  - e. The imports in relation to production and consumption have increased by around 20% and 8% respectively over the injury period.

- f. While the price undercutting is negative, the same is due to significant price depression faced by the domestic industry. Had the domestic industry sold at remunerative prices, the price undercutting would have been positive and significant.
- g. Drastic fall in the landed price of the imports in the period of investigation has forced the domestic industry to reduce its prices and, therefore, the prices of the domestic industry were depressed.
- h. The production and capacity utilization of the domestic industry has declined in the period of investigation after increasing upto the preceding year.
- i. The domestic sales of the industry increased up to the preceding year but because of the significant fall in the landed price of the imports coupled with the increase in the volume of the subject imports, the domestic sales have declined in the period of investigation by 12%.
- j. Market share of the domestic industry has continuously declined over the injury period whereas that of the imports from the subject countries increased.
- k. Average inventories declined upto the preceding year, but the same increased in the period of investigation as the domestic sales declined.
- l. With sharp decline in the landed price of the imports, the domestic industry has been forced to sell at highly unremunerative prices and has suffered significant financial losses in the period of investigation.
- m. The domestic industry has suffered with cash losses and negative return in the period of investigation.
- n. Employment and wages are not solely dependent on the performance of subject goods. These are governed by several legislative requirements in the country and various business compulsions with the domestic industry.
- o. The domestic industry witnessed a positive growth till the preceding year. However, the industry has recorded a negative growth in all the parameters in the period of investigation due to the fall in landed price of imports.
- p. The domestic industry is faced with negative return on capital employed. The ability to raise capital investments is being significantly affected due to continued presence of dumped imports.
- q. The price of the subject imports was in the region of 2150-2250 USD per MT during the period from May, 2018 to January, 2019 and has declined significantly thereafter in the period of investigation to as low as 1250-1350 USD per MT in January, 2020 to March, 2020.
- r. The delta between cost of benzene per unit of Caprolactam and the subject imports increased till the preceding year but has declined significantly in the period of investigation. This shows that the fall in the import prices of Caprolactam is over and above the fall in price of benzene.
- s. The domestic industry was planning to set up a new plant of 50,000 MT for the production of the subject goods. However, due to a significant shift in the global trade balance of demand and supply in the subject goods which has also affected the prices in the Indian domestic market, the domestic industry has been forced to put the project on the hold.
- t. On the submission of inconsistent data in the application and the Annual Report, the production reported in the Annual Report does not contain the production that is to make the finished product in progress. However, the production reported in the costing formats includes work in progress, the production on which work such as packing it yet to be done.
- u. Statements made in the Annual Report pertain to the performance of the company as a whole and not just relating to the product under consideration.
- v. The applicant admits that the prices of Caprolactam in the global market have declined, but the exporters have not established that their domestic prices have also declined in proportionate extent.
- w. Import price from the subject countries, selling price of the domestic industry and prices reported in the two leading trade journals show the same trend. CFR price reported in trade

journals is reflective of the price at which the foreign producers are exporting their product. These export prices act as a benchmark for the prices in other markets, including domestic industry.

- x. The reference to Digital Offset Printing Plates is inappropriate. The Authority had disregarded claims of adverse price effect in that investigation because there was already an MOU in force between the domestic industry and the users and the prices were set according to it. However, prices of the domestic industry are all linked to prices reported in the trade journal, and the prices reported in the trade journals are the prices at which the foreign producers are exporting to India and other countries.

### **G.3 Examination by the Authority**

#### **Cumulative assessment**

- 55. Article 3 of WTO Agreement and Annexure II of the Rules provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:
  - a. The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively account for more than seven percent of the import of like article, and
  - b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
- 56. The Authority notes that:
  - a. The subject goods are being dumped into India from the subject countries. The margins of dumping from each of the subject countries are more than the de minimis limits prescribed under the Rules.
  - b. The volume of imports from each of the subject country is individually more than 3% of the total volume of imports.
  - c. Cumulative assessment of the effects of import is appropriate as the exports from the subject countries not only directly compete with the like articles offered by each of them but also the like articles offered by the domestic industry in the Indian market.
- 57. In order to ascertain whether cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles, the following parameters have been examined: -
  - a. Products supplied by different parties are like articles and are comparable in properties.
  - b. Domestically produced products and the imported products are interchangeable.
  - c. There is direct competition between the domestic product and the imported product and inter-se between the imported product.
  - d. Consumers are using domestic material and imported material interchangeably and the exporter and the domestic industry have sold the same product to same set of customers.
  - e. Import price from the subject countries have moved in tandem.
- 58. In view of the above, the Authority considers it appropriate to cumulatively assess the effects of dumped imports of the subject goods from European Union, Korea RP, Russia and Thailand on the domestic industry.
- 59. Rule 11 of Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effects on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as



compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, inventory, profitability, net sales realization, the magnitude, and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Rules.

60. The Authority has taken note of the various submissions made by the domestic industry and other interested parties on injury and causal link and has analysed the same considering the facts available on record and applicable laws. The injury analysis made by the Authority in the succeeding paras addresses submissions made by the domestic industry and the other interested parties.
61. The Authority notes that it is not necessary that all parameters of injury show deterioration. Some parameters may show deterioration, while some others may not. The Authority considers all injury parameters and, thereafter, concludes whether the domestic industry has suffered injury or is likely to suffer injury due to dumping. The Authority has examined the injury parameters objectively considering the facts and arguments submitted by the domestic industry and the other interested parties.
62. With regard to the claim that the applicant's loss is attributable to the oversupply in the global market which has impacted the prices of the subject goods, it is seen that the interested parties themselves have contended that the domestic industry has been operating in a market where there is a demand and supply gap and the domestic industry is the sole producer. The domestic industry has been unable to align its prices adequately to the movements in prices of raw materials because of low priced imports from the subject countries which have resulted in losses. Analysis of the questionnaire response of the exporters shows that the decline in their export price to India was far steeper than the decline in their domestic prices. This clearly shows that the foreign producers were able to hold the decline in their domestic prices while reducing their prices for exports. The Authority notes that the foreign producers should have reduced their domestic and export price both to the same degree, had the decline in the prices been global.
63. It has been claimed that the imports from Korea RP increased with elimination of customs duties and imports from Russia have declined. It is noted that the imports from the two subject countries are above the de-minimis limits in the period of investigation as prescribed under para (iii) of Annexure II of the Rules. Therefore, the effect of the imports is to be cumulatively assessed by the Authority.
64. The interested parties provided information with respect to agreement entered into by the domestic industry with the users. It has been submitted that GSFC has fixed quantity and pricing agreements with their buyers wherein user and the applicant are bound by certain volumes; and prices are decided on the basis of a formulae based on published prices in Technon or ICIS. Based on this, the interested parties contended that the pricing of the domestic industry is not related to the import price and the same is related to these reports. The domestic industry too has stated that the prices of the domestic industry are linked to the reports but has submitted that the prices in the trade journal itself are reflective of the export prices. The interested parties have not demonstrated that the trends in export price to India are different from the trends in prices published in these trade journal. From the information on record, it is seen that the prices reflected in the report are CFR prices and these export prices have eventually resulted in landed price of imports. Further, comparison of these prices with the export price of the foreign producers and selling prices of the domestic industry shows that all have moved in tandem. The domestic industry is the sole producer in the country and has minimal export volumes.
65. In any case, the Authority is required to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India. The domestic industry also submitted that as the domestic industry was operating in a market with demand and supply gap and is the sole producer in India, there was no compulsion on the domestic industry to reduce its prices even below cost of production, leave aside a level where it would have earned reasonable profits. The response of all the producers in the subject countries also shows dumping. Therefore, the imports are at dumped imports and were undercutting the prices of the like article in India.

**G.3.1 Assessment of demand**

66. The Authority has determined demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the domestic industry and imports from all sources.

S.No.	Particulars	UOM	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Imports from subject countries	MT	49,816	56,935	61,820	65,814
2	Imports from other countries	MT	1,773	1,477	4,660	2,235
3	Domestic sales of applicant (excluding captive)	MT	***	***	***	***
	Trend	<i>Indexed</i>	100	102	106	94
4	Demand/ consumption excluding captive	MT	***	***	***	***
	Trend	<i>Indexed</i>	100	107	116	111
5	Captive consumption by domestic industry	MT	***	***	***	***
	Trend	<i>Indexed</i>	100	97	99	97
6	Demand/ consumption including captive	MT	***	***	***	***
	Trend	<i>Indexed</i>	100	105	113	109

67. It is seen that the overall demand for the product has increased over the injury period. However, the demand of the subject goods (including captive consumption and excluding captive consumption) declined in the period of investigation after increasing till 2018-19. However, there was no material increase or decline in the captive consumption over the injury period. Therefore, the domestic industry had sufficient demand in the market to utilise its production capacities. As against a demand (excluding captive consumption) of \*\*\* MT, the domestic industry could have offered at least \*\*\* MT of the PUC in the market. Further, considering that there was no material increase or decline in the captive consumption over the injury period, it was considered appropriate to analyse the effect of dumped imports on the domestic industry after excluding captive consumption. Further, whereas demand/consumption declined in the period of investigation as compared to the preceding year, the subject imports increased and sales of the domestic industry declined in the POI.

**G.3.2 Volume effect of dumped imports.****i. Import volume and share of subject countries**

68. The effect of the volume of dumped imports from the subject countries as well as the imports from other countries has been examined by the Authority. The volume of imports from various countries in absolute terms and in relation to production and consumption was as under:

S.No.	Particulars	UOM	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Subject countries	MT	49,816	56,935	61,820	65,814
a	European Union	MT	13,551	11,293	13,832	14,510
b	Korea RP	MT	19,760	29,248	24,144	36,288
c	Russia	MT	12,249	15,450	22,250	12,600
d	Thailand	MT	4,256	944	1,594	2,416
2	Other countries	MT	1,773	1,477	4,660	2,235
3	Total	MT	51,589	58,412	66,479	68,049

4	Subject countries import in relation to-					
A	Indian Production	%	***	***	***	***
	Trend	<i>Indexed</i>	100	112	119	136
B	Demand	%	***	***	***	***
	Trend	<i>Indexed</i>	100	107	107	119
C	Total imports in India	%	***	***	***	***

69. It is seen that: -

- imports from the subject countries increased in absolute terms over the injury period.
- imports have increased in relation to production and consumption in India
- product has been imported from a number of other countries over the injury period.

### G.3.3 Price effect of dumped imports.

70. In terms of Annexure II (ii) of the Rules, the Authority is required to consider the effect of the dumped imports on domestic prices in terms of price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any.

#### a. Evolution of prices

71. The Authority has examined the trend of import prices over the injury period and in the period of investigation. It is seen that whereas the import prices were increasing till 2018-19, the same declined steeply in the POI. Further, there was a steep decline in the prices even in the period of investigation. The same trend is seen in both the import price and the domestic price.

Year/ Months	Landed Price- Subject Countries		Domestic Industry Sales Prices	
	Rs/MT	Trend	Rs/MT	Trend
2016-17	1,00,140	100	***	100
2017-18	1,31,819	132	***	119
2018-19	1,54,940	155	***	138
Apr-19	1,24,592	124	***	120
May-19	1,34,180	134	***	120
Jun-19	1,32,267	132	***	116
Jul-19	1,22,262	122	***	100
Aug-19	1,14,385	114	***	100
Sep-19	1,14,541	114	***	103
Oct-19	1,12,861	113	***	101
Nov-19	1,13,567	113	***	99
Dec-19	1,06,644	106	***	90
Jan-20	95,553	95	***	87
Feb-20	94,616	94	***	93
Mar-20	1,01,214	101	***	88

**b. Price undercutting**

72. With regard to the effect of dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. In this regard, a comparison has been made between the landed value of the product from the subject countries and the average selling price of the domestic industry, net of all rebates and taxes, at the same level of trade. The prices of the domestic industry were determined at ex-factory level. It is seen that both the import price and domestic price declined over the period. Further, the landed price of imports was slightly above the selling price of the domestic industry. The domestic industry contended that in the situation of decline in prices, the price undercutting shows negative trend as the domestic prices shows the immediate effect of declined prices whereas the imports prices do not show the same trend because of the time lag.

S.No.	Particulars	UOM	EU	Korea RP	Russia	Thailand	Subject Countries as a whole
1	Import Volume	MT	14,510	36,288	12,600	2,416	65,814
2	Landed Price	Rs/MT	1,14,150	1,15,293	1,09,637	1,13,905	1,13,907
3	Net Sales Realisation	Rs/MT	***	***	***	***	***
4	Price Undercutting	Rs/MT	***	***	***	***	***
5	Price Undercutting	%	***	***	***	***	***
6	Price Undercutting	Range	(0-10)	(0-10)	0-10	(0-10)	(0-10)

**c. Price Suppression/Depression**

73. In order to determine whether the dumped imports are suppressing or depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree, the Authority examined the changes in the costs and prices over the injury period and compared the same with the landed price of imports.

S.No.	Parameter	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Cost of Sales	₹/MT	***	***	***	***
2	Trend	<i>Indexed</i>	100	110	127	132
3	Selling Price	₹/MT	***	***	***	***
4	Trend	<i>Indexed</i>	100	119	138	101
5	Landed Price	₹/MT	1,00,140	1,31,819	1,54,940	1,13,907
6	Change over previous year					
7	Cost of Sales	₹/MT	-	***	***	***
8	Selling Price	₹/MT	-	***	***	***
9	Landed Price	₹/MT	-	31,678	23,121	(41,033)

74. It is seen that the landed price of imports increased up to 2018-19. As the landed price increased, the domestic industry was able to increase its selling price. Further, the increase in the landed price of imports was more than the increase in the selling price of the domestic industry. Further, both the increase in landed price of the subject imports and the selling price of the domestic industry was higher than the increase in cost of the domestic industry. However, in the period of investigation, while the cost of sales of the domestic industry continued to increase, the landed price of imports declined significantly. The selling price of the domestic industry also declined significantly. The decline in the selling price was slightly less than the decline in the landed price of imports. It is thus seen that whereas the imports were not suppressing or depressing the domestic prices till 2018-19, the domestic industry faced significant suppression and depression in the POI.

**G.3.4 Impact on economic parameters of the domestic industry**

75. Annexure - II to the Anti-Dumping Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. The Anti-Dumping Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. Accordingly, various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below.

**a. Capacity, Production, Capacity Utilization and Sales**

76. The Authority has considered capacity, production, capacity utilization and sales volume of the domestic industry over the injury period.

S.No.	Particulars	UOM	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Capacity	MT	***	***	***	***
2	Trend	<i>Indexed</i>	100	100	100	100
3	Production	MT	***	***	***	***
4	Trend	<i>Indexed</i>	100	102	105	97
5	Capacity Utilisation	%	***	***	***	***
6	Trend	<i>Indexed</i>	100%	102%	105%	98%
7	Domestic sales	MT	***	***	***	***
8	Trend	<i>Indexed</i>	100	102	106	94
9	Captive consumption	MT	***	***	***	***
10	Trend	<i>Indexed</i>	100	97	99	97

77. It is seen that:

- The capacity of the domestic industry has remained constant over the injury period and is lower than the demand in country. At highest achieved production, the domestic industry could have catered to 52% of the demand (excluding captive consumption) for the product in the country.
- Production of the domestic industry increased upto 2018-19. However, the production declined steeply in the period of investigation and was lower than even the base year 2016-17.
- The capacity utilization of the domestic industry has followed the same trend as that of production. The capacity utilisation increased upto 2018-19 and then declined in the period of investigation.
- The domestic sales increased till 2018-19 but declined in the period of investigation.
- While demand/consumption declined, and captive consumption remained relatively stable.
- The capacity utilisation has remained above 100% thought the injury period and the POI.

**b. Market share in demand**

78. The effects of the dumped imports on the market share of the domestic industry have been examined.

S.No.	Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Domestic industry	%	***	***	***	***
	Trend	<i>Indexed</i>	100	95	91	85
2	Subject Countries	%	***	***	***	***
	Trend	<i>Indexed</i>	100	107	107	119
3	Other Countries	%	***	***	***	***
	Trend	<i>Indexed</i>	100	78	226	113

79. It is seen that: -

- a. On analysis over the injury period, the market share of the subject imports has increased whereas that of the domestic industry declined. There is a sharp increase in market share of the subject imports in the period of investigation. Resultantly, the market share of the domestic industry declined sharply in the period of investigation.

**c. Inventories**

80. Average inventory with the domestic industry has been examined.

S.No.	Particulars	UOM	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Opening inventory	MT	***	***	***	***
2	Closing inventory	MT	***	***	***	***
3	Average Inventory	MT	***	***	***	***
	<b>Trend</b>					
4	Opening inventory	<i>Indexed</i>	100	38	44	29
5	Closing inventory	<i>Indexed</i>	100	116	77	138
6	Average Inventory	<i>Indexed</i>	100	59	53	59

81. It is seen that the inventory with the domestic industry at the beginning of the year 2016-17 was in significant quantity. The domestic industry was able to reduce its inventory level significantly.

**d. Profits, cash profits and return on investment**

82. The performance of the domestic industry has been examined in respect of profits, cash profits and return on capital employed.

S.No.	Particulars	UOM	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Cost of Sales	₹/MT	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	110	127	132
2	Selling Price	₹/MT	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	119	138	101
3	Profit / Loss (PBT)	₹/MT	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	176	208	(90)
5	Cash Profit	₹/MT	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	176	208	(90)
6	Profit before Interest and Taxes (PBIT)	₹/MT	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	174	207	(87)
	<b>Total for domestic operations</b>					
7	Profit / Loss (PBT)	₹ Lacs	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	179	220	(85)
8	Cash Profit	₹ Lacs	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	179	220	(85)
9	Profit before Interest and Taxes (PBIT)	₹ Lacs	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	177	219	(82)
10	Return on capital Employed	%	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	146	177	(73)

83. It is seen that:

- Cost of sales of the domestic industry has increased continuously over the injury period. However, while selling price too increased till the year 2018-19, the same has declined in the period of investigation. The decline in selling price in the POI is so sharp that the same was now below the cost of sales of the domestic industry.
- Profitability of the domestic industry increased till 2018-19 but declined sharply in the period of investigation. The domestic industry suffered significant financial losses in the period of investigation.
- Profit per unit, cash profit per unit and profit before interest and tax per unit have all increased till the year 2018-19 but declined in the period of investigation and all became negative.
- The domestic industry was earning cash profits, and the extent of the same increased upto 2018-19. However, in the POI, the domestic industry suffered not only steep decline in cash profits, but also significant cash losses.
- The return on capital employed (ROCE) increased till 2018-19. However, ROCE not only declined in the POI, but also was significantly negative in the POI.

**e. Employment, wages and productivity**

84. The situation of the domestic industry with regard to employment, wages and productivity was examined.

S.No.	Particulars	UOM	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Number of Employees	Nos	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	102	101	107
2	Salary & Wages	₹ Lacs	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	128	85	116
3	Productivity per day	MT/Day	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	102	105	97
4	Productivity per Employee	MT/Nos	***	***	***	***
	Trend	Indexed	100	100	104	91

85. It is seen that the number of employees and the salary & wages paid by the domestic industry have increased over the injury period. Productivity per day and per employee has increased till 2018-19 but declined in the period of investigation. The changes in productivity are in line with the changes in production.

**f. Growth**

86. Examination of growth parameters of the domestic industry during the injury period is shown below

S.No.	Particulars	UOM	2017-18	2018-19	POI
1	Production	Y/Y	1.88%	2.69%	-7.00%
2	Sales	Y/Y	1.80%	3.84%	-10.74%
3	Profit/(Loss) per unit	Y/Y	75.76%	18.40%	-143.29%
4	Inventory	Y/Y	-41.09%	-10.69%	11.38%
5	Market Share	Y/Y	-4.85%	-4.41%	-6.88%
6	Profit before Tax	Y/Y	78.93%	22.94%	-138.64%
7	Cash Profit	Y/Y	79.03%	22.84%	-138.61%
8	PBIT	Y/Y	77.34%	23.39%	-137.67%
9	ROI	Y/Y	45.87%	21.47%	-141.34%

87. It is seen that growth of the domestic industry was negative in both volume and price parameters in the period of investigation, while the same was positive till 2018-19.

**g. Magnitude of dumping**

88. It is seen that the dumping margin in respect of the imports from the subject countries is not only positive, but also significant.

**h. Ability to raise fresh investment**

89. The applicant has submitted that considering demand in the country, it had planned for a capacity expansion. However, due to a significant shift in the global trade balance of demand and supply in the subject goods which has also affected the prices in the Indian domestic market, the domestic industry has been forced to put the project on hold. It is seen that the domestic industry is operating in losses.

**i. Factors affecting domestic prices**

90. The imports from the subject countries hold a significant share in the market and the landed price of these imports is below the non-injurious price of the domestic industry. The interested parties contended that the pricing of the domestic industry is linked to prices published in trade journals. These trade journal prices are reflective of the prices at which exports are taking place. The selling price of the domestic industry has been affected in the period of investigation and the domestic industry has reduced its prices by a whopping Rs. \*\*\* per MT even when the costs increased by Rs. \*\*\* per MT. The cost of production of the domestic industry increased partially because of decline in production, but substantially due to increase in costs on account of raw materials. The landed prices of subject imports have suppressed and depressed the prices of the domestic industry leading to domestic industry suffering financial losses. Therefore, it is seen that the imports from subject country were a factor affecting the prices of the domestic industry.

**j. Magnitude of injury margin**

91. The Authority has determined the Non-Injurious Price (NIP) for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules, read with Annexure III, as amended. Detailed disclosure is being made separately hereinbelow. Injury margin for producers/exporters and other producers/ exporters has been determined considering the landed price and NIP so determined. The table below shows the determined injury margin. It is seen that the injury margins are significant.

**Injury Margin Table**

S. No.	Producer	NIP (USD/MT)	Landed Value (USD/MT)	Injury Margin (USD/MT)	Injury Margin (%)	Injury Margin Range
1	<b>Russia</b>					
a	JSC Shchekinoazot	***	***	***	***	0-10
b	PJSC Kuibyshev Azot	***	***	***	***	10-20
c	Any Other	***	***	***	***	40-50
2	<b>Korea RP</b>	***	***	***	***	
a	Capro Corporation	***	***	***	***	10-20
b	Any Others	***	***	***	***	30-40
3	<b>European Union</b>	***	***	***	***	
a	All Producers	***	***	***	***	0-10
	<b>Thailand</b>	***	***	***	***	
a	All Producers	***	***	***	***	0-10



**H. CAUSAL LINK**

92. The Authority is required to examine whether any known factors other than dumped imports have also caused injury to the domestic industry at the same time. Factors which may be relevant in this respect include, inter-alia, the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It was examined whether these listed factors other than dumped imports could have contributed to the injury to the domestic industry.

**a. Volume and price of imports from third country**

93. The imports from the subject countries account for 97% of the total imports. Imports have been reported from Japan, United Arab Emirate and United States of America. It is, however, seen that the import price from these countries is higher than the import price from the subject countries. Further, imports from other countries increased till 2018-19 and then declined significantly in the period of investigation, whereas imports from subject countries increased further in the period of investigation. Imports from non-subject countries are very less in volume.

**b. Contraction in Demand and / or Change in Pattern of Consumption**

94. The subject goods are consumed largely in the production of Nylon-6. The demand of the subject goods has shown consistent increase till 2018-19. The demand, however, declined in the period of investigation. It was, however, higher than the base year. As against demand of \*\*\* MT in the period of investigation, the capacity with the domestic industry is significantly below the demand in India. Further, the imports from the subject countries increased even when demand for the product declined. It is also noted that the domestic industry submitted that the decline in demand was purely temporary and short term.

**c. Developments in Technology**

95. The Authority notes that the technology for production of the product has not undergone any material change over the injury period. Development in technology is, therefore, not a possible cause of injury suffered by the domestic industry.

**d. Trade restrictive practices**

96. The Authority notes that none of the interested parties have made any claim of possible existence of trade restrictive practice which could have caused injury to the domestic industry. It is also noted that the domestic industry is the sole producer of the product in the country.

**e. Export performance**

97. The domestic industry has been exporting small volume of the subject goods. The volume of exports was higher in 2016-17 and declined sharply thereafter till 2018-19. Even though the export volumes increased again in the period of investigation, the volume of exports in any case is much lower at \*\*\* MT in the POI (\*\*\*% of the domestic sales). The injury information examined hereinabove relates only to the performance of the domestic industry in terms of its domestic market. Thus, the injury suffered cannot be attributed to the possible deterioration in export performance of the domestic industry.

**f. Performance of other products**

98. The Authority has considered segregated data relating to performance of the product under consideration and all other products. Therefore, performance of other products produced and sold by the applicant is not a possible cause of the injury to the domestic industry in this investigation.

**g. Conditions of Competition**

99. It is seen that the domestic industry is the sole producer of the product under consideration in the country at present. The other company, FACT holds capacities (\*\*\* MT) for the product under consideration. The company has, however, not produced the product over the injury period. The domestic industry stated that FACT has undertaken trial production. In any case, since the domestic industry was the sole domestic supplier and \*\*\*% of the imports were from the subject countries, there are no trade restrictive practices in India which could have caused injury to the domestic industry.

**I. POST DISCLOSURE COMMENTS**

100. The Authority issued a disclosure statement disclosing the essential facts of the case and inviting the comments from all the interested parties. The post-disclosure submissions have been received from the interested parties. The majority of the issues raised in the post disclosure comments have already been raised earlier and also addressed appropriately. Additional submissions to the extent deemed relevant have been examined as under:

**I.1 Submissions made by other interested parties**

101. The following submissions have been made by the other interested parties on the disclosure statement: -

- a. On the reasoning given by the Authority for considering GSFC as the eligible domestic industry, the Authority in the various past cases such as Vittrified Tiles, Soda Ash and PX-13, companies like Kajaria Ceramics, Nirma Limited and Lanxess India were considered as ineligible. The same approach should be applied here.
- b. If self-imports of the applicant from Thailand are removed, the share of the imports from Thailand will fall below 3%. It is for this reason that the other interested parties request termination.
- c. The requirement of Rule 2(b) is express and categoric and does not allow for an exception to be carved out for a domestic industry that is an importer itself to qualify as the domestic industry.
- d. The Authority should deal with the approach adopted in the Digital Offset Printing Plates (DOPP) Case wherein the Authority has terminated the investigation as there was an MOU between the applicant industry and the users.
- e. The Authority has not provided its observation / analysis to the specific questions relating to fixed quantity contracts and methodology for fixing the pricing.
- f. The Authority has not appreciated that because of the pre-fixed pricing arrangement, the applicant industry is contractually barred to sell the subject goods above the agreed prices.
- g. Since there is “ZERO” correlation between the actual landed prices and the pre-determined prices of the applicant industry with the customers, there is no causal link between the landed value and the injury suffered by the applicant industry. Therefore, the investigation needs to be terminated on this ground alone.
- h. The Authority should allow Fibrant B. V. producer from EU and Kemorovo Joint-Stock Company Azot, Russian to file new shipper review as they have not exported the subject goods to India during the period of investigation. Further, they are also not related to any producer who has exported the subject goods to India during the period of investigation.
- i. The Authority should analyze the frequency at which the applicant has indulged in importing. The frequency of the imports would conclusively prove that these are not just remote transactions for purposes like testing the market, but rather a routine process as a trader to earn profits from the trading
- j. It has also been contended that the domestic industry imported and consumed from Korea “small volume of Caprolactam for production of Nylon – 6 for testing purposes.” There is no explanation given as to why the domestic industry had to resort to the import for testing purposes when it is itself a producer of Caprolactam operating a plant at more than the optimal capacity.
- k. The central government has recently taken a protectionary stance on the textile industry with the objective of providing relief to the ailing textile sector by not notifying the recommendation of this Authority to impose the anti-dumping duty on nylon multifilament yarn from China, Korea, Taiwan and Thailand.
- l. The recent budget announcements also reflect this desire to protect the interest of the textile industries. In this situation, any imposition of the anti-dumping duty on Caprolactam will be contrary to the central government’s announcement in Budget 2021-2022.

- m. The imports from Korea should not have been cumulated with the imports from other origins. They followed a completely different trend with regard to both imports from the other subject countries and from the non-subject countries.
- n. Injury margin disclosure is absent from the disclosure statement. This renders it unable to assess the exact scope of the injury that the domestic industry is found to have suffered.
- o. The Authority has simply stated that "the technology for production of the product has not undergone any material change". The examination provided is inadequate in the light of the detailed information provided in respect of the lack of efficiency of the older of the two plants of the applicant.
- p. The fact that the domestic industry suffers from artificially high costs that have prevented it from being profitable has not been examined by the Authority.
- q. The calculation of the return by adopting 22% uniformly on both the components of the capital employed is totally incorrect and needs to be reviewed. In view of the foregoing, it is submitted that by applying 22% ROCE, the DGTR is giving undue protection to the domestic industry.
- r. The quantum of imports made by the applicant should be disclosed and no prejudice will be caused to the applicant if such data is revealed.
- s. The refusal of the central government to impose the anti-dumping duty on NFY and NTCF despite a positive recommendation by this Authority, is itself a proof that any duty on caprolactam will cause great harm to the interests of the users in the supply.
- t. Even if a 5% ADD is assumed on caprolactam, it translates to around Rs. 9/- per kg of additional cost for chips manufacturing.
- u. NTCF producers are expanding their capacities by around 4,000 MT per month which will require an additional requirement of 4,000 MT of caprolactam per month.
- v. The capacities of Nylon Chips and NTCF will become idle as imports of these items will become cheaper.
- w. There was an oversupply of the subject goods in the global world in the period of investigation. This should not be considered as a basis to impose duties for 5 years.
- x. The prices of caprolactam have already recovered in the post period of the investigation and the domestic industry is not suffering any injury.
- y. The results of the domestic industry declined only due to Covid-19.
- z. There is a huge demand and supply gap in India.
- aa. The landed value taken by the Authority for Itochu Corp is lower than its purchase price. Hence, it is requested to revise the calculations of landed value for Itochu Corp to calculate the injury margins of the cooperating producer Capro Corp.
- bb. UCHA requests the Authority to not demand the information required in the questionnaire format such as production cost, raw material consumption, other operating expenses etc. as these are business sensitive information.
- cc. UCHA has now provided the information on domestic sales to its end users.
- dd. The Authority is requested to examine the applicant's contracts with the buyers and the details of their pricing formula. When the prices are negotiated and fixed based on a formula, how can imports have any impact on the realization of the applicant industry?

## **I.2. Submissions made by the domestic industry**

102. The following submissions have been made by the domestic industry on the disclosure statement: -

- a. There is significant difference in the dumping margin in the case of the responding producers from Russia.
- b. When both the producers in Russia are operating in the same domestic market, there cannot be such a significant difference in their domestic prices. The normal value of PJSC Kuibyshev Azot has been underreported.

- c. The adjustment of the packing expense in the normal value computation of JSC “Shchekinoazot”, Russia is inappropriate as there is no secondary packing done for the sales made in the domestic market. The adjustment of the packing expense is allowed only when the packing for the domestic sale and the export sale is different. Same can be verified from response by PJSC Kuibyshev Azot, Russia and Capro Corporation, Korea RP. It is requested to not allow the adjustment claimed unless these are justified.
- d. In computation of the net export price of PJSC Kuibyshev Azot, no adjustments have been made for inland insurance, bank charges, commission and port and other handling charges for PJSC Kuibyshev Azot and JSC “Shchekinoazot”, Russia. All expenses have been adjusted in the net export price of Capro Corp, Korea RP. There is no justification for different exporters claiming expenses on different account to determine the ex-factory export price when all of them have sold to Indian buyers at the CIF level.
- e. Fertilizers and Chemicals Travancore Limited has completed the trial run of the operations for production on its 50,000 MT plant and is expected to begin the commercial production very soon. FACT incurred significant expenses on restart in the last 2 years. Upon commencement, the Indian producers will be able to cater a significant share of the demand and the import dependency will reduce along with providing the employment opportunity.
- f. In the absence of sufficient disclosure about the computation of non-injurious price, the domestic industry is unable to comment on the non-injurious price determined.
- g. The impact of ADD on the end-product is very minimal. The producers of Nylon Filament Yarn had quantified the impact of the duty on the end users only 2%. The impact of the duty on Caprolactam will be far lower.

Final product	Price	Caprolactam Consumption	Difference	Impact on End Product
	Rs/KG	KG /KG	Rs/KG	%
Saree	160	0.06	9.71	0.37%
Dupatta/ Stolls	70	0.04	9.71	0.49%
Dress material	90	0.07	9.71	0.77%
Swim Wear, Lingerie	900	0.08	9.71	0.09%
Suiting and Shirting	140	0.12	9.71	0.85%
Socks/ Bottoms	60	0.02	9.71	0.33%
T shirts / Tops	600	0.10	9.71	0.16%
Sweaters	800	0.06	9.71	0.07%
Elastics / Tapes	4	0.01	9.71	1.48%
Crochet / Labels/ Velcro/ Laces	70	0.02	9.71	0.28%
Rugs, Carpets, Packaging	400	0.25	9.71	0.62%
Threads, Cosmetics, Fish Nets	350	0.07	9.71	0.20%
Automotive Backing, Gloves	600	0.04	9.71	0.07%
Bolting, Filters	70	0.07	9.71	0.92%

- h. Most of NTCF producers normally sell their product linked to Capro prices and pass on the price increase and reduction in their product as is evident from their annual reports. The cost of NTCF in tyres are normally grossly low and the impact of the cost increase of NTCF on the tyre industry is minimal.

Particulars	Consumption factor	Price Rs/KG	Impact
Consumption of Capro in NTCF			4.11%
Consumption of NTCF in tyres	0.004	200	0.02%
Increase in Capro price due to antidumping duty (assuming that the domestic industry increases the prices by the amount of antidumping duty)		9.71	

- i. The public interest is a much wider term and covers the domestic industry and ultimately the public at large interest.
- j. The imposition of ADD will definitely be in the interests of the domestic industry and will allow the domestic industry to compete with the dumped imports and grow. It is in consumers' interest to have a competitive domestic industry capable of supplying the product in competition to fair priced imports.
- k. The viability of the consumers cannot be dependent on access to the raw material at cheap, unfair and dumped prices. The consumers cannot claim a right to availability of the product at cheap and dumped prices.

### I.3. Examination by the Authority

103. It is seen that most of the submissions made by the other interested parties on the disclosure statement are mere reiteration of their earlier submissions. The Authority has already examined the submissions made by the other interested parties at the time of issuance of the disclosure statement. The views expressed by the interested parties which are mere repetition of the submissions made before are not being reproduced again. The submissions made by the domestic industry and the other interested parties on the disclosure statement that have not already been examined by the Authority are addressed hereinunder.
104. The Authority notes that the definition of the domestic industry within the ambit of Rule 2(b) provides that when the producers are related to the exporters or the importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term, 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers. In such a situation, by the deliberate use of the word 'may', the investigating authority has been vested with the discretion to analyze the facts of an individual case and thereafter decide upon disqualification of a producer.
105. On the cases referred by the other interested parties, the Authority notes that the facts of the present case are different from the facts of those cases due to the following reasons:
  - a. Kajaria Ceramics Limited was considered ineligible in the anti-dumping investigation concerning imports of Glazed Unglazed Porcelain Vitrified tiles as the imports in relation to production made by it was very high as compared to the present case.
  - b. In the anti-dumping investigation concerning imports of Rubber Chemical PX-13 from China PR, Lanxess India Private Limited was considered ineligible as it had imported significant volumes of the product under consideration and the company is related to the exporter and is itself an importer. However, in the present case, the domestic industry is not related to any importer or exporter.
  - c. In the anti-dumping investigation concerning imports of Soda Ash, there were exports in significant quantity by the related entity of the domestic industry in one of the subject countries which was engaged in dumping. Therefore, Tata Chemicals Limited was considered ineligible.
  - d. In the anti-dumping investigation concerning the imports of Aluminum Foil from China PR, Raviraj Foils Limited was considered ineligible as it had made imports which were then sold in the domestic market and unduly benefitted from it. The producer had given no reason for the imports made. However, in the present case, the domestic industry has provided reasons for the imports. Further, even for the imports sold in the domestic market, it has not provided sufficient reasons.

106. Further, the Authority notes that there is plethora of cases where the Authority has held the domestic industry as eligible domestic industry even if it had made imports. Accordingly, the Authority holds that the applicant is an eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the Rules.
107. With regard to the submission made on the significant difference in the normal value of the Russian producers, the Authority notes that it has verified the information provided by the responding producers and only after due examination and table verification has considered the information for the purpose of calculation of the normal value.
108. On the submission that the imports from Korea RP should not be cumulated, the Authority notes that since the conditions of cumulation are satisfied, the Authority, therefore, has undertaken the cumulative assessment. Further, the claim that the trend of imports from Korea is different from trend of imports from other country is incorrect as the imports have increased from all subject countries barring Russia. The fact that the users have switched their source of supply also shows that there exists inter-se competition.
109. On the participation of UCHA chemical, it is seen that the producer has not complied with the requirements prescribed in the trade notice. The information requirement provided in the trade notice such as cost of production is required to the conduct the OCT test. Since the information has not been provided, the Authority has rejected the response filed by it and treated it as non-responding producer.
110. The submission on global oversupply, the demand and supply gap, the non-imposition of duties by the central government in some of the cases have been already examined by the Authority in the disclosure statement.
111. On the submission on the impact of Covid-19, the domestic industry had been operating in the entire period of investigation. There was no significant shut down due to covid which has resulted in significant losses to the domestic industry. Further, the average capacity utilization in the POI was more than 100% and it always had the inventory to meet the demand.
112. With regard to the submission for examination of the agreement between the users and domestic industry for setting the price and reference to the Digital Offset Printing Plates, it is seen that in the Digital Offset Printing Plates, it was found that the 'MOU' signed by the Domestic Industry with the user association/user industry has led to mitigation of the likely injury due to unfair trade. However, in present case, the prices of the domestic industry are all linked to the prices reported in the trade journal, and the prices reported in the trade journals are the prices at which the foreign producers are exporting to India (and other countries). As already noted in the disclosure statement, the prices reflected in the trade journals are CFR prices which have eventually resulted in landed price of the imports. Further, the comparison of these prices with the export price of the foreign producers and the selling prices of the domestic industry shows that all have moved in tandem.
113. With regard to the submission that the domestic industry suffered due to the high cost, under the Rules, the domestic industry in the present case was earning sufficient profits up to the immediately preceding year. Had it suffered due to high costs, it would have suffered injury in the previous years as well. In any case, the Authority is required to examine injury to the domestic industry as it exists and not consider if the domestic industry was operating in idle conditions. The same stand has been confirmed by the CESTAT in the matter of Nippon Zeon Co. Ltd. Vs. Designated Authority and by the Appellate Body in EU - Biodiesel.
114. On the issue of examination of the post period of investigation data, the examination of post period of investigation is not conducted in the original investigation unlike sunset review investigation.
115. On the request of Fibrant B. V., EU and Kemorovo Joint-Stock Company Azot, Russia to treat them eligible for new shipper review, the interested parties are free to apply for a new shipper review as per the Rules.
116. With regard to the submission made by the domestic industry and the other interested parties on the computation of the non-injurious price and the disclosure thereof, the Authority notes that non-injurious price has been determined in accordance with Annexure III of the Rules and the consistent practice of the Authority and the same has been disclosed to the domestic industry.

117. With regard to the submission on the imposition of the duties against the public interest, all concerns of the interested parties with regard to the public interest have been examined hereunder.

#### **J. PUBLIC INTEREST**

118. The Authority considered whether the imposition of the anti-dumping duties shall have any adverse public interest. Specifically, the Authority issued gazette notification inviting views from all the interested parties, including importers, consumers and other interested parties. The Authority also prescribed a questionnaire for the consumers to provide the relevant information with regard to the present investigation, including the possible effect of the anti-dumping on their operations. The Authority sought information on, inter-alia, interchangeability of the product supplied by various suppliers from different countries, ability of the domestic industry to switch sources, effect of the anti-dumping duties on the consumers, factors that are likely to accelerate or delay the adjustment to the new situation caused by imposition of anti-dumping duties, impact of imposing the present duty.
119. The Authority notes that some consumers filed questionnaire response. The submissions made by the consumers during the course of the investigation have been taken into account. The Authority notes that these interested parties have not shown with verifiable information that the imposition of the anti-dumping duties shall have significant adverse effect either on these consumers or the public at large. The users have claimed that the impact of duties on Nylon Chips will amount to Rs 9 per KG. However, no calculation has been provided for it. In the absence of information, the claim cannot be accepted. The domestic industry has provided quantified information for impact of duties on the end products. It is seen that the impact of duties on the product is very low. While the impact is high in case of NTCT, the users have themselves stated in their annual report that the impact is transferred to the end product. The impact on end product of NTCF, which is tyre, is also found to be very low.
120. Authority notes that purpose of anti-dumping duty, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. The domestic industry in the present case is suffering with losses. Due to the dumping of the subject goods from the subject countries, the domestic industry has been forced to sell at losses. Imposition of anti-dumping duty will provide a level playing field to the domestic industry to compete with the imports.
121. It is further recognized that Fertilizers and Chemicals Travancore Limited has completed trial run of operations and will begin commercial production soon. The producer has a plant of 50,000 MT and will be able to cater a significant share of demand to eliminate the demand and supply gap.
122. It is recognized that the imposition of duty might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of this product. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measure. On the contrary, imposition of anti-dumping measure would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline in the performance of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. The duties will ensure that domestic industry can compete in the market and will ensure wider availability of options to the users which will be in large public interest. As per the information provided by the domestic industry, the impact of duty on the end products is minimal.
123. The Authority thus concludes that the imposition anti-dumping duties will not be against the public interest at large.

#### **K. CONCLUSION**

124. After examining the submissions made by the interested parties and the issues raised therein and considering the facts available on record, the Authority concludes that:
- a. The applicant is an eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the Rules. The application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3) of the Rules.
  - b. The product produced by the domestic industry is like article to the PUC imported from the subject countries.
  - c. The application contained all information relevant for the purpose of initiation of the investigation and also contained evidence to justify initiation of the present investigation.

- d. Considering the normal value and export price for the subject goods, dumping margin for the subject goods from the subject countries has been determined, and the margin is positive and significant.
- e. The domestic industry has suffered material injury in view of the following-
  - i. Volume of dumped imports from subject countries have increased in both absolute and relative terms.
  - ii. While the production and sales of the domestic industry have declined. The performance of the domestic industry has significantly deteriorated in respect of profits, cash profits and return on capital employed. The domestic industry has suffered financial losses, cash losses and negative return on investments in the period of investigation.
  - iii. The injury margin is positive and significant.
- f. There are no other factors which could have caused injury to the domestic industry.
- g. The material injury suffered by domestic industry has been caused by dumped imports.
- h. Recommendation of duties will not be against public interest at large.

## L. RECOMMENDATION

125. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, producers, exporters, importers and other interested parties to provide information on the aspects of dumping, injury and causal link thereof in terms of Rules.
126. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of the anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury so as to remove the injury to the domestic industry. The Authority, therefore, considers it necessary to recommend imposition of the definitive anti-dumping duty equal to the amount mentioned in the column (7), on all imports of the subject goods described at Column (3) of the duty table, originating in or exported from the subject countries, from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government.

**Duty Table**

S.No.	Heading/ Subheading	Description of goods	Country of origin	Country of exports	Producer	Amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)
1	29337100	Caprolactam	Russia	Any country including Russia	JSC Shchekinoazot	111.76	MT	US \$
2	- do -	- do -	Russia	Any country including Russia	PJSC Kuibyshev Azot	67.79	MT	US \$
3	- do -	- do -	Russia	Any country including Russia	Any other than S.N. 1 and S.N. 2	560.82	MT	US \$
4	- do -	- do -	Any country other than Russia	Russia	Any	560.82	MT	US \$
5	- do -	- do -	Korea RP	Any country including Korea RP	Capro Corporation	67.78	MT	US \$
6	- do -	- do -	Korea RP	Any country including Korea RP	Any other than S.N. 5	287.57	MT	US \$



7	- do -	- do -	Any country other than Korea RP	Korea RP	Any	287.57	MT	US \$
8	- do -	- do -	European Union	Any country including European Union	Any	132.13	MT	US \$
9	- do -	- do -	Any country other than European Union	European Union	Any	132.13	MT	US \$
10	- do -	- do -	Thailand	Any country including Thailand	Any	135.55	MT	US \$
11	- do -	- do -	Any country other than Thailand	Thailand	Any	135.55	MT	US \$

**Note** - Customs classification mentioned above is only indicative, and the determination of anti-dumping duty shall be made as per the description of the product under consideration. The product under consideration mentioned above should be subject to above ADD even when it is imported under any other HS code.

#### **M. FUTRHER PROCEDURE**

127. An appeal against the order of the Central Government arising out of these findings shall lie before the appropriate forum.

ANANT SWARUP, Designated Authority